रांची, सोमवार
09.02.2026
वर्ष : 11, अंक : 70 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

भारत-मलेशिया साझेदारी को मिलेगी नई गति, आतंकवाद पर डबल स्टैंडर्ड नहीं चलेगा: पीएम मोदी

एजेंसी

पुत्राजाया : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मलेशिया दौरे के दूसरे दिन कहा कि मलेशिया में भारत के श्रमिकों के संरक्षण के लिए सोशल सिक्योरिटी एग्रीमेंट, पर्यटन के लिए ग्रेटिस ई-वीजा तथा डिजिटल इंटरफेस यूपीआई का मलेशिया में लागू होना जैसे कदम दोनों देशों के नागरिकों के जीवन को सरल बनाएंगे। उन्होंने कहा कि आज की चुनौतियों का समाधान करने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार आवश्यक है। भारत-मलेशिया शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करते रहेंगे और आतंकवाद के मुद्दे पर दोनों देशों का संदेश स्पष्ट है- नो डबल स्टैंडर्ड्स, नो कंप्रोमाइज।

मलेशिया की प्रशासनिक और न्यायिक राजधानी पुत्राजाया में मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और मलेशिया के संबंध अत्यंत विशेष हैं। दोनों देश समुद्री पड़ोसी हैं और सदियों से उनके लोगों के बीच गहरे और आत्मीय संबंध रहे हैं। आज मलेशिया भारतीय मूल की आबादी वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है, जो दोनों देशों के बीच मानवीय रिश्तों की मजबूती को दशार्ता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले वर्ष वह आसियान से जुड़े कार्यक्रम के लिए मलेशिया नहीं आ पाए थे, लेकिन आज वर्ष 2026 की पहली विदेश यात्रा में मलेशिया आकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

बीते कुछ वर्षों में भारत-मलेशिया संबंधों ने नई गति पकड़ी है, जिसमें प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम का विशेष योगदान रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच ऊर्जा, अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्रों में सहयोग मजबूत हुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, बायोटेक और आईटी में आपसी निवेश बढ़ा है, जबकि पर्यटन और लोगों के बीच संपर्क भी गहरे हुए हैं। इन उपलब्धियों से प्रेरित होकर दोनों देशों ने साझेदारी को अभूतपूर्व गति और गहराई देने का निर्णय लिया है।

सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और मलेशिया काउंटर टेररिज्म, इंटेलिजेंस शेयरिंग और समुद्री सुरक्षा में आपसी सहयोग को और मजबूत करेंगे। रक्षा सहयोग को भी और व्यापक बनाया जाएगा। एआई और डिजिटल टेक्नोलॉजी के अलावा सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्रों में साझेदारी को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सीईओ फोरम आयोजित होने से व्यापार और निवेश के नए अवसर खुले हैं और दोनों देश रणनीतिक विश्वास के जरिए आर्थिक परिवर्तन का रास्ता बनाएंगे। उन्होंने मलेशिया में भारतीय प्रवासियों से मुलाकात का जिक्र करते हुए कहा कि लगभग 30 लाख भारतीय प्रवासी दोनों देशों के बीच एक ह्यलिविंग ब्रिजह्ल हैं। उनके कल्याण के लिए उठाए गए कदम भारत-मलेशिया संबंधों को मानवीय आधार प्रदान करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और मलेशिया को तमिल भाषा के प्रति साझा प्रेम भी जोड़ता है। मलेशिया में तमिल की मजबूत और जीवंत उपस्थिति शिक्षा, मीडिया और सांस्कृतिक जीवन में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।ह्दृश्य -श्रव्य सहयोग से फिल्म और संगीत, विशेषकर तमिल फिल्में, दोनों देशों के लोगों को और करीब लाएंगी।

उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए यूनिवर्सिटी एक्सचेंज, स्टार्टअप कनेक्ट और स्किल डेवलपमेंट के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों को समर्थन देने के लिए मलेशिया में नया भारतीय कांसुलेट खोलने का भी निर्णय लिया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र वैश्विक विकास का इंजन बनकर उभर रहा है। भारत, आसियान के साथ पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में विकास, शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है और आसियान सेंट्रलिटी को प्राथमिकता देता है। उन्होंने मलेशिया की सफल आसियान अध्यक्षता के लिए प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों ने सहमति जताई है कि आसियान-भारत व्यापार समझौते (आईटीजीए) की समीक्षा शीघ्र पूरी की जानी चाहिए। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई है। वैश्विक अस्थिरता के मौजूदा माहौल में भारत और मलेशिया की बढ़ती मित्रता दोनों देशों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त खबरें

राज्य में 10 फरवरी से छाएंगे आंशिक बादल

रांची। राजधानी रांची सहित झारखंड के विभिन्न जिलों में 10 फरवरी से आंशिक बादल छाने की संभावना है। इसके प्रभाव से राज्य में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। यह जानकारी मौसम विभाग ने रविवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल राज्यभर में पछुआ हवाएं (उत्तर-पश्चिम दिशा से) चल रही हैं, जिसके कारण तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वहीं सोमवार से हिमालयी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है, जिसका असर आने वाले दिनों में झारखंड के मौसम पर पड़ सकता है। रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में दिनभर मौसम साफ रहा। ठंडी हवाएं मध्यम गति से चलती रहीं, जिससे लोगों को ठंड का एहसास हुआ, हालांकि धूप में हल्की गर्मी भी महसूस की गई। पछुआ हवा के प्रभाव से रांची सहित कई जिलों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया।

राष्ट्रपति ने डॉ. जाकिर हुसैन को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को देश के तीसरे राष्ट्रपति रहे डॉ. जाकिर हुसैन की जयंती के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने डॉ. जाकिर हुसैन के योगदान को स्मरण किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। डॉ. जाकिर हुसैन का जन्म 08 फरवरी 1897 को हुआ था। वे भारत के तीसरे राष्ट्रपति थे और देश के पहले ऐसे राष्ट्रपति रहे जो शिक्षाविद् पृष्ठभूमि से आए थे। वे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति और जामिया मिलिया इस्लामिया के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। डॉ. जाकिर हुसैन को शिक्षा को सामाजिक बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम मानने के लिए जाना जाता है। उन्हें वर्ष 1963 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। उनका कार्यकाल सादगी, नैतिक मूल्यों और शैक्षणिक दृष्टि के लिए स्मरण किया जाता है।

जापान में ताकाइची का दोबारा प्रधानमंत्री बनना तय

नई दिल्ली। जापान की प्रधानमंत्री सानेए ताकाइची के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार निचले सदन के चुनाव में प्रचंड जीत की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। एग्जिट पोल के अनुसार, ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उसकी सहयोगी जापान इनोवेशन पार्टी मिलकर 465 में से लगभग 360 से अधिक सीटें हासिल कर सकती हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद पर सुरक्षा समीक्षा बैठक की

31 मार्च 2026 से पहले देश पूरी तरह नक्सल-मुक्त हो जाएगा : अमित शाह

एजेंसी

रायपुर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज रविवार को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में वामपंथी उग्रवाद पर सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। साथ ही, गृह मंत्री ने छत्तीसगढ़ में विभिन्न विकास कार्यों पर भी एक समीक्षा बैठक की।

बैठक को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि, नक्सलवाद अंत के कगार पर पहुँच चुका है और 31 मार्च 2026 से पहले देश पूरी तरह नक्सल-मुक्त हो जाएगा। माओवादियों के खिलाफ चल रही लड़ाई बिखरी हुई नहीं होनी चाहिए। विभिन्न राज्यों और केन्द्रीय एजेंसियों के बीच सुचारू समन्वय की

आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि, शेष बचे माओवादियों को अन्य राज्यों में भागने नहीं दिया जाना चाहिए।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि, छत्तीसगढ़ ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को विकास के समान अवसर प्राप्त हों। केन्द्र और छत्तीसगढ़ सरकार की सुरक्षा केन्द्रित रणनीति, इंफ्रास्ट्रक्चर, नक्सल फाइनेंशियल नेटवर्क पर प्रहार व आत्मसमर्पण नीति के सकारात्मक परिणाम आए हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवा खेल, फॉरेंसिक और तकनीकी शिक्षा को गति देते हुए अपनी संस्कृति व परंपराओं को भी सहेज रहे हैं।

समीक्षा बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप-मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, गृह मंत्रालय के विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा), छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक तथा छत्तीसगढ़, तेलंगाना, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र के गृह सचिव एवं पुलिस महानिदेशक उपस्थित थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 26 को जमशेदपुर में श्री जगन्नाथ मंदिर और आध्यात्मिक शिक्षा केंद्र का करेंगी शिलान्यास

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जमशेदपुर पहुंचेंगी। अपने दौरे के दौरान वह श्री जगन्नाथ मंदिर और श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक शिक्षा केंद्र का शिलान्यास करेंगी। यह जानकारी श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक चैरेटिबल सेंटर ट्रस्ट के ट्रस्टी एस. के. बेहरा ने दी है। जानकारी के अनुसार, श्री जगन्नाथ मंदिर और आध्यात्मिक केंद्र का निर्माण मरीन ड्राइव के पास किया जाएगा। ट्रस्टी एस. के. बेहरा ने बताया कि यह परियोजना सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं होगी, बल्कि नई पीढ़ी और विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के लिए एक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित की जाएगी। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत पहले

आध्यात्मिक केंद्र का निर्माण होगा और इसके बाद लगभग 2.5 एकड़ क्षेत्र में पत्थर से मंदिर का निर्माण किया जाएगा। मंदिर की वास्तुकला और शिल्पकला अद्भुत होगी, जो झारखंड में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देगी। एस. के. बेहरा ने बताया कि जब द्रौपदी मुर्मू झारखंड की राज्यपाल थीं, उसी दौरान इस भूमि का आवंटन हुआ था। अनुमान है कि मंदिर निर्माण में करीब चार वर्ष का समय लगेगा। भूमि पूजन और शिलान्यास समारोह के दौरान राष्ट्रपति सभा को संबोधित भी करेंगी। इस अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहेंगे।

गौरतलब है कि भारत की राष्ट्रपति बनने के बाद द्रौपदी मुर्मू की यह दूसरी यात्रा होगी। इससे पहले वह करनडीह में संथाली ओलचिकी लिपि के शताब्दी वर्ष के समापन समारोह में शामिल हुई थीं।

सीआईपी में कार्य कर रहे एक निजी सफाई कर्मी की दुर्घटना में मौत

बिभा संवाददाता

रांची। केंद्रीय मनः चिकित्सा संस्थान सीआईपी में एमएस धनंजय डीके यादव की मेन पावर कंपनी जो मसूपुर बिहटा पटना की है। इस कंपनी में निजी सफाई कर्मी के रूप में कार्य कर रहे 33 वर्षीय बिरसा कच्छप बुकरू, कांके निवासी की मौत संस्थान के भीतर कार्य करने के दौरान एक दुर्घटना से हो गई। सूत्रों ने बताया कि बिना सुरक्षा सेफ्टी बेल्ट इत्यादि लगाए हुए वह कार्य कर रहा था। पेड़ कटिंग कार्य के दौरान इसके ऊपर पेड़ का एक डाली गिर गया। डाली के गिरने से दबकर इसकी मौत हो गई। इस आनन फानन में कांके ब्लॉक चौक स्थित कांके जनरल हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम, डॉक्टर शंभू के यहां लाया गया। जहां चिकित्सकों ने इस मृत घोषित कर दिया। इस मामले को दबाने के उद्देश्य से सीआईपी प्रबंधन के कुछ अधिकारी इस अस्पताल में आए और इसे जल्दबाजी में लेकर रिम्स चले गए।

बताते चले कि इसी कंपनी में कार्य करने के दौरान 12 अगस्त 2025 को पतरा टोली कांके निवासी 25 वर्षीय रिजवान अंसारी की भी मौत दुर्घटना से हुई थी। इस मामले को भी सीआईपी प्रबंधन ने दबा दिया था और इसकी जांच भी आज तक ठंडा बस्ता पर पड़ी है। इस मामले पर जानकारी लेने के लिए संस्थान के निदेशक डॉक्टर बी के चौधरी और कंपनी के धनंजय कुमार के मोबाइल पर फोन की गई लेकिन इन्होंने फोन नहीं उठाया।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर मुख्यमंत्री सरमा ने लगाया पाकिस्तानी लिंक का आरोप

एजेंसी

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई से जुड़े पाकिस्तान लिंक के आरोपों को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि किसी वर्तमान सांसद का नाम सामने आने से यह मामला सामान्य जांच से कहीं आगे निकल जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ गोगोई से जुड़े आरोप राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब संसद का एक सदस्य, वह भी विपक्ष का वरिष्ठ नेता, ऐसे मामलों में नामजद होता है, तो इसकी गंभीरता कई गुना बढ़ जाती है।

डॉ. हिमंत बिस्व सरमा राजधानी दिसपुर के लोक सेवा भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मामले की शुरूआती जांच असम पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने की थी, जिसके बाद सीआईडी पुलिस थाने में औपचारिक मामला दर्ज किया गया। एसआईटी की रिपोर्ट पर विचार के बाद राज्य मंत्रिमंडल इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि मामले की प्रकृति और दायरा ऐसा है, जिसकी जांच किसी केंद्रीय एजेंसी से कराई जानी चाहिए। इसी के तहत केस को आगे की कार्रवाई के लिए गृह मंत्रालय को भेजने का निर्णय

लिया गया है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय से सकारात्मक जवाब मिलने के बाद मामला औपचारिक रूप से केंद्र सरकार को सौंप दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पाकिस्तानी दूतावास यात्रा को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब वह स्वयं असम में निवेश आकर्षित करने के लिए सिंगापुर में थे, तभी एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें गोगोई युवाओं के एक समूह के साथ दिल्ली स्थित पाकिस्तानी दूतावास जाते दिखाई दे रहे थे। डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के अनुसार, उस समय भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित भी वहां मौजूद थे। उन्होंने स्वीकार किया कि शुरूआत में उन्हें यह तस्वीर फर्जी लगी, लेकिन बाद में कांग्रेस नेताओं द्वारा ही इसे सही ठहराए जाने के बाद जांच का दायरा बढ़ाया गया।

राष्ट्रीय भावना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कारगिल युद्ध में शहीद हुए असम के कैप्टन जिन्टू गोगोई का उदाहरण दिया और कहा कि पाकिस्तान को लेकर देश की भावनाएं और राष्ट्रीय सुरक्षा पर रुख सभी को भली-भांति ज्ञात है।

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आलोचना करता रहा है, उसे कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान 13 बार भारत आने की अनुमति दी गई। उन्होंने दावा किया कि यह सभी यात्राएं उस समय हुईं, जब गौरव गोगोई और उनकी पत्नी एलिजाबेथ गोगोई सत्ता तंत्र से जुड़े हुए थे। उन्होंने यह भी कहा कि 2014 के बाद केंद्र में सरकार बदलते ही शेख की भारत यात्राएं पूरी तरह बंद हो गईं।

अब भारत को तोड़ने वाले टूट जाएंगे, यह 1947 का भारत नहीं है : डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को मुंबई में कहा कि अब भारत को तोड़ने वाले टूट जाएंगे, यह 1947 का भारत नहीं है। उन्होंने कहा कि 2047 में अखंड भारत के उदय की कल्पना करनी चाहिए।

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुंबई में आयोजित ₹नए क्षितिज₹ कार्यक्रम के दूसरे दिन पहले सत्र को संबोधित कर रहे थे। डॉ. भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि गुंडागर्दी कभी किसी पूरे समाज का दोष नहीं होती है। समाज की सजगता से विघातक गतिविधियों के नियंत्रण में सहायता मिलती है।

संघ प्रमुख ने कहा कि वर्ष 2047 में अखंड भारत के उदय की कल्पना करनी चाहिए। अब भारत को तोडने वाले टूट जाएंगे, यह 1947 का भारत नहीं है। उन्होंने कहा कि सिख समाज से हमारा खून का रिश्ता है। हमारे बीच रोटी-बेटी का रिश्ता है। केशधारी और सहजधारियों के बीच वैवाहिक संबंध होते ही हैं। श्री गुरू ग्रंथ साहिब में केवल सिख संतों की नहीं, पूरे देश के संतों की वाणी है। हिंदू और सिख एकता का उल्लेख करने से वे अलग हैं। दो हैं ऐसा लग सकता हैं। वह गलत है। कारण हम

सब एक ही हैं।

संघ प्रमुख ने कहा कि संविधान सम्मत जो भी आरक्षण हैं, उसे संघ का समर्थन है। जातिगत भेदभाव के सभी कारण पूरी तरह से समाप्त होने चाहिए। वंसत महोत्सव में हमारे तीसरे सरसंघचालक बालासाहब देवरस के भाषण पर आधारित पुस्तक सामाजिक समरसता और हिन्दुत्व में हमारा विचार पूरी तरह से स्पष्ट है। जातिगत भेदभाव के बारे में संघ की भूमिका स्पष्ट और ठोस है। जिन लोगों ने 2 हजार साल तक विषमता झेली, उन भाइयों के लिए अगर 200 साल तक हमें कुछ सहन करना पड़ा तो यह सौदा भी बहुत सस्ता है। राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाले बहुत जातिवादी हैं या बहुत समतावादी हैं, ऐसा नहीं है। वह केवल वोटवादी हैं। जब समाज में पूरी तरह से समरसता स्थापित हो जाएगी तो वे भी जातिवाद के आधार पर राजनीति करना बंद कर देंगे। जाति नाम की व्यवस्था अब नहीं है, वह एक अव्यवस्था है। जातिवादी भावना जा रही है, जाएगी ही, वह सहजता से चले जाए, बस इतना ही प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संघ भ्रष्टाचार विरुद्ध है। हम शुद्धाचार के पक्ष में हैं। जिसका संस्कार अच्छा है, वह भ्रष्टाचार नहीं करेगा। चाणक्य कहते हैं पानी में मछली कब पानी पी जाती है, पता नहीं चलता. वैसे ही भ्रष्टाचार कब, कैसे होता है, समझना कठिन है। इसलिये भ्रष्टाचार, कायदा कानून सजा से नष्ट नहीं होगा, वो होगा तो केवल संस्कारों से ही होगा। उन्होंने कहा कि डाक्टर लोग कहते हैं कि 19 से 25 साल तक विवाह और कम से कम तीन बच्चे हों तो सभी स्वस्थ रहते हैं। जनसंख्या संतुलन के लिए 2-1 बच्चे होना आवश्यक है। 1 से कुछ होता नहीं। इसलिए तीन बच्चे होना एक आदर्श स्थिति है। ऐसा चिकित्सक, समाज विज्ञानी आदि सभी कहते हैं। बच्चों आदि का परिवरिश, यह कोई बड़ा विषय नहीं है।

यूआईडीएआई ने एक करोड़ स्कूली बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट किया पूरा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने अपने विशेष 'मिशन-मोड' अभियान के तहत यूआईडीएआई ने रविवार को देश भर के 83 हजार स्कूलों में शिविर आयोजित कर 1 करोड़ से अधिक अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।

इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी मंत्रालय के अनुसार यूआईडीएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भुवनेश कुमार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों के साथ समन्वय स्थापित कर इस पहल को गति दी। क्षेत्रीय कार्यालयों और शिक्षा विभागों के अथक परिश्रम से मात्र 5 महीनों में इस विशाल लक्ष्य को प्राप्त किया गया। आधार नियमों के मुताबिक, 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के फिंगरप्रिंट और आइरिस (पुतली) स्कैन नहीं लिए जाते क्योंकि वे उस समय परिपक्व नहीं होते। इसलिए 5-15 की आयु वर्ग में प्रवेश करने पर बायोमेट्रिक्स को अपडेट करना अनिवार्य है। अपडेट न होने की स्थिति में बच्चों को सरकारी योजनाओं, स्कॉलरशिप और नीट, जेईई, सीयूईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के पंजीकरण में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

चिंचेल नाला में एकल चेक डेम का शिलान्यास

डेम से किसानों को मिलेगा सिंचाई लाभ : रामसूर्या मुंडा

बिभा संवाददाता

खूँटी । प्रखंड क्षेत्र के डाड़ीगुटू पंचायत अंतर्गत चिंचेल नाला में रविवार को स्थानीय विधायक रामसूर्या मुण्डा ने एकल चेक डेम निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। मौके पर, विधायक ने कहा कि चेक डेम के निर्माण से आसपास के किसानों को कृषि कार्यों में काफी सहूलियत मिलेगी और सिंचाई की समस्या से राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है और जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। ग्रामीणों से उन्होंने अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं से जुड़ने की अपील की।

कार्यक्रम की शुरूआत गांव के पाहन द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न पूजा कार्यक्रम ने आयोजन को विशेष सांस्कृतिक स्वरूप प्रदान किया।

योजना की स्वीकृति से गांव के किसानों में खुशी देखी गई। किसानों ने कहा कि चेक डेम बनने से खेती के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ेगी, जिससे उत्पादन में वृद्धि होगी और उनकी आय में इजाफा होगा।

इस अवसर पर जिला परिषद पूर्वी गुलशन सिंह मुण्डा, प्रखंड प्रमुख छोटराय मुण्डा, महादेव मुण्डा, विधायक प्रतिनिधि डिक्सन पूर्ति, एतवा पाहन, सिंगराय मुण्डा, रामचंद्र मानकी, केदार मुंडा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

अपराधियों ने युवक को गोली मारकर किया घायल

खूँटी (बिभा)। जिले के मुरहू थाना क्षेत्र अंतर्गत पोसेया रोड गांडू सरमाली के निकट शनिवार की रात 08 बजे के लगभग लुटेरों द्वारा गोली चलाने से एक युवक घायल हो गया। घायल युवक की पहचान गुरमी गाँव निवासी विश्वनाथ महतो के रुप में हुई। जिसने बताया कि मुरहू थाना क्षेत्र के सड़क में लूटकांड को अंजाम देने के लिए चार लोग थे । जिन्होंने सड़क पर एक व्यक्ति पर गोली चलायी। जिसके जांघ पर गोली लगी है। घायल का सदर अस्पताल में ईलाज चल रहा है। वहीं पुलिस मामले की छानबीन में लग गयी है। विश्वनाथ महतो ने बताया कि वो मेला देखने गया हुआ था। और रात हो गयी थी। मेले से घर लौटने के क्रम में गांडू सरमाली के पास सड़क पर वाहनों को रोका जा रहा था। इसी क्रम में वह वाहन दबाकर भाग रहा था। इतने में गोली चला दी गयी जो उसके जांघ में लगी और गोली आर-पार हो गया ।

शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में किया गया लॉटरी ड्रॉ

खूँटी(बिभा) । तोरपा प्रखंड के बासकी गाँव स्थित शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में लॉटरी निकाला गया था। जिसका खेल रविवार को हुआ। जिसमें प्रथम पुरस्कार इलेक्ट्रिक स्कूटर तपकरा निवासी पंकज पाढ़ी व द्वितीय पुरस्कार फुलेश्वरी देवी को एयर कूलर एवं अन्य पंद्रह लोगों को भी अनेकों उपहार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की समापन नागपुरी जगराता करके किया गया। इसमें हमारे क्षेत्र के बुजुर्गों ने मंच संभालते हुए नागपुरी गीत में सर्वप्रथम गणेश वंदना, शिव स्तुति, लक्ष्मी नारायण एवं कृष्णलीला व फगुवा गीतों की प्रस्तुति की गयी। इस दौरान नवासी वर्षीय रामवृत सिंह उनके पुत्र रामप्रवेश सिंह , लक्ष्मी नारायण बडाईक, दिगंबर सिह, अरुण सिंह, मनोज सिंह , दीपक सिंह, ब्रज सिंह एवं वादक प्रताप ने एक से एक प्रस्तुति की। महामंत्री एमपी सिंह ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में खूँटी जिला एवं तोरपा तपकरा वासियों की सहयोग के लिए धन्यवाद दिए।

रोहिणी परियोजना में 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प

बिभा संवाददाता

खलारी। रोहिणी परियोजना में आगामी 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को मुकम्मल रूप से सफल बनाने के लिए मजदूरों ने पूरी ताकत झोंकने का संकल्प लिया है।रोहिणी वर्कशॉप एरिया में आयोजित बैठक में श्रमिक नेताओं और कामगारों ने एकजुट होकर प्रबंधन की मजदूर-विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की और आंदोलन को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया।बैठक को संबोधित करते हुए वर्कशॉप एरिया के प्रमुख साथियों शैलेश कुमार, प्रेम कुमार, गोल्डन यादव, सुनील सिंह, रतिया गंझू, रंथु उरांव और रमेश सिंह ने कहा कि यह हड़ताल मजदूरों के अस्तित्व और अधिकारों की लड़ाई है।वहीं रोहिणी परियोजना से ध्वजा राम धोबी, नंदू मेहता,रामा उरांव, प्रधान मुंडा,नरेश प्रसाद, मोहन पांडे, सुरेश साव, अमृत भोगता, बिरन पासवान और रूपलाल गंझु सहित दर्जनों कामगारों ने एक स्वर में हड़ताल को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की।श्रमिक नेताओं ने कहा कि चार श्रम संहिताओं, निजीकरण, ठेका प्रथा और मजदूर-विरोधी नीतियों के खिलाफ यह आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर है। रोहिणी परियोजना के हर विभाग से मिल रहा समर्थन इस बात का संकेत है कि हड़ताल ऐतिहासिक रूप लेगी।बैठक में मौजूद सभी साथियों ने संकल्प लिया कि 12 फरवरी को एक भी मजदूर काम पर नहीं जाएगा और पूरी परियोजना में चक्का जाम कर मजदूर एकता और ताकत का प्रदर्शन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

जॉगर्स पार्क में वार्षिक खेलकूद कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

जमशेदपुर(बिभा) : जॉगर्स पार्क, शास्त्रीनगर में शहीद निर्मल सेवा सदन के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक खेलकूद कार्यक्रम आज अत्यंत उत्साह और सफलता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत योग प्रशिक्षण सह प्रतियोगिता से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों और बच्चियों ने भाग लिया। योगाचार्य श्री प्रणब नाहा ने सत्र का संचालन किया तथा उनके द्वारा ही पुरस्कार प्रायोजित एवं वितरित किए गए। प्रथम सत्र में जॉगर्स पार्क स्पोर्ट्स अकादमी का शुभारंभ प्रो. असलम मलिक के उद्घोष से हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री श्री बन्ना गुप्ता ने फुटबॉल मैच का उद्घाट किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि घनी आबादी वाले क्षेत्रों में खेल मैदानों का संरक्षण और ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहन देना जरूरी है। उन्होंने बच्चों को नियमित खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर प्रो. असलम मलिक ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में रविंद्र प्रसाद, जावेद हुसैन, पूर्व हॉकी खिलाड़ी किशोर कुंडलना, रूपेश ठाकुर, राजेश भगत, शंकर नायक, अवधेश कुमार, विनोद रजक शामिल थे। इस अवसर में शहीद निर्मल सेवा सदन के महासचिव ने यह जानकारी सांझा किया कि आगामी 14 फरवरी को शहीद निर्मल सेवा सदन द्विवार्षिक साधारण सभा होगी।

सेवा भारती जमशेदपुर के संस्कार केंद्रों का वार्षिकोत्सव सह बाल संगम सम्पन्न

जमशेदपुर(बिभा)। सेवा भारती जमशेदपुर के संस्कार एवं स्वावलम्बन केंद्रों का वार्षिकोत्सव सह बाल संगम सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर बागबेड़ा के प्रांगण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बच्चों के लिये विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। बच्चों ने देशभक्ति गीतों एवं अनेक कार्यक्रमों की भव्य प्रस्तुति दी। अतिथियों द्वारा सभी विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। अग्रसेन भवन ने सभी बच्चों को स्कूल बैग एवं पठन पाठन सामग्री उपहार स्वरूप दिया। कार्यक्रम का संचालन संजय मिश्रा टीपू एवं अधिवक्ता राकेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ प्रसेनजित तिवारी ने दिया। अध्यक्षता युवराज बिल्डर के आर के सिंह ने, मुख्य अतिथि अग्रसेन भवन के अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि आर एस एस के अजय प्रजापति सहित प्रदीप चटर्जी, राजेश कुमार, सोनू गिरी, शशि कुमार, मनोज मिश्रा, मनोज सिंह, अधिवक्ता राजेश सिंह सहित नगर के दर्जनों गणमान्यों की उपस्थिति ने बच्चों में उत्साह भरा। कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में शिक्षिका सुनीता देवी, मनीषा कुमारी, रिया कुमारी, बीजो किस्कू, आरती देवी, उषा कुमारी, निशु कुमारी,नेहा, मुस्कान मंडल, प्रिया, कोमल, बिना देवी, पूजा देवी, ममता संयुक्त, रानी कुमारी, रजनी कुमारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

खलारी में सर्व ब्राह्मण महासभा का वार्षिक मिलन व होली मिलन समारोह संपन्न

खलारी(बिभा)। सर्व ब्राह्मण महासभा खलारी-पिपरवार का वार्षिक मिलन समारोह सह होली मिलन समारोह राय कोलियरी स्थित सपही नदी तट पर हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्व ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष प्रमोद कुमार तिवारी ने की, जबकि संचालन बी.एन. पांडेय ने किया।समारोह के दौरान समाज की एकता को मजबूत करने, महासभा के सदस्यों की संख्या बढ़ाने, समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों को दूर करने तथा गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के विवाह, शादी एवं श्रद्धा भोज जैसे कार्यक्रमों में हर संभव सहयोग प्रदान करने जैसे विषयों पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान परशुराम की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाने पर चर्चा की गई।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 19 अप्रैल को डकरा विवाह भवन में भगवान परशुराम की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी, जिसका उपस्थित सभी सदस्यों ने समर्थन किया।कार्यक्रम में मगध संघमित्रा क्षेत्र के जीएम ऑपरेशन फुल झा, संरक्षक मंडली के सदस्य रतन कुमार मिश्रा, जितेंद्र नाथ पांडेय, सतीश कुमार पांडेय, सोनू पांडेय, गिरधर तिवारी, संतोष कुमार दुबे, सर्व ब्राह्मण महासभा बेरमो क्षेत्र के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार दुबे, उप-कोषाध्यक्ष पंकज कुमार मिश्रा सहित राजीव मिश्रा, रवि भारद्वाज, अमोलकांत मिश्रा, संजय चटर्जी, परिमल पात्रा, योगेंद्र पांडे, आशीष कुमार तिवारी, शंभू नाथ पांडेय, विष्णु पांडेय, राजीव चटर्जी, आईआरबी जवान सुशील कुमार पांडेय, जितेंद्र शुक्ला, शक्ति चौबे, अनिल कुमार पांडेय, गुड्डू गिरी, धनंजय भारती, अवधेश पांडेय, दिलीप कुमार दुबे, कृष्ण मुरारी पाठक, नरेश मिश्रा, विनय कुमार पांडेय, सवानंद दुबे समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

बिन माँ-पिता की बेटी संगीता परिणय सूत्र में बंधी, सोनार परिवार ने आगे बढ़कर अपनाया

बाल संरक्षण विभाग की पहल से संगीता को मिला नया परिवार और नई ज़िंदगी

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के सोनमेर मंदिर परिसर में रविवार, 8 फरवरी का दिन एक भावुक और प्रेरणादायक मिसाल बन गया। अष्टभुजी माँ दुर्गा के आशीर्वाद से बिना माता-पिता की बेटी संगीता कुमारी का विवाह बाल संरक्षण विभाग की अगुवाई में जिला प्रशासन द्वारा पूरे विधि-विधान और उत्साह के साथ संपन्न कराया गया। इस मानवीय पहल के तहत हुटार, चलागी गांव के एक सोनार परिवार ने आगे बढ़कर संगीता को बहू के रूप में अपनाया।

जहाँ आमतौर पर रिश्ते तय करते समय रुतबा, खानदान और संपन्नता देखी जाती है, वहीं इस विवाह ने समाज को एक नई सोच दी। बाल कल्याण समिति ने स्वयं वधू पक्ष की भूमिका निभाते हुए संगीता के लिए योग्य वर का चयन किया। वर-वधू की सहमति के बाद दो दिन पूर्व सगाई, फिर मेहंदी, उबटन, वरमाला, सात फेरे और कन्यादान सहित सभी पारंपरिक रस्में पूरी की गईं।

दुल्हन बनी संगीता ने बताया कि वह पहले रांची के एक आश्रम में रही, बाद में खूंटी आकर सहयोग विलेज में पढ़ाई का अवसर मिला। इसके बाद आशा किरण संस्था से जुड़कर सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण लिया। आज मंदिर में विवाह कर दुल्हन बनना उसके लिए अत्यंत खुशी का क्षण है।

बाल कल्याण समिति की पूर्व अध्यक्ष तनुश्री सरदार ने कहा कि यदि प्रशासन और विभाग इसी तरह जिम्मेदारी निभाएँ, तो कोई भी बच्ची खुद को बेसहारा नहीं समझेगी। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अल्ताफ खान ने बताया कि वर्ष 2020 में लगभग 14 वर्षीय अवस्था में संगीता भटकते हुए खूंटी पहुँची थी, जिसे पुलिस द्वारा बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। परिवार का कोई पता नहीं था। सहयोग विलेज और आशा किरण संस्था के माध्यम से उसकी शिक्षा-दीक्षा और प्रशिक्षण कराया गया। बालिग होने के बाद आफ्टर केयर से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया गया, जिसका परिणाम आज सबके सामने है।

सहयोग विलेज के प्रबंधक राम सुरेश राय ने कहा कि आज संगीता की विदाई बिल्कुल बेटी की तरह की गई, जो सभी के लिए गर्व का क्षण है। यह विवाह जिला बाल संरक्षण विभाग की संवेदनशील और सराहनीय पहल का जीवंत उदाहरण है।

इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा के सहायक निदेशक आनंद कुमार, महिला थाना प्रभारी फुलमनी टोप्पो, आशा किरण इंचार्ज करुणा, जिला बाल संरक्षण इकाई के सभी कर्मी, वर-वधू पक्ष के परिजन एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

शिवरात्रि को लेकर जिले के बाबा आम्रेश्वर धाम समेत विभिन्न मंदिरों में होने लगी तैयारियाँ

खूँटी(बिभा) । जिले के बाबा आम्रेश्वर धाम समेत जिले के विभिन्न शिवालयों में शिवरात्रि महापर्व की तैयारी करना शुरू हो गया है। बाबा आम्रेश्वर धाम में हजारों लाखों श्रद्धालु पूजा करने आते हैं। जिनकी सुविधा और अन्य सुव्यवस्थित करने के लिए प्रबंधन समिति के पदाधिकारी लग गये हैं। इसके अलावे खूँटी का बुढ़ा महादेव, कर्रा प्रखंड के सभी शिवालयों में साफ सफाई रंग-रोगन होने लगा है। बता दें कि इस वर्ष शिवरात्रि पूजा 15 फरवरी को होगी। विशेषकर कर्रा थाना में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिवरात्रि पुजा को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी की जा रही है। वहीं कर्रा में शिवरात्रि पर्व की तैयारी जोरों पर है कर्रा थाना से मिली जानकारी के अनुसार 15 फरवरी को सुबह 9:00 बजे से पूजन एवं रुद्राभिषेक। अपहरण 3:00 बजे से प्रसाद वितरण भंडारा का आयोजन किया गया है। संध्या 6:00 बजे से शिव जी का बारात प्रस्थान एवं रात्रि में शिव पार्वती विवाह महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर सभी भक्तों एवं आसपास के गण मान्य लोगों को उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।

तजना नदी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार दो लोग हुए घायल.

खूँटी (बिभा)। राँची मुख्य पथ पर रविवार को खूँटी थाना क्षेत्र के तजना नदी के नजदीक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रविवार 8 फरवरी दिन के 11की बताई गई.घटना के बाद बाइक सवार दोनों घायल को स्थानीय लोगों ने उपचार के लिए एंबुलेंस से सदर अस्पताल खूंटी पहुंचाया। टक्कर मे खूंटी सेरेंगडीह निवासी मनीष तिर्की और दिनय तिर्की घायल हो गए.चिकित्सको ने शुरूआती उपचार के बाद गंभीर रूप घायल दिनय को बेहतर उपचार के लिए रांची के रिम्स रेफर किया है.उनका पैर टूट गया है.और चेहरे पर गंभीर चोट लगी है। टक्कर के बाद बाइक क्षतिग्रस्त हो गया है.जानकारी के अनुसार बाइक सवार दोनों लोग सेरेंगडीह से हुटार अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे.टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया।

खलारी डकरा डिग्री कॉलेज में गैर-शिक्षण पदों की भर्ती प्रक्रिया के तहत लिखित परीक्षा आयोजित

बिभा संवाददाता

खलारी। डकरा डिग्री कॉलेज में गैर-शिक्षण संवर्ग के अंतर्गत चार रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु चल रही भर्ती प्रक्रिया के क्रम में रविवार को लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया।परीक्षा महाविद्यालय परिसर में निर्धारित समयानुसार शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।चार पदों के लिए कुल 33 अभ्यर्थियों ने आवेदन प्रस्तुत किया था,जिनमें से 25 अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 8 अभ्यर्थी अनुपस्थित पाए गए।महाविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर पूर्व से ही आवश्यक तैयारियाँ की गई थीं,जिससे परीक्षा प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सकी।महाविद्यालय कार्यालय से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार असिस्टेंट लाइब्रेरियन पद के लिए कुल 12 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से 9 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित रहे तथा 3 अनुपस्थित रहे।अकाउंटेंट पद के लिए आवेदन करने वाले दोनों अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। वहीं क्लर्क पद के लिए कुल 6 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से 5 अभ्यर्थी उपस्थित रहे।ऑफिस अटेंडेंट पद के लिए 5 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, परंतु केवल 1 अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुआ।दो घंटे की अवधि में आयोजित इस लिखित परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विशेष निगरानी व्यवस्था की गई थी। परीक्षा केंद्र पर अनुशासन बनाए रखने हेतु महाविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई थी।महाविद्यालय प्रशासन ने बताया कि लिखित परीक्षा के उपरांत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी तथा सफल अभ्यर्थियों की सूची नियमानुसार प्रकाशित की जाएगी।

भुइयांडीह के नंदन टेंट हाउस गोदाम में भीषण आग, लाखों की समान जल कर राख

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः लौहनगरी के सीतारामडेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत भुइयांडीह छाया नगर में रविवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब नंदन टेंट हाउस के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। हालांकि, प्रशासन और दमकल विभाग की मुस्तैदी से एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

रविवार की दोपहर जब गोदाम से अचानक आग की लपटें निकलने लगीं, तो आस-पास के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी। घनी आबादी वाला क्षेत्र होने के कारण आग फैलने का खतरा काफी ज्यादा था।

सूचना मिलते ही राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। मौके पर टाटा स्टील की एक और झारखंड सरकार की दो दमकल गाड़ियां पहुँचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। समय रहते नियंत्रण पाने के कारण आग पास के रिहायशी मकानों और दुकानों तक नहीं पहुँच सकी।

घटनास्थल पर मौजूद सीतारामडेरा थाना प्रभारी निरंजन कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने दमकल विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर आग बुझाने का कार्य शुरू कराया।प्रारंभिक जांच और परिस्थितियों को देखते हुए आग लगने का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि, जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि हो पाएगी।

फिलहाल अग्निकांड में हुई क्षति का सटीक आकलन किया जा रहा है। गोदाम के मालिक के अनुसार, अंदर रखे भारी मात्रा में टेंट, कपड़े, कुर्सियां और सजावट का अन्य सामान जलकर राख हो गया है। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक नुकसान लाखों में हो सकता है।

डी.बी.एल.एम. पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ

बिभा संवाददाता

लातेहार/बालूमाथ: डी.बी.एल.एम. पब्लिक स्कूल, शेरगढ़ा रोड, बालूमाथ परिसर में आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह शनिवार को भव्य एवं हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बालूमाथ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विनोद रवानी उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपाध्यक्ष जिला परिषद, लातेहार अनीता देवी, झारखंड प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारी प्रवीण कुमार सिंह सहित कई गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में विद्यालय के डायरेक्टर संजय पुरायार एवं प्राचार्या ममता पुरायार के साथ रांची डीएवी पब्लिक स्कूल की हेड ऑफ द डिपार्टमेंट (साइंस फैकेल्टी) डॉ. सुजाता सिन्हा, प्रसिद्ध व्यवसायी शैलेश पुरियार, पूर्व फुटबॉलर सुरेश सिंह, विद्यालय के प्रबंधक संकेत पुरायार, रामनाथ सिंह, प्रदीप सिंह एवं महानंद सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा एक से बढ़कर एक ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजनात्मक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। बच्चों ने नृत्य, गीत, नाटक के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। विशेष रूप से सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसे समसामयिक विषय पर प्रस्तुत कार्यक्रम ने उपस्थित लोगों को जागरूक किया।विद्यालय के निदेशक ने बताया कि विद्यालय कर्तव्यनिष्ट फाउंडेशन ट्रस्ट के द्वारा चलाए जा रहा है ' इस अवसर पर शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉपर विद्यार्थियों एवं खेलकूद में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय के सभी शिक्षकों को उनके समर्पित योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अतिथियों ने अपने संबोधन में विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की सराहना करते हुए बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

नगर पंचायत अध्यक्ष झामुमो प्रत्याशी बिलासी टोपनो को कांग्रेस और माले ने दिया समर्थन

बिभा संवाददाता

लातेहारः नगर पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की समर्थित प्रत्याशी बिलासी टोपनो को कांग्रेस एवं माले (भाकपा माले) ने अपना समर्थन देने की घोषणा की है। यह घोषणा कांग्रेस जिला कार्यालय में आयोजित एक संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान की गई।प्रेस वार्ता में कांग्रेस जिला अध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद यादव, माले नेता गोपाल प्रसाद तथा जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष अरुण कुमार दुबे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद यादव ने कहा कि बिलासी टोपनो एक साफ-सुथरी छवि की कर्मठ, ईमानदार एवं जनसमर्पित नेता हैं, जिनके नेतृत्व में नगर पंचायत का समग्र विकास संभव है।वहीं माले नेता गोपाल प्रसाद ने भी झामुमो समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन की घोषणा करते हुए कहा कि उनकी पार्टी पूरी मजबूती के साथ बिलासी टोपनो के समर्थन में चुनाव अभियान चलाएगी।इस अवसर पर कांग्रेस उपाध्यक्ष वृन्द बिहारी यादव, गुंजर उरांव, कांग्रेस युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अमित कुमार यादव, कांग्रेस जिला कार्यालय के महासचिव फूलचंद यादव, झामुमो जिला प्रवक्ता सुशील कुमार यादव, झामुमो नेता सौरभ श्रीवास्तव, प्रमिला देवी, कांग्रेस महिला अध्यक्ष अनीता देवी, हेमामुल अंसारी सहित कांग्रेस एवं झामुमो के कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।इस मौके पर बिलासी टोपनो ने कांग्रेस और माले सहित सभी समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

लोक भवन के उद्यान का 266816 लोगों ने किया दीदार

बिभा संवाददाता

रांची। लोकभवन खुलने के छठे दिन रविवार को 266816 लोग वहां पहुंचे और वहां के उद्यान का दीदार किया।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज्य के नागरिकों में लोक भवन उद्यान देखने के प्रति उत्साह और बढ़ती सहभागिता को ध्यान में रखते हुए पूर्व निर्धारित अवधि (2 फरवरी से 8 फरवरी) को आगामी एक सप्ताह के लिए विस्तारित करने का निर्देश दिया है। अब लोक उद्यान 15 फरवरी तक आम नागरिकों के भ्रमण के लिए खुला रहेगा।

उद्यान भ्रमण का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक है। लोक भवन उद्यान का भ्रमण करने के लिए इच्छुक व्यक्ति लोक भवन के गेट संख्या 02 से सुरक्षा जांच के बाद दोपहर 01 बजे तक आ सकते हैं। बच्चे, बुर्जग, युवक, युवतियां और महिलाएं सभी लोकभवन के आकर्षक गुलाब, झूले, फाउंटेन, झरना और फलदार वृक्ष और औषधीय पेड़-पौधे के साथ मोबाईल से सेल्फी और तस्वीर लेते देखे गये। उल्लेखनीय है कि अबतक कुल 492470 लोगों ने लोक भवन उद्यान का भ्रमण किया है।

राज्यपाल ने लोक भवन उद्यान 15 फरवरी तक खुला रखने का दिया निर्देश

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राज्य के नागरिकों में लोक भवन, राँची उद्यान देखने के प्रति उत्साह एवं बढ़ती सहभागिता को ध्यान में रखते हुए पूर्व निर्धारित अवधि (2 फरवरी से 8 फरवरी, 2026) को आगामी एक सप्ताह के लिए विस्तारित करने का निदेश दिया है। अब लोक भवन, राँची उद्यान 15 फरवरी, 2026 तक आम नागरिकों के भ्रमण एवं परिदर्शन हेतु खुला रहेगा। उद्यान भ्रमण का समय पूर्व की भाँति प्रतिदिन पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित है। लोक भवन उद्यान का भ्रमण करने के इच्छुक नागरिक लोक भवन के गेट संख्या 2 से सुरक्षा जाँचोपरांत अपराह्न 1 बजे तक प्रवेश कर सकते हैं।

आजसू के मिलन समारोह में सुदेश महतो ने लोगों को दिलाई पार्टी की सदस्यता

बिभा संवाददाता

रांची। ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) की ओर से खेलगांव के खटंगा में रविवार को आयोजित मिलन समारोह में पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और समाजसेवियों को अंगवस्त्र पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई।

मिलन समारोह को संबोधित करते हुए सुदेश कुमार महतो ने कहा कि झारखंड राज्य आज विकास के रास्ते से भटक चुका है। खनिज संपदा से समृद्ध होने के बावजूद राज्य की पहचान अब लेबर स्टेट के रूप में बनती जा रही है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि राज्य को फिर से सही दिशा में ले जाने के लिए युवाओं को आगे आकर नेतृत्व संभालने की आवश्यकता है।

सुदेश महतो ने कहा कि आजसू पार्टी से लगातार युवा जुड़ रहे हैं, जिससे संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी ही राज्य के नवनिर्माण की मजबूत नींव रख सकती है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से एकजुट होकर झारखंड के विकास और सशक्तिकरण के लिए काम करने का आह्वान किया।

इस मौके पर पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, केंद्रीय महासचिव दीपक महतो, केंद्रीय सचिव जितेंद्र सिंह, रांची जिला अध्यक्ष सह जिला परिषद सदस्य संजय महतो, युवा आजसू के प्रदेश संयोजक गदाधर महतो, रांची महानगर अध्यक्ष अमित यादव सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

श्री राधा- कृष्ण प्रणामी मंदिर में 252 वें भंडारा महाप्रसाद का हुआ वितरण, 2 हजार भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

रांची(बिभा) : पूर्णब्रह्म परमात्मा की अपार कृपा श्री राज श्यामा जी महाराज एवं परमहंस डाक्टर संत शिरोमणी श्री श्री 1008 स्वामी सदानंद जी महाराज के आशीर्वाद से एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट राँची एव स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट दिल्ली शाखा राँची के सयुंक्त तत्वाधान में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में 252 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद भंडारा का आयोजन किया गया। आज का श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा महाप्रसाद भंडारा डॉ विजय लक्ष्मी डॉ सूर्य कुमार डॉ सौम्या माहेश्वरी एवं उनके परिवार के सौजन्य से आयोजित किया गया। आज का अन्नपूर्णा महाप्रसाद भंडारे के वितरण के समय पूरा मंदिर परिसर राधे- राधे एवं गुरुजी के जयकारों से गूंज उठा,श्री राधा कृष्ण जी का दिव्य आकर्षक आभूषणों से अलंकृत कर अलौकिक श्रृंगार किया गया। तत्पश्चात महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, महाप्रसाद में मसालेदार पुलाव, पुड़ी, आलु गोभी की सब्जी, केसर युक्त खीर, एवं आलू चिप्स का वितरण किया गया। मंदिर परिसर में उपस्थित दो हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का गया। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि आज श्री राधा कृष्ण मंदिर में भारी भीड़ उमड़ी तथा 4 हजार से अधिक श्रद्धालुओं में दर्शन किये।

जेसीआई ने स्वास्थ्य और मानवता के प्रति समर्पित दो सफल शिविरों का किया आयोजन

रांची(बिभा) : जेसीआई रांची ने रविवार को सेवा की मिसाल पेश करते हुए एक निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर और एक विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया। जेसीआई कार्यालय में आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना और जीवन बचाने की दिशा में योगदान देना था।रक्तदान शिविरः बन कर रक्त दाता, दें किसी को जीवन की नई आशा इसमें कुल 42 सदस्यों ने पंजीकरण करवाया। कार्यक्रम को सफल बनाने मैं नागरमल मोदी सेवा सदन ब्लड बैंक रांची का योगदान मिला । सुबह 10:00 बजे से शुरू हुए इस रक्तदान शिविर में युवाओं और सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर में प्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉ. रोहित अग्रवाल ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं। उन्होंने मरीजों की जांच की और ओरल हाइजीन के प्रति जागरूक किया।साथ ही आयोजित निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर में 56 सदस्यों ने अपनी जांच करवाई। इन दोनों कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन में अध्यक्ष जेएफडी अभिषेक जैन ,सचिव जेएफएम साकेत अग्रवाल ,कोषाध्यक्ष जेसी ऋषभ जैन, वीपी कम्युनिटी जेएफएम अनुभव अग्रवाल,निदेशक ब्लड एंड हेल्थ कैंप्स जेएफएम अमन पोद्दार प्रोजेक्ट, प्रोजेक्ट चेयरमैन जेसी रविश तोदी और सह-प्रोजेक्ट चेयरमैन जेसी प्रवीण अग्रवाल ने मुख्य भूमिका निभाई। यह जानकारी जेसीआई रांची के प्रवक्ता जेसी रवि सामौता ने दी ।

दरिद्र नारायण भोज स्थल पर जमीन उपलब्ध होने पर बनेगा मंदिर

रांची(बिभा)। राजधानी रांची के चुटिया के इक्कीसो महादेव मंदिर के प्रांगण में चुटिया नगर परिषद के तत्वावधान में रविवार को आम सभा का आयोजन किया गया। आम सभा की अध्यक्षता जनार्दन महतो ने किया। बैठक में इक्कीसो महादेव मंदिर समिति की ओर से दरिद्र नारायण भोज स्थल पर मंदिर निर्माण का विरोध किया गया। इस पर चुटिया के सर्व जाती चुटिया नगर परिषद की ओर से कहा गया कि यदि दरिद्र नारायण भोज स्थल पर किसी भी प्रकार का निर्माण होता है तो सदियों से प्रत्येक वर्ष पूर्णिमा के दिन दरिद्र नारायण भोज को लेकर लगनेवाले मेला में व्यवधान पैदा होगा। साथ ही दरिद्र नारायण भोज में दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। बैठक में इक्कीसो महादेव मंदिर समिति के प्रतिनिधि के रूप में पंकज सोनी ने आश्वासन दिया कि दरिद्र नारायण भोज स्थल पर किसी भी प्रकार का निर्माण नहीं किया जाएगा। उन्होंने चुटिया नगर परिषद के सदस्यों से जगह का चयन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लोग जहां कहेंगे उसी स्थान पर मंदिर का निर्माण कराया जायेगा। बैठक में चुटिया के सभी वर्गों के लोगों ने विचार रखा। इस बीच चुटिया नगर परिषद को चलाने के लिए कमेटी के गठन करने की बात कही गई। इसके बाद 21 सदस्यों की अस्थायी वर्किंग कमेटी का गठन किया गया। कमेटी में प्रवीण प्रसाद, मदन केसरी, शिवम केसरी , माखन पाठक, शिवम सिंह ,अंबर, ठाकुर अमित केसरी, जितेंद्र साहू, कृष्णा साहू, मनोज महतो ,सिकंदर महतो सहित अन्य का नाम शामिल है।

केंद्रीय बजट आत्मनिर्भर और विकसित भारत की मजबूत नींव, झारखंड को मिलेगी विकास की नई रफ्तार : राजीव

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और सांसद राजीव प्रताप रूडी ने केंद्रीय बजट 2026-27 को आत्मनिर्भर और विकसित भारत को सशक्त आधार प्रदान करने वाला बजट बताया है। उन्होंने कहा कि इस बजट से झारखंड को विकास की नई गति मिलेगी। वे रविवार को रांची स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे

राजीव प्रताप रूडी ने बताया कि इस बजट में झारखंड के लिए कर हस्तांतरण और अनुदान में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। वित्त वर्ष 2026-27 में राज्य को 51,236 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण प्रस्तावित है, जबकि वर्ष 2014 से अब तक झारखंड को कुल 3.14 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर हस्तांतरण मिल चुका है। इसके अतिरिक्त, 2014-26 के दौरान अनुदान के रूप में 1.04 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं, जो सहकारी संघवाद की नीति का स्पष्ट प्रमाण है।

सांसद रूडी ने बताया कि 2020-21 से जनवरी 2026 तक झारखंड को 50 वर्षों की ब्याज-मुक्त विशेष पूंजीगत सहायता योजना के तहत कुल 11,567 करोड़ रुपये मिले हैं। इससे राज्य में सड़क, सिंचाई, शहरी अवसंरचना और औद्योगिक परियोजनाओं को गति मिली है।

रेलवे क्षेत्र में हुए सुधारों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड अब 100 प्रतिशत रेलवे विद्युतीकरण वाला राज्य बन चुका है। रेलवे बजट आवंटन 2009-14 के औसत 457 करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 7,302 करोड़ रुपये हो गया है। राज्य में 57 रेलवे स्टेशनों को अमृत स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है तथा रांची-पटना, रांची-वाराणसी सहित 7 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन शुरू हो चुका है।

उन्होंने कहा कि देवघर एम्स, नए मेडिकल कॉलेज, केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना और जनजातीय योजनाओं को भी गति मिली है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है।

सांसद रूडी ने बताया कि देवघर और जमशेदपुर में नए हवाई अड्डों की शुरूआत, वाराणसी-रांची-कोलकाता ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, 3,600 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण और 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की सड़क परियोजनाएं झारखंड की आर्थिक तस्वीर बदल रही हैं।

जनजातीय कल्याण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, पीएम-जनमन योजना और बहु-क्षेत्रीय परियोजनाओं के माध्यम से आदिवासी इलाकों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

अंत में राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि बजट 2026-27 झारखंड को केवल संसाधन ही नहीं, बल्कि अवसर, सम्मान और दीर्घकालिक विकास की दिशा देता है और राज्य को विकसित भारत की यात्रा का सशक्त भागीदार बनाता है।

प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक, आर्थिक प्रकोष्ठ संयोजक जेपी शर्मा और सह मीडिया प्रभारी अशोक बड़ाइक भी उपस्थित थे।

केंद्रीय बजट पर भाजपा के दावों की हकीकत से कोई मेल नहीं : सतीश पौल

रांची : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं सांसद श्री राजीव प्रताप रूढ़ी द्वारा केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर किए गए दावों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने कहा कि यह बयान वास्तविकताओं से परे राजनीतिक प्रचार मात्र है। बजट में झारखण्ड के लोगों की बुनियादी समस्याओं–महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की आय, युवाओं के अवसर और सामाजिक सुरक्षा–का ठोस समाधान कहीं दिखाई नहीं देता।

सतीश पौल मुंजनी ने कहा कि कर हस्तांतरण और अनुदान को उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करना भ्रामक है, क्योंकि यह संवैधानिक प्रक्रिया का हिस्सा है, कोई विशेष कृपा नहीं। झारखण्ड जैसे खनिज संपन्न राज्य को उसके अधिकार से कम संसाधन मिल रहे हैं, जबकि राज्य के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन लगातार जारी है। भाजपा को यह बताना चाहिए कि राज्य को विशेष उद्योग पैकेज, रोजगार सृजन या कृषि क्षेत्र के लिए क्या ठोस नई घोषणाएँ मिलीं।

मुजनी ने कहा कि रेलवे, सड़क और हवाई परियोजनाओं की चर्चा करने से पहले भाजपा यह स्पष्ट करे कि झारखंड राज्य का बकाया पैसा 136000 करोड़ एवं राज्य में लाखों युवाओं को रोजगार कब मिलेगा, किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी क्यों नहीं दी गई, और महंगाई पर नियंत्रण के लिए बजट में कौन-सा ठोस कदम उठाया गया। आदिवासी कल्याण के नाम पर योजनाओं की घोषणा तो की जाती है, पर जमीन पर विस्थापन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

कि भाजपा हर बजट को ह्लऐतिहासिकह्व बताकर जनता की अपेक्षाओं को अनदेखा करती आई है। सच्चाई यह है कि झारखण्ड को उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में जिस व्यापक निवेश और नीति समर्थन की जरूरत है, वह इस बजट में अनुपस्थित है।

कांग्रेस पार्टी का मानना है कि बजट का मूल्यांकन प्रचार से नहीं, बल्कि जनता के जीवन में आए वास्तविक बदलाव से होना चाहिए। भाजपा को आत्मप्रशंसा छोड़कर झारखण्ड की जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए।

उत्पाद विभाग की छापेमारी में नकली विदेशी व महुआ शराब की खेप जब्त, तीन तस्कर गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उत्पाद विभाग की टीम ने तमाड़ और बुंडू थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब, बीयर, देसी शराब और अवैध महुआ शराब जब्त की है।

इस दौरान एक छोटा पिकअप वैन (जेएच01सीएम 8239) से अवैध शराब की खेप पकड़ी गई, जबकि अलग-अलग स्थानों से कुल तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

उत्पाद विभाग से रविवार को मिली जानकारी के अनुसार, सहायक आयुक्त उत्पाद के निर्देश पर गुप्त सूचना के आधार पर तमाड़ एवं बुंडू थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई।

छापेमारी के क्रम में परासी रोड पर एक पिकअप वैन को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई। इस मामले में मौके से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।

उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जब्त शराब में 38.13 लीटर नकली विदेशी शराब, 15.6 लीटर बीयर, 5.7 लीटर देसी शराब, 120 लीटर अवैध महुआ शराब तथा 600 किलोग्राम जावा महुआ शामिल है। इसके अलावा, एक अन्य स्थान पर छापेमारी कर अवैध महुआ शराब के एक विक्रेता को भी गिरफ्तार किया गया।

कार्रवाई के दौरान उत्पाद विभाग की टीम ने दो अवैध महुआ शराब भट्ठियों को ध्वस्त कर दिया। वहीं, एक फरार आरोपित के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया है।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर सख्त नजर रखी जा रही है और चुनाव अवधि के दौरान ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उत्पाद विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध शराब का निर्माण या बिक्री हो रही हो, तो इसकी सूचना विभाग को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

भारतीय संस्कृति को बचाने के लिए परिवार व्यवस्था को सुधारना आवश्यकः राकेश लाल

बिभा संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के अवसर पर रविवार को रातु रोड स्थित अलकापुरी में सर्व हिन्दू समाज की ओर से हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आरएसएस बिहारझझारखंड क्षेत्र के सद्भाव प्रमुख राकेश लाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए सबसे पहले परिवार व्यवस्था को सुदृढ़ करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जन्मदिन जैसे आयोजनों को स्वदेशी परंपराओं के अनुसार मनाना चाहिए। साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए पेड़ लगाने, जल संरक्षण और

प्लास्टिक के उपयोग को रोकने जैसे तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मार्गदर्शन दिया।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत मनीष सिन्हा के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने हिंदू संस्कृति के महत्व और उसके संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कॉलोनी की बच्चियों द्वारा प्रस्तुत मधुर गीतों ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिया और उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया।

इस अवसर पर यह भी जानकारी दी गई कि पूरे रांची महानगर में 156 स्थानों पर हिंदू संगम का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में एक मार्च को चुटिया स्थित शास्त्री मैदान में भव्य विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित होगा। इसमें श्रीराम मंदिर से निकलने वाली शोभा यात्रा, धर्म ध्वज पूजन, गो पूजन, महिला पुरोहितों द्वारा यज्ञ और संतों के आशीर्वचन जैसे कार्यक्रम शामिल होंगे। विराट हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति के संयोजक गिरधारी महतो ने प्रचार विभाग के माध्यम से इसकी जानकारी देते हुए सभी हिंदुओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।

गणतंत्र दिवस परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मां शारदा संगीत संस्थान के कलाकार सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची। गणतंत्र दिवस परेड के अवसर पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह में पंचायती राज मंत्रालय, झारखंड की झांकी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रांची स्थित मां शारदा संगीत संस्थान के कलाकारों को सम्मानित किया गया। इसी उपलब्धि की खुशी में रिलेशंस की ओर से रविवार को हरमू रोड स्थित मां शारदा संगीत संस्थान परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन कर कलाकारों को रांची में भी सम्मानित किया गया।

समारोह में रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि 26 जनवरी 2026 को आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में मां शारदा संगीत संस्थान (न्यास) के कलाकारों ने पंचायती राज मंत्रालय की झांकी के माध्यम से ह्यप्रधानमंत्री स्वामित्व योजनाह्न को अत्यंत प्रभावशाली और आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। झांकी के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग तीन करोड़ लोगों को

मालिकाना हक, संपत्ति कार्ड वितरण और बैंकों से आसान ऋण सुविधा जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सशक्त रूप से दर्शाया गया, जिसे दर्शकों और गणमान्य अतिथियों ने खूब सराहा।

पंचायती राज मंत्रालय की ओर से टीम लीडर अजय कुमार के नेतृत्व में श्वेता रानी, रुचि, संगिनी श्रेया, नीतीश भारद्वाज, प्रगति, अलीशा, रितु, स्निग्धा, अमन गुप्ता, प्रवीण पटकता, आकाश, मनप्रीत, आदित्य, अमन, अभिजीत, गौतम और पीयूसर गुरु सहित कई कलाकारों ने झांकी में सहभागिता निभाई।

मां शारदा संगीत संस्थान के संस्थापक मणिकांत निराला और सचिव अजय कुमार पिछले 25 वर्षों से राज्य और केंद्र स्तर पर सांस्कृतिक सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी संस्थान की झांकियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम और द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

रांची में आयोजित इस सम्मान समारोह में नीतू देवी, अशोक कुमार, राजू दुबे सहित कई गणमान्य व्यक्ति, कलाकार और संस्थान से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

एकता कमेटी का निःशुल्क मेडिकल कैंप संपन्न, जरूरतमंद लोगों ने कराई जांच

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय एकता कमेटी, रांची के तत्वावधान में रविवार को टैंक रोड स्थित मुख्य कार्यालय परिसर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर सह दवा वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न बीमारियों से पीड़ित जरूरतमंद लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें आवश्यक परामर्श एवं दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

इस अवसर पर भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा और सचिव रामेश्वर राम ने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। जरूरतमंद और असहाय बीमार लोगों की सहायता करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मेडिकल कैंप में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराई और डॉक्टरों से परामर्श लिया। शिविर में मरीजों को उनकी बीमारी के अनुसार दवाइयां भी निःशुल्क प्रदान की गईं। मेडिकल कैंप में डॉ. एन. आबदीन, डॉ. एन. के. झा, डॉ. जमील अख्तर, डॉ. अमित कुमार सहित अन्य डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं दीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कमेटी के सदस्यों और स्वयंसेवकों का सराहनीय योगदान रहा।

सिजुआ पहाड़ी के नीचे जुआ सट्टे पर पुलिस का छापा, 6 गिरफ्तार, 32 हजार नकद बरामद

बिभा संवाददाता

बोकारो : राजेंद्र नगर, आर्या बिहार स्थित सिजुआ पहाड़ी के नीचे जुआ खेलने की गुप्त सूचना पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बालीडीह थाना प्रभारी के नेतृत्व में छापामारी दल ने घेराबंदी कर 6 खिलाड़ियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। मौके से नकद 32,690 रुपये, 5 मोबाइल फोन, 10 पैकेट तास के पत्ते, 2 स्कूटी और 4 चटाइयां बरामद हुईं। गिरफ्तार आरोपियों के नाम और पता :सोनू कुमार (32), बीएसएल एलएच स्ट्रीट-1, थाना बीएस सिटी।राहुल कुमार (34), लक्ष्मीपुर, जमुई (बिहार)।अनिल कुमार (34), रितुडीह शिव मंदिर के पास, थाना माराफारी।मनीष कुमार राय (34), स्वर्णकार मोहल्ला, चास।राजेश कुमार (55), सेक्टर-3/सी क्वार्टर-51, थाना बीएस सिटी।रिक्की स्वर्णकार (35), बारी कोऑपरेटिव प्लॉट-344, थाना सेक्टर-12।छापेमारी दल में पुऔनि संदीप कुमार, वीरमणि कुमार, अजय कुमार राय, चंद्रदेव कुमार, सऔनि नवीन कुमार, धनेश्वर महतो, अजय कुमार पासवान, कृष्णदेव राय, हवलदार विपत शोभानंद मिंज और आ/1084 बैजनाथ राउत शामिल थे। थाना प्रभारी ने बताया कि सभी आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

लापता बच्ची सकुशल बरामद, बर्थडे न मनाने से नाराज होकर भागी थी घर से

बिभा संवाददाता

बोकारो । सेक्टर 12 थाना क्षेत्र में रहस्यमय ढंग से लापता हुई बच्ची सकुशल बरामद हो गई। बर्थडे को धूमधाम से न मनाए जाने से माता-पिता पर नाराज बच्ची ने 6 फरवरी को घर छोड़ दिया था। पिता ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने वैज्ञानिक व तकनीकी सहायता से उसे शिक्षिका के घर से खोज निकाला।सेक्टर 12 निवासी गणेश चंद्र भट्टाचार्य ने बताया कि उनकी बेटी बर्थडे पार्टी की कमी से नाराज होकर घर से निकल गई। पुलिस को शिक्षिका के घर से सूचना मिली, जहां बच्ची रुकी हुई थी। सिटी डीएसपी अलोक रंजन ने पत्रकारों से कहा, ₹यह भागने या अपहरण का मामला नहीं था। अभिभावक पहले सत्यापन करें, फिर रिपोर्ट करें ताकि अफवाहें न फैलें। बोकारो पुलिस हमेशा तत्पर है। पुलिस ने बच्ची को परिजनों के हवाले कर दिया। डीएसपी ने अभिभावकों से अपील की कि छोटी-मोटी नाराजगी पर तत्काल पुलिस न बुलाएं, इससे संसाधन व्यर्थ होते हैं।

बीएसएल में रिकॉर्ड उत्पादन पर लड्डू की जगह उपहार देने की मांग: बीएकेएस

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के अनुषंगी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) ने रिकॉर्ड उत्पादन के उपलक्ष्य में कर्मियों को लड्डू या मिठाई देने के बजाय आकर्षक उपहार प्रदान करने की मांग की है। संघ ने निदेशक प्रभारी को पत्र लिखकर गैर-वित्तीय प्रोत्साहन पुरस्कार योजना लागू करने तथा 18 वर्ष पुराने इंसेंटिव फॉमूर्ले में संशोधन की मांग दोहराई है ।जनवरी 2026 में बीएसएल के विभिन्न विभागों ने उल्लेखनीय उत्पादन रिकॉर्ड बनाए। प्रमुख आंकड़े इस प्रकार हैं:आरएमएचपी विभाग: 10.07 लाख टन डिस्पैचसिंटर उत्पादन: 602 मिट्रिक टनहॉट मेटल: 469 मिट्रिक टनएसएमएस-2: 342 मिट्रिक टन (120%)एचआर कॉइल: 406 मिट्रिक टन (106%)फिनिश्ड स्टील: 380 मिट्रिक टन (दिसंबर 2023 का रिकॉर्ड तोड़ा)सैलेबल स्टील: 403 मिट्रिक टन (मार्च 2007 का रिकॉर्ड तोड़ा)इसके अलावा, सीआरएम-3 में पीएलटीएसएम 91 मिट्रिक टन, एसपीएम 54.5 मिट्रिक टन, हॉट डिप गैल्वनाइजिंग लाइन-3 में 25.4 मिट्रिक टन उत्पादन हुआ। सीआर सैलेबल-3 का उत्पादन 87.5 मिट्रिक टन (अक्टूबर 2025 के 79.9 का रिकॉर्ड तोड़ा) और डिस्पैच 81.5 मिट्रिक टन रहा। सीएसजीएच प्लांट में ग्रेन्युलेटेड स्लैग का 32 रेक डिस्पैच (दिसंबर 2025 के 26 का रिकॉर्ड तोड़ा) किया गया। ये आंकड़े प्रबंधन द्वारा ही जारी किए गए हैं ।बीएकेएस का आरोप है कि प्रबंधन पुराने इंसेंटिव फॉमूर्ले के तहत मामूली राशि दे रहा है, जबकि उत्पादकता कई गुना बढ़ चुकी है। केवल कुछ विभाग प्रमुखों द्वारा लड्डू वितरित करना कर्मियों की मेहनत का मजाक उड़ा रहा है और उनका जोश कम कर रहा है ।संघ ने सुझाव दिया है कि रिकॉर्ड बनाने वाले और सहयोगी विभागों के कर्मियों को नॉन-फाइनेंशियल स्कीम के तहत निश्चित राशि घोषित कर विभागीय कमेटी द्वारा चयनित उपहार दिए जाएं। प्रस्तावित उपहारों में सलेम इस्पात संयंत्र का बर्तन सेट, ट्रॉली बैग, बैकपैक आदि शामिल हैं। रिकॉर्ड उत्पादन के लिए संतुष्ट और जोशीला मैनपावर जरूरी है। लड्डू क्षणिक संतुष्टि देता है, लेकिन उपहार आजीवन प्रेरणा, अध्यक्ष हरिओम ने बयान में कहा।

संक्षिप्त खबरें

रोटरी क्लब बोकारो में रोज डे से शुरू हुआ वेलेंटाइन वीक, कपल गेम्स ने बांधा समां

बोकारो(बिभा) : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने आरपीजी में 7 फरवरी को वेलेंटाइन वीक की धूमशाला शुरू की। रोज डे के अवसर पर सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया। महिलाएँ लाल परिधानों में और पुरुष मरून ड्रेस में सजे दिखे, जिससे माहौल में खास रोमांच छा गया।क्लब अध्यक्ष रोटेरियन हरदीप सिंह के स्वागत भाषण से कार्यक्रम का आगाज हुआ। सचिव रोटेरियन घनश्याम दास ने संबोधन में कहा, ₹फेलोशिप और त्योहारों का आयोजन सदस्यों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करता है। इससे एकता बढ़ती है और सेवा परियोजनाओं में बेहतर टीमवर्क मिलता है ।₹कार्यक्रम में मनोरंजक कपल गेम्स ने सबको हँसाया। पुरुषों ने साड़ी पहनकर और महिलाओं ने पतियों की शर्ट के बटन लगाकर हिस्सा लिया। रोटेरियन संध्या, चंद्रिमा और सुनीता ने इन खेलों का शानदार संचालन किया, जिससे सभी की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हुई ।स्वादिष्ट रात्रिभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसे रोटेरियन चंद्रिमा रे और प्रदीप रे ने प्रायोजित किया। यह संध्या सदस्यों के लिए अविस्मरणीय बन गई।

रॉयल पब्लिक स्कूल में अंडर-15 जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता

बोकारो(बिभा)। बोकारो जिला कुश्ती संघ के द्वारा सेक्टर-4 स्थित रॉयल पब्लिक स्कूल के मैदान में एकदिवसीय अंडर-15 जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 50 महिला व पुरुष पहलवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विजेता खिलाड़ियों को संघ के जिलाध्यक्ष गर्मवीर सिंह व प्राचार्य डॉ मुकेश कुमार ने मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया वहीं प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी 11 फरवरी को रांची के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोराबादी में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान मंच पर जिला सांसद खेल प्रतिनिधि व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी एंजेला सिंह, महंत रामकृष्ण तिवारी, राष्ट्रीय प्रशिक्षक मृत्युंजय नाथ चौधरी, विकास कुमार, राष्ट्रीय खिलाड़ी चिंटू कुमार, सुजीत कुमार, सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कुश्ती में पहलवानों का हाथ मिला कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सभी अतिथियों को जिला कुश्ती संघ की ओर से बुके व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में बोकारो जिला के अधिकारियों व पदाधिकारियों ने अहम भूमिका निभाई। मौके पर मुकेश कुमार, कुश कुमार, सूरज कुमार, राजा महतो,कमलेश कुमार, मनजीत कुमार, रामजीत यादव सहित अन्य शामिल रहे।

कनारी पश्चिम में बाहा पोरोब की तैयारी, 22 फरवरी को मुख्य पूजा

चास (बोकारो)(बिभा) : चास प्रखंड के ग्राम कनारी पश्चिम पंचायत के बरूवाटांड़ जाहेरथान प्रांगण में मारड़बुरु बाहा बोंगा समिति के तत्वावधान में आगामी बाहा पोरोब (सरहूल पूजा) को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सह ग्राम प्रधान उपेन्द्र हेम्बरम ने की ।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 22 फरवरी 2026 को फाल्गुन मास के चंद्र चतुर्थी (मुलूक चांदो मोड़ें माहा) पर बाहा पोरोब धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम का विवरण इस प्रकार है:पहला दिनः 20 फरवरी - उम-नाड़कादूसरा दिनः 21 फरवरी - साड़िम दाअप्तीसरा दिनः 22 फरवरी - बाहा बोंगा सारदी (सरहूल पूजा) एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमजाहेरथान प्रांगण की साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण एवं अन्य तैयारियों के लिए सभी सदस्यों ने जिम्मेदारी ली। बैठक में गुहीराम हेम्बरम, बुटान बेसरा, भीम मुर्मू, सुखदेव मुर्मू, विन्तोष टुडू, संजूल मुर्मू, नागेश्वर मुर्मू, मुकेश किस्कू, अजय हांसदा, शिवराम किस्कू, छोटेलाल हेम्बरम, करमचंद किस्कू, बलदेव बेसरा आदि बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

15 साल से सेविका को नहीं मिला आंगनबाड़ी केंद्र का भवन

बोकारो(बिभा) । जरीडीह प्रखंड तांतरी दक्षिणी पंचायत के अम्बेदकर नगर में विगत 15 साल पहले बना आंगनबाड़ी केंद्र का भवन विभाग के द्वारा सेविका को नहीं मिलने के कारण केंद्र किराए के मकान में चल रहा है। सेविका लक्ष्मी देवी ने बताया कि केंद्र का भवन निर्माण होने के बाद से ही प्रखंड सीडीपीओ से कई बार आवेदन पत्र देकर मांग करती रही हूं लेकिन आज तक भवन में लगे ताला का चाभी हमको नहीं मिला। किराए के मकान में केंद्र संचालित करने में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इधर अंचल सीओ सह प्रभारी सीडीपीओ प्रणव ऋतुराज ने बताया कि सेविका के हांथ से आवेदन मिला है , जल्द ही भवन सेविका को देने का काम किया जाएगा।

बोकारो में गाय चोरी करते हुए रंगेहाथ दो चोर गिरफ्तार, खटाल वासियों ने किया पुलिस के हवाले

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिले में लगातार चोरों द्वारा गाय चोरी की घटना को अंजाम दिया जा रहा था इस घटना से धोबी मोहल्ला साइड खटाल,छपरा खटाल, भोजपुर खटाल हो 3 भी खटाल या फिर दुंदीबाद खटाल या फिर अन्य खटाल वासी हो सभी लगातार हो रही गाय चोरी की घटना से परेशान और चिंतित थे थाना की गुहार लगाकर भी तक चुके थे। जो गाय को चुराकर ले जाते हुए सीसीटीवी फुटेज भी वायरल किया गया था। दर्ज मामले पर पुलिस अपने स्तर से अनुसंधान कर चोरों तक पहुंचने में जुटी हुई थी की रविवार की सुबह गाय चोरी करते हुए दो चोरों को रंगे हाथ खटाल वासियों ने पकड़ लिया। मामला सेक्टर 1बी धोबी मोहल्ला साइड खटाल का है। जब खटाल वासी कृष्णा मुरारी के अनुसार 4 बजे उसके मोबाइल पर फोन आ रहा था लेकिन वह फोन नहीं उठा सकता फिर एक व्यक्ति ने दरवाजा पिटकर बताया की आपका गाय को चोर लोड कर लें जा रहा है तब पिता पुत्र और कुछ लोगों ने मिलकर भोजपुर कालोनी चास नदी किनारे पहुंचकर दो लोगों को गाय लोड कर लें जाते हुए रंगें हाथ पकड़ लिया वही दो चोर मौके का फायदा उठाकर भाग निकले। दोनों चोरों को साईड खटाल में लाया गया और फिर उसकी लोगों ने खातिरदारी करते हुए इसकी सुचना सिटी थाना को दी। सिटी थाना मौके पर पहुंचकर दोनो चोरों को थाने ले गई है तथा खटाल वासी भी थाने पहुंचकर मामले को दर्ज कराने में जुटे हुए हैं। साइट खटाल वासियों के अनुसार एक साल में खटाल से सैंकड़ों गायों की चोरी हो चुकी है और सिटी थाने में मामला भी दर्ज कराया गया है लेकिन अब तक ना गाय का पता चल पाया है और ना ही चोरों का। गाय मालिक के अनुसार पकड़ाए गए एक चोर वन बी का रहने वाला है और दुसरा चन्दनक्यारी का है। गाय मालिक के अनुसार वन बी का रहने वाला पकड़ाया युवक पांच छह माह पहले गाय को खरिदने के लिए आया था लेकिन उसने गाय को बेचने से इनकार कर दिया था। चोर गाय को लोड कर टाटा मैजिक में लें जाने की तैयारी कर ही रहे थे की उनके मंसूबे धरी की धरी रह गई और वह पकड़ में आ गए बताया जा रहा है की गाय चोरी करने में जुटे चोरों का बहुत बड़ा सिंडिकेट है जो लगातार गाय चोरी की घटना को अंजाम दिया जा रहा था। अब पुलिस पुरे मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी हुई हैं।

पिंड्राजोरा के कुर्रा में 26 वर्षीय युवक ने लगाया फंदा, सुबह पेड़ पर लटका मिला शव

बिभा संवाददाता

बोकारो : पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के कुर्रा गांव में एक युवक का शव पेड़ पर फंदे के सहारे लटका मिला। मृतक की पहचान 26 वर्षीय चमटू केवट के रूप में हुई है, जो इसी गांव का निवासी था ।परिजनों के अनुसार, चमटू बीती रात घर से निकला था और रात भर लौटा नहीं। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। सुबह ग्रामीण शौच के लिए जंगल गए तो उन्हें पेड़ पर फंदे से लटका चमटू का शव नजर आया। ग्रामीणों ने तत्काल पिंड्राजोरा थाना पुलिस को सूचना दी ।घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने किसी संदेह की बात नहीं बताई है।

बोकारो में कुल 10439 अभ्यर्थियों ने दी सीटेट की परीक्षा, दूसरे दिन 736 रहे अनुपस्थित

बिभा संवाददाता

बोकारो। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से विद्यालयों में शिक्षण पेशे के लिए योग्य एवं कुशल उम्मीदवारों के चयन को लेकर आयोजित केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट)- फरवरी 2026 बोकारो में रविवार को पूर्णतया शांतिपूर्ण, कदाचारमुक्त एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। 7 एवं 8 फरवरी को आयोजित दो दिनों की इस परीक्षा में कुल पंजीकृत 11522 में से 10439 अभ्यर्थी उपस्थित तथा 1083 अनुपस्थित रहे। रविवार को दूसरे दिन दोनों ही पालियों को मिलाकर कुल पंजीकृत 7803 में 7067 अभ्यर्थी उपस्थित तथा 736 अनुपस्थित रहे। इसके पूर्व, शनिवार को परीक्षा के पहले दिन शिफ्ट- 1 के एग्जाम में कुल निर्बंधित 3719 में 3372 परीक्षार्थी शामिल थे और 347 अनुपस्थित रहे। सीटेट के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के अनुसार, रविवार को प्रथम पाली में कुल आवंटित 5040 में 4594 कैंडिडेट परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 446 अनुपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली के लिए कुल पंजीकृत 2763 अभ्यर्थियों में से 2473 उपस्थित तथा 290 अनुपस्थित रहे। दोनों दिन की परीक्षाओं के सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त करते हुए सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. गंगवार ने इसके लिए जिला प्रशासन के भरपूर सहयोग के साथ-साथ सभी केंद्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों तथा वीक्षकों सहित समस्त सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि सभी के परस्पर समन्वयन एवं सहयोग से ही परीक्षा पुनः पूरी सफलता के साथ संपन्न हुई। विदित हो कि सीटीईटी सीबीएसई की ओर से ली जानेवाली एक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है, जिसमें सभी अभ्यर्थी विद्यालयों में शिक्षक के पद पर बहाली हेतु सुयोग्य माने जाते हैं। सीटेट (सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट) में दो पेपर की परीक्षा आयोजित की जाती है। पहला पेपर उन अभ्यर्थियों के लिए होता है, जो पहली से 5वीं तक पढ़ाने के लिए आवेदन करते हैं। वहीं, दूसरा पेपर उनके लिए होता है, जो कक्षा 6 से 8वीं तक पढ़ाने के लिए अपना आवेदन करते हैं।

सखा सहयोग सुरक्षा समिति की वनभोज में महिलाओं ने लिया बढ़चर कर हिस्सा

बिभा संवाददाता

बोकारो। सखा सहयोग सुरक्षा समितिर के संरक्षक सह महामंत्री श्री वि के चौधरी के नेतृत्व में आज स्थानीय सिटी पार्क सेक्टर - 1 मे समिति के सदस्यों के मनोबल बढ़ाने और टीम भावना को बढावा देने के लिए आयोजित किया गया वार्षिक मिलन सह वनभोज का सफल आयोजन किया गया।

समिति द्वारा अपने सदस्यों के लिए उत्साहजनक एवं आनंदमयी वार्षिक सह वनभोज का आयोजन किया गया, इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल के तनाव से हटकर सभी सदस्यों को एक साथ लाते हुए टीम भावना को मजबूत करना और कार्य जीवन सन्तुलन को बढावा देना था।

इस अवसर पर समिति के संरक्षक सह महामंत्री श्री वि के चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि समिति के हर एक सदस्य हमारी सबसे बड़ी सम्पति है, साल भर की कड़ी मेहनत के बाद यह वनभोज उन्हें तरोताजा करने और एक दूसरे के साथ अनौपचारिक रूप से जुड़ने का एक बेहतरीन मौका मिलता है, ऐसी गतिविधियाँ आपसी सहयोग को बढावा देता है, जो अंततः संस्था के विकास में सहायक होता है, दिन भर चले इस कार्यक्रम का समापन समिति के दर्जनों महिलाओं को पुरस्कार वितरण कर सम्मानित के साथ किया गया। समिति का उद्धेश्य आने वाले समय में भी ऐसे आयोजन कर सदस्यों को उत्साह बनाए रखना है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से समिति के अध्यक्ष यू सी कुंभकार, कोषाध्यक्ष आर बी चौधरी, झामुमो नेता हसन इमाम,शंकर कुमार, एन के सिंह,आई अहमद, बरिया तेली, राजेन्द्र प्रसाद, अभिमन्यु मांझी, ओ पी चौहान, टी पी महतो, राजा राम सिंह, बी एन तिवारी,सुभाष चंद्र महतो, राम देव,देवेन्द्र गोराई, सुनील कुमार, एम एल मोदी, आर पी राम,एस के पी साव, डी एन माली, रबिंद्र सिंह,मानिक चंद साह, उपेन्द्र कुमार,सी के एस मुंडा, तुलसी साहू, रोशन कुमार , विजय कुमार साह, बालेश्वर राय, शशि कांत, शशि भूषण, इत्यादि उपस्थि थे ।

मांदर-नगाड़ों की गूंज में सरना स्थल बना सांस्कृतिक संगम

स्टील सिटी बोकारो में आदिवासी हो समाज ने धूमधाम से मनाया मागे पर्व

बिभा संवाददाता

बोकारो। स्टील सिटी बोकारो के सेक्टर-8 स्थित सरना स्थल में आदिवासी हो समाज कमिटी की ओर से पर्व मागे पोरोब पारंपरिक रीति-रिवाज और उल्लास के साथ भव्य रूप से मनाया गया। कोल्हान सहित झारखंड के विभिन्न जिलों के आदिवासी समुदाय के लोगों ने आयोजन को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिऊरी (पुजारी) गंगाधर पुरती, सहयोगी नरसिंग पुरती एवं मनोज पुरती द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद मांदर-नगाड़े (दमा-दुमंग) की गूंजती थाप पर सामूहिक पारंपरिक नृत्य और गीतों ने पूरे क्षेत्र को उत्सवमय बना दिया। युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे-सभी पारंपरिक वेशभूषा में झूमते नजर आए, जिससे शहर में भी गांव के पर्व जैसा माहौल बन गया। कार्यक्रम में बतौर विशेष अतिथि हो फिल्म एवं एल्बम एक्ट्रेस मिताली होनहागा की उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। आयोजन समिति के संरक्षक ललित पूर्ति व संजय पूर्ति ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति प्रकृति से गहराई से जुड़ी है और बोकारो में हो समाज की बड़ी आबादी होने के कारण अपनी भाषा व संस्कृति को सहेजने की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि ह्यमागेह्ल का अर्थ है स्त्री तुम ही हो तथा यह पर्व सृष्टि की उत्पत्ति और मानव रचना का प्रतीक है। समिति अध्यक्ष मुनेश बारी ने कहा कि मागे पर्व फसलों की कटाई और खेत-खलिहान के कार्य पूर्ण होने के बाद मनाया जाता है। हो समुदाय की मान्यता के अनुसार सृष्टि रचना के समय प्रथम मानव लुकू और लुकुमी की उत्पत्ति हुई, जिनकी संतान हम सभी हैं। मौके पर सचिव अनु बिरुली, कोषाध्यक्ष सुखसेन देवगाम, उप-कोषाध्यक्ष ब्रजमोहन तुबिद, निरंजन कुंकल, कृष्णा गगराई, तिरला चांपिया, दीपक मेलगांडी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। पर्व को सफल बनाने में दिकू, माणिक, बीरेंद्र, सीडीयू, बिशु, राजीव, कमल, जगत, सुनीता, लक्ष्मण, सिकन्दर, नंदनेश्वर, रमेश, मिरन समेत कई सदस्यों की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

नुक्कड़ नाटक के जरिए महिला हिंसा और बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान

बिभा संवाददाता

कसमार (बोकारो): महिला एवं किशोरी हिंसा के उन्मूलन तथा सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के उद्देश्य से रविवार को कसमार प्रखंड की चार पंचायतों में 'सहयोगिनी' संस्था द्वारा सघन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल विवाह, मानव तस्करी, महिला हिंसा, घरेलू हिंसा, डायन प्रथा और दहेज प्रथा जैसी गंभीर समस्याओं पर प्रहार किया और ग्रामीणों को जागरूक किया। खैरचातर, बागदा, टांगटोना, दुगार्पुर के विभिन्न क्षेत्र में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों को उनके अधिकारों के प्रति सचेत करना है उन्होंने बताया कि हम इन पंचायतों के 19 गांवों में महिलाओं और किशोरियों के समूह बनाकर उन्हें संगठित कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य न केवल उनके विरुद्ध होने वाली हिंसा को समाप्त करना है, बल्कि उन्हें सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर स्वावलंबी बनाना भी है। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाज के विभिन्न हितधारकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मौके पर सहयोगिनी के कार्यक्रम समन्वयक प्रकाश कुमार महतो समेत विनीता देवी, पुष्पा देवी, रेखा देवी, संगीता देवी, पायल कुमारी, अशोक कुमार महतो, मंटू करमाली, धीरेंद्र महतो और कुमार गौरव मुख्य रूप से उपस्थित थे।

रामगढ़ में 101 जोड़े के भव्य आयोजन में वर वधू को आशीर्वाद देने पहुंचे राज्यपाल

सांसद मनीष जायसवाल का ऐतिहासिक वैवाहिक उत्सव करा कर दिया समाज को संदेश

प्रकाश पटवारी

रामगढ़: रामगढ़ में आज शादी विवाह को दिखावा आडंबर इवेंट बनाने वालों को सांसद मनीष जायसवाल ने बहुत बड़ा संदेश दिया है। वहीं राजपाल संतोष गंगवार 101 जोड़ों को आशीर्वाद देने स्वयं उपस्थित रहे। श्री गंगवार वर वधू के वरमाला से मंड़प तक साक्षी बन आयोजन कि प्रशंशा करते हुए 101 नव विवाहित जोड़े व उनके परिजनों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी, बर्नपुर से मनिष भाई जी सहित अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

शहर में रविवार 8 फरवरी को एक ऐतिहासिक उत्सव मनाया गया। स्थानीय हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल के द्वारा 101 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया। इसको लेकर पूरे रामगढ़ शहर को दुल्हन जैसा सजाया गया । शहर के बाजार टांड़ में स्थित सिद्धू कान्हू मैदान मैं सामूहिक विवाह का आयोजन हुआ। हजारों लोग इस ऐतिहासिक उत्सव का गवाह बनने के लिए पहुंचे।

रामगढ़ शहर के में रोड में स्थित छावनी फुटबॉल मैदान से प्रातः 9:30 बजे बारात सामूहिक विवाह उत्सव स्थल के लिए निकली। बारात में कई प्रकार के बैंड पार्टी और ताशा पार्टी शामिल हुए। वही बारात में

शामिल छउ नृत्य के टीम आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। रामगढ़ छावनी फुटबॉल मैदान से बारात आरंभ होकर शहर के मेन रोड,थाना चौक, झंडा चौक, गोला रोड, चट्टी बाजार होते हुए सामूहिक विवाह उत्सव स्थल पहुंची। फुटबॉल मैदान से निकल गए सामूहिक विवाह के बारात का शहर के कई स्थानों पर सामाजिक संस्थाओं ने स्वागत किया। वही बारात में शामिल सांसद मनीष जायसवाल हाथ जोड़कर लोगों का आभार प्रकट करते नजर आए। वही बारात में युवा भाजपा के कार्यकर्ता बम पटाखे फोड़ते चल रहे थे ।

रामगढ़ शहर में हो रहे इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को देखते हुए रामगढ़ जिला पुलिस प्रशासन भी सक्रिय नजर आया। बड़ी संख्या में पुरुष महिला पुलिस जगह-जगह पर तैनात किए गए थे। कार्यक्रम स्थल पर कई विशिष्ट लोगों के आने को लेकर बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और जवान तैनात दिखे। वही सामूहिक विवाह का बारात के विवाह स्थल पर पहुंचने पर विधिवत रूप से उनका भव्य स्वागत किया गया। जिसके बाद मनीष तिवारी द्वारा गाए गानों पर भारी संख्या में महिलाएं नृत्य करती दिखाई दी। तत्पश्चात मंत्रोच्चार के साथ वर वधू वरमाला व पुजा के साथ अग्नि के सात फेरे करायें गये। अंत में सांसद मनीष जायसवाल ने सभी नव विवाहितों को उपहार एवं शुभकामनाएं में कर विदा किया।

सांसद सामूहिक विवाह में उमड़ा जनसैलाब, उत्साह-उमंग चरम पर, हर कोई कैमरे में कैद करता दिखा ऐतिहासिक पल

हजारीबाग: रामगढ़ शहर में आयोजित सांसद सामूहिक विवाह समारोह रविवार को सामाजिक समरसता और उल्लास का भव्य उदाहरण बनकर सामने आया। इस ऐतिहासिक आयोजन में 101 जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ वैवाहिक जीवन की नई शुरूआत की। समारोह स्थल पर सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, वहीं माहौल पूरी तरह उत्सवमय नजर आया। कार्यक्रम के दौरान उत्साह और उमंग चरम सीमा पर दिखी। वर-वधू, उनके परिजन और आम लोग हर पल को खास बनाने में जुटे रहे। कोई मोबाइल कैमरे से तस्वीरें खींचता दिखा तो कोई वीडियो बनाकर इस ऐतिहासिक क्षण को सहेजने में लगा रहा। पूरे पंडाल में ढोल-नगाड़ों की गूंज, मंगल गीतों और मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय और आनंदपूर्ण बना रहा।सांसद सामूहिक विवाह समारोह में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह आयोजन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हुआ, जहां बिना किसी बोझ के बेटा-बेटियों का विवाह संपन्न कराया गया। आयोजन समिति की ओर से नवविवाहित जोड़ों को घरेलू उपयोग की सामग्री और उपहार भी प्रदान किए गए।

म्यूजिकल फेरे के साथ 101 जोड़ों का पवित्र बंधन

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में आयोजित सांसद सामूहिक विवाह समारोह में 101 जोड़ों का विवाह हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार संपन्न हुआ। यह आयोजन सामाजिक समरसता और संस्कारों का अनुपम उदाहरण बना। समारोह को विशेष और यादगार बनाने के लिए कोलकाता के सुप्रसिद्ध भजन गायक राघव पंडित ने अपनी संगीतमय प्रस्तुति से विवाह की रस्मों को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की। राघव पंडित की 25 से अधिक सदस्यों वाली टीम ने भजनों और मंगल गीतों के माध्यम से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। आयोजन स्थल पर 101 भव्य विवाह मंडप सजाए गए थे, जहां लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से आए 101 पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विवाह संपन्न कराया। म्यूजिकल फेरे के माध्यम से संपन्न हुए इस सामूहिक विवाह ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देने के लिए झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी एवं बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने सभी नवदंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामूहिक विवाह सामाजिक समानता, भाईचारे और संस्कारों की मजबूत नींव रखने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि सांसद सामूहिक विवाह एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल है, जिसका उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहयोग प्रदान कर विवाह को सरल, गरिमामय और सुलभ बनाना है। इस पवित्र एवं ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों, प्रशासनिक अधिकारियों और आम जनता के योगदान की सराहना की गई।

भव्य बारात में शामिल हुए प्रसिद्ध भोजपुरी गायक सह सांसद मनोज तिवारी

बिभा संवाददाता

रामगढ़/हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में सांसद सामूहिक विवाह समारोह 2026 का आयोजन बड़े ही उत्साह, उमंग और सामाजिक समरसता के वातावरण में किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में 101 जोड़ों विवाह संपन्न हुआ। हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी शामिल हुए और इस सामाजिक पहल के साक्षी बने।

समारोह की विशेष आकर्षण रही फुटबॉल मैदान से निकली भव्य बारात, जिसमें सुप्रसिद्ध भोजपुरी गायक एवं दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी विशेष रूप से शामिल हुए। रांची से सीधे रामगढ़ पहुंचे सांसद मनोज तिवारी ने बारात में शामिल होकर लोगों का अभिवादन किया और कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे। उनके आगमन से माहौल पूरी तरह उत्सव मय हो गया।

जैसे-जैसे हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल और दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी बारात के साथ आगे बढ़ते गए, सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों का उत्साह और उमंग देखते ही बन रहा था। ढोल-नगाड़ों की गूंज, फूलों की वर्षा और जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। लोग अपने लोकप्रिय सांसदों को नजदीक से देखने और उनका स्वागत करने के लिए उत्साहित नजर आए। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन समाज में समानता, भाईचारे और सामाजिक सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल विवाह नहीं, बल्कि बेटियों के सम्मान और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सशक्त पहल है। वहीं सांसद मनोज तिवारी ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्यक्रम देशभर के लिए प्रेरणास्रोत हैं और समाज के कमजोर वर्गों को नई उम्मीद देते हैं।

छऊ नृत्य और आतिशबाजी के बीच निकली 101 वाहनों की बारात, सांसद सामूहिक विवाह उत्सव बना यादगार

रामगढ़ : सांसद सामूहिक विवाह उत्सव 2026 को लेकर रविवार की सुबह रामगढ़ का माहौल पूरी तरह उत्सवमय हो उठा। शहर के फुटबॉल मैदान से सुबह 10 बजे एक साथ 101 वाहनों की भव्य बारात निकाली गई, जिसने पूरे क्षेत्र को उल्लास, उमंग और खुशियों से भर दिया। पारंपरिक छऊ नृत्य की विशेष प्रस्तुति ने बारात की भव्यता में चार चांद लगा दिए। इस ऐतिहासिक बारात की अगुवाई स्वयं हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल कर रहे थे। बारात में शामिल लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। सांसद मनीष जायसवाल पूरे मार्ग में बारात में शामिल लोगों का मोतियों की माला पहनाकर आत्मीय स्वागत और अभिनंदन करते नजर आए, जिससे आयोजन में अपनापन और भावनात्मक जुड़ाव स्पष्ट दिखाई दिया। जैसे ही फुटबॉल मैदान से बारात कार्यक्रम स्थल की ओर रवाना हुई, शहर की सड़कों पर उत्सव का सैलाब उमड़ पड़ा। मुख्य मार्गों, चौक-चौराहों और गली-मोहल्लों में विभिन्न समाज के लोगों ने पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया। कई स्थानों पर सांसद मनीष जायसवाल को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। करीब ढाई किलोमीटर की इस यात्रा के दौरान लोगों का उत्साह, जोश और उमंग देखते ही बन रहा था। आतिशबाजी की फुलझड़ियों, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक धुनों के बीच लोग झूमते और नाचते नजर आए। यह दृश्य न सिर्फ सामाजिक समरसता का प्रतीक था, बल्कि सांसद सामूहिक विवाह उत्सव को लेकर जनता के बीच गहरे विश्वास और अपनत्व को भी दर्शा रहा था।

लोहरदगा में फिर गुंजेगा टी20 क्रिकेट का रोमांच, तैयारी पूरी

13 फरवरी तक चलेगा क्रिकेट टूर्नामेंट, भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी हरभजन और सहवाग होंगे शामिल

बिभा ब्यूरो, अभिषेक कुमार

लोहरदगा। जिला क्रिकेट एसोसिएशन और साहू परिवार के बैनर तले आईपीएल के तर्ज पर 10 फरवरी से शुरू हो रहे चार दिवसीय बलदेव साहू मेमोरियल टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सफल आयोजन को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। इस क्रम में बीएस कॉलेज निकट स्थित राज्य स्तरीय क्रिकेट स्टेडियम में रविवार 8 फरवरी को प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित एसोसिएशन के अध्यक्ष सह पूर्व राज्य सभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने मीडिया को टूर्नामेंट की हर एक जानकारी विस्तार पूर्वक दी। उन्होंने कहा कि लोहरदगा के लिए यह टूर्नामेंट ऐतिहासिक क्षण होगा। जो छोटे पर्दे पर बड़ा धमाल साबित होगा। क्रिकेट का यह महाकुंभ को लेकर प्रत्येक दृष्टिकोण से तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। 9 फरवरी को टूर्नामेंट का रंगारंग आगाज संध्या 5 बजे से रसियन बैंड के द्वारा किया जाएगा। इसके अलावा लेजर शो, फायर शो जैसे कई इवेंट आयोजित होंगे। जिसके बाद 10 फरवरी को सुबह 9 बजे से मैच

का शुभारंभ होगा। शुभारंभ मैच का प्रमुख चेहरा भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह होंगी। बताया झारखंड के अलग अलग जगहों से कुल आठ टीम बलदेव साहू महाविद्यालय क्रिकेट स्टेडियम में आईपीएल की तर्ज पर क्रिकेट मैच खेलेगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष सह पूर्व राज्य सभा सांसद धीरज प्रसाद साहू, डीडीसी दिलीप सिंह शेखावत, सचिव आलोक राय, वर्किंग प्रेसिडेंट भास्कर दास गुप्ता, आशीष कुमार, सतीश वर्मा, जयजीत चौबे, अमित कुमार सहित आयोजन समिति के पदाधिकारियों में विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, बीएस कॉलेज के प्राचार्य डॉ शशि गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

स्टेडियम में मैच का आनंद उठा सकेंगे निःशुल्क

जिला के हर एक लोग निःशुल्क स्टेडियम में बैठकर आईपीएल के तर्ज पर आयोजित मैच का आनंद उठा सकेंगे। उन्होंने बताया कि मैच के दौरान झारखंड सरकार के चेहरे भी शामिल होंगे। जिसको लेकर वार्ता चल रही है। अंतिम दिन 13 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाडी हरभजन सिंह और वीरेंद्र सहवाग भी शामिल होंगे।

धीरज प्रसाद साहू ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से शिष्टाचार मुलाकात कर क्रिकेट टूर्नामेंट में शामिल होने का दिया औपचारिक आमंत्रण

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व राज्यसभा सांसद तथा लोहरदगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरज प्रसाद साहू ने सूबे के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से शिष्टाचार मुलाकात कर आगामी क्रिकेट टूर्नामेंट में शामिल होने का औपचारिक आमंत्रण दिया। इस दौरान श्री साहू ने टूर्नामेंट की रूपरेखा, आयोजन की तिथि, उद्देश्य तथा तैयारियों की विस्तृत जानकारी मंत्री को दी। उन्होंने बताया कि यह टूर्नामेंट न सिर्फ खेल प्रतिभाओं को मंच देने का काम करेगा, बल्कि युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का भी माध्यम बनेगा।

धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि लोहरदगा की धरती खेल प्रतिभाओं से समृद्ध रही है। ऐसे आयोजनों से स्थानीय खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है और जिले की पहचान राज्य स्तर पर मजबूत होती है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री से आग्रह किया कि उनकी उपस्थिति से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा और आयोजन को नई ऊर्जा मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए कहा कि धीरज प्रसाद साहू उनके बड़े भाई समान हैं और अभिभावक की भूमिका में हमेशा मार्गदर्शन देते रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्लधीरू बाबू मेरे बड़े भाई हैं, मेरे अभिभावक हैं। उनके कार्यक्रम में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।ह्व मंत्री ने यह भी कहा कि खेल युवाओं को सकारात्मक दिशा देता है और सरकार खेल एवं खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री अंसारी ने कहा कि क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेल के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी आयोजन को लेकर आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम सामाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं।

मुलाकात के दौरान कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, अतिथियों के आगमन, खिलाड़ियों की सुविधा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों पर भी चर्चा की गई। श्री साहू ने बताया कि टूर्नामेंट को सुव्यवस्थित और यादगार बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता सचिदानंद चौधरी भी मौजूद थे। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि खेल के माध्यम से युवाओं को आगे बढ़ाने की यह पहल प्रशंसनीय है और इससे लोहरदगा जिले का नाम रोशन होगा। बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई और दोनों नेताओं ने आयोजन की सफलता को लेकर शुभकामनाएं दीं।

बाल विवाह के विरुद्ध कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में किया गया जनजागरण

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खूंटी द्वारा जिले के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में रविवार को बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस विषय पर, पार स्तरीय स्वयंसेवकों के द्वारा अपने अपने प्रखंडों के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बाल विवाह के बारे जानकारी देते हुए विद्यालय में उपस्थित बालिकाओं को जागरूक किया गया । उन्होंने यह भी बताया कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक बुराई है, जो बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षणिक विकास में बाधा डालती है। भारत सरकार द्वारा बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत बाल विवाह एक दंडनीय अपराध घोषित किया गया है। इसके बावजूद समाज के कुछ हिस्सों में यह कुप्रथा आज भी देखने को मिलती है, जो अत्यंत चिंताजनक है।

बाल विवाह से बच्चों, विशेषकर बालिकाओं, के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कम उम्र में विवाह होने से बालिकाओं को शिक्षा से वंचित होना पड़ता है तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में वृद्धि का खतरा भी बढ़ जाता है।

उन्होंने लोगों से अपील भी किया कि वे बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने में सक्रिय भूमिका निभाएं। यदि कहीं भी बाल विवाह होने की सूचना मिले तो तुरंत संबंधित प्रशासन, पुलिस, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 अथवा महिला एवं बाल विकास विभाग को सूचित करें। यह जानकारी डालसा सचिव कमलेश बेहरा के द्वारा दिया गया।

गड्ढों वाली व्यवस्था और खतरे में पड़ता जीवन

ललित गर्ग

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए।

गड्ढों में गिरी व्यवस्था में समाप्त होता जीवन आज के भारत की एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर मन भीतर तक सिहर उठता है। नोएडा में कार सवार युवा इंजीनियर की गड्ढे में गिरकर मौत का दर्द अभी समाज के मन से उतरा भी नहीं था कि दिल्ली में बाइक सवार युवक की जान एक खुले गड्ढे ने लील ली। दोनों घटनाओं में समानता यह है कि गड्ढे प्रशासन द्वारा विकास या मरम्मत के नाम पर खोदे गए थे और दोनों जगह न तो कोई बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न रोशनी की व्यवस्था। मानो व्यवस्था ने पहले गड्ढा खोदा और फिर निश्चिंत होकर वहां से हट गई कि अब जो होगा, वह नागरिक की किस्मत है। यही वह सोच है जो किसी भी समाज को भीतर से खोखला कर देती है।

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए। यह सामान्य हो जाना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि जब मौतें सामान्य लगने लगें, तब व्यवस्था की संवेदनशीलता मर चुकी होती है।

दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदा गया गड्ढा हो या नोएडा की किसी एजेंसी का, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया हर बार एक जैसी रहती है। अफसर निलंबित कर दिए जाते हैं, जांच समितियां बना दी जाती हैं, 24 या 48 घंटे में रिपोर्ट देने की घोषणा होती है और कुछ समय बाद वही फाइलें धूल फांकने लगती हैं। निलंबन और जांच अब समाधान नहीं, बल्कि एक औपचारिक रस्म बन गई है। सवाल यह है कि क्या निलंबन से मरे हुए बेटे लौट आते हैं, क्या जांच समितियों से टूटे हुए परिवार फिर से जुड़ जाते हैं। जब तक जवाबदेही केवल कागजों पर सिमटी रहेगी, तब तक गड्ढों में गिरती जिंदगियां यूं ही व्यवस्था का शिकार बनती रहेंगी।

इस पूरी तस्वीर का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बड़े शहरों में ऐसी घटनाएं कम से कम चर्चा में तो आती हैं,

मीडिया सवाल तो उठाता है, लेकिन छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में यही गड्ढे रोज जिंदगियां निगल रहे हैं और खबर तक नहीं बनते। वहां न कैमरा पहुंचता है, न कोई प्रतिनिधि, न कोई जांच समिति। वहां मौतें सिर्फ परिवारों की निजी त्रासदी बनकर रह जाती हैं। क्या नागरिक का मूल्य शहर के आकार से तय होगा। क्या महानगरों का नागरिक ज्यादा कीमती है और छोटे शहरों का नागरिक सस्ता। यह असमानता केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी है।

हम एक ओर विकसित भारत, सशक्त भारत, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात करते हैं, दूसरी ओर हमारी सड़कों पर खुले गड्ढे हमें आईना दिखाते हैं। विकास की रफ्तार तेज हो सकती है, लेकिन यदि उस रफ्तार में सुरक्षा, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना नहीं जुड़ी, तो वह रफ्तार विनाश की ओर ही ले जाएगी। यह विडंबना ही है कि हम स्मार्ट सिटी की बातें करते हैं, लेकिन स्मार्ट बैरिकेडिंग, स्मार्ट चेतावनी और स्मार्ट जिम्मेदारी पर बात करना भूल जाते हैं। तकनीक के युग में भी एक साधारण चेतावनी बोर्ड लगाना हमारे तंत्र को याद नहीं रहता।

दरअसल समस्या केवल लापरवाही की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें नागरिक को एक आंकड़ा समझ लिया गया है। फाइलों में वह एक केस नंबर है, सड़क पर वह एक बाधा और हादसे के बाद वह एक आंकड़ा। जब तक प्रशासन और शासन की दृष्टि में नागरिक का जीवन सर्वोपरि मूल्य नहीं बनेगा, तब तक हर नया गड्ढा एक नई मौत की संभावना बनकर खड़ा रहेगा। सवाल यह भी है कि क्या इन गड्ढों के लिए कभी उच्च स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी तय होगी। क्या कभी ऐसा होगा कि किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से पूछा जाए कि आपके विभाग की लापरवाही से एक जान गई, इसलिए आप पद पर बने रहने के नैतिक अधिकारी नहीं हैं।

भ्रष्ट शासन के समाप्त होने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं हर चुनाव में सुनाई देती हैं। पोस्टर बदलते हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन जमीन पर गड्ढे वैसे ही रहते हैं। यदि भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने तक सीमित होता तो शायद उसे पहचानना आसान होता, लेकिन यह जो संवेदनहीन भ्रष्टाचार है, जहां नियमों की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और समय पर काम पूरा न करना शामिल है, यह ज्यादा खतरनाक है। इसमें पैसा दिखता नहीं, लेकिन इसकी कीमत किसी की जान से चुकानी पड़ती है।

आज जब हम अमृत काल और शताब्दी वर्ष में नए भारत की कल्पना कर रहे हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो जाता है कि क्या खुले गड्ढों वाला देश महान बन सकता है। क्या वह देश विकसित कहलाने योग्य है, जहां नागरिक रात को सड़क पर निकलते समय यह दुआ करे कि कहीं कोई गड्ढा उसकी जिंदगी न छीन ले। विकास केवल पुलों, सड़कों और इमारतों से नहीं मापा जाता, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि आम आदमी खुद को कितना सुरक्षित महसूस करता है। यदि सुरक्षा का भरोसा नहीं, तो सारी उपलब्धियां खोखली हैं। गड्ढों में गिरी व्यवस्था केवल सड़कों की समस्या नहीं है, यह हमारे शासन तंत्र की नैतिक गिरावट का प्रतीक है। यह उस दूरी को दिखाता है जो सत्ता और नागरिक के बीच बढ़ती जा रही है। जब तक हर गड्ढे को सिर्फ तकनीकी खामी समझा जाएगा और हर मौत को दुर्भाग्य कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक यह सिलसिला रुकेगा नहीं। जरूरत इस बात की है कि हर गड्ढा एक सवाल बने, हर मौत एक चेतावनी और हर लापरवाही एक अपराध मानी जाए।

कब वे गड्ढे भरेंगे, कब व्यवस्था की दरारें बंद होंगी और कब विकास की दौड़ में भागता देश यह भरोसा पाएगा कि वह सुरक्षित हाथों में है, यह सवाल आज हर नागरिक के मन में है। शायद उस दिन हम सचमुच कह सकेंगे कि हमारा देश महान बनने की राह पर है। अभी तो लगता है कि हम महान नहीं, बल्कि परेशान हैं और यह परेशानी सिर्फ गड्ढों की नहीं, गड्ढों में गिरती संवेदनाओं की है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

दिल्ली के लापता लोग

पिछले दिनों इस खबर ने दिल्ली और देश के लोगों को चौंकाया कि इस साल जनवरी माह में ही देश की राजधानी में 800 लोग लापता पाए गए, जिसमें महिला, बच्चे व अन्य वयस्क भी शामिल हैं। जैसा कि स्वाभाविक था दिल्ली में लापता लोगों का आंकड़ा सामने आने के बाद आम लोगों में चिंता व्याप्त हो गई। प्रशासनिक स्तर पर भी इस समस्या की ओर अधिकारियों का ध्यान गया। बेलगाम सोशल मीडिया पर तो इन आंकड़ों पर अपनी-अपनी सुविधा और राजनीतिक हितों के मद्देनजर व्याख्या और बयानबाजी सामने आने लगी। पब्लिक फोरम पर कहा जाने लगा कि यह दिल्ली की कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद घर से निकलने के बाद सुरक्षा इंतजामों को लेकर तमाम तरह की सलाहें दी जाने लगीं। कुछ लोग देश के सिस्टम पर सवाल खड़े करने लगे। कुछ लोगों में भय से जुड़ी प्रतिक्रिया भी सामने आई। लेकिन इस बाबत दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़े भी अधिक चिंता बढ़ाने वाले नजर आए। प्रथम दृष्टया यह खबर परेशान करने वाली है, लेकिन पड़ताल में पाया गया कि यह स्थिति पिछले कुछ सालों के आंकड़ों के ही अनुरूप है। अगर हम पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर नजर डालें तो यह स्थिति की पुनरावृत्ति ही है। लेकिन यदि बीते कुछ सालों में लापता होने वाले लोगों की संख्या पर नजर डालें तो कहा जाता है कि इस साल जनवरी में सामने आई लापता लोगों की संख्या ज्यादा नहीं है। इस बाबत दिल्ली पुलिस का कहना है कि जनवरी 26 में कुल 1,777 लोगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रथम दृष्टया यह संख्या भले ही बढ़ी लगे, लेकिन जब पिछले दो सालों के आंकड़ों से इसकी तुलना की जाती है तो नई तस्वीर उभरती है। दरअसल, इन आंकड़ों की तह में जाएं तो दिल्ली का विशाल इलाका व सघन जनसंख्या घनत्व भी इसके मूल में है। दरअसल, एक बड़ी आबादी रोजगार व अन्य कार्यों के लिए दिल्ली आती-जाती रहती है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार साल 2024 में करीब 24,893 लोग लापता हुए थे। यानी एक माह में औसतन 2,074 लोग। वहीं साल 2025 में ये संख्या 24,508 लोग लापता हुए। अर्थात? हर माह 2,042 लोग गुम हुए। इस दृष्टि से जनवरी, 26 का आंकड़ा इस संख्या से कम है। सवाल है कि 2026 के पहले माह के आंकड़ों को लेकर भय क्यों व्याप्त हुआ? दरअसल, पहले पंद्रह दिनों के आंकड़ों के हिसाब से दिल्ली में हर रोज 54 लोग लापता हो रहे थे। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद लोगों ने इसके मूल में किसी संकट को देखा। दिल्ली पुलिस के अनुसार ये आंकड़े स्थायी गुमशुदगी के नहीं होते। कुछ लोग अल्पकाल के लिए कहीं चले जाते हैं और देर रात तक घर भी लौट आते हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी में ऑनलाइन और ऐप आधारित सिस्टम के जरिये लोग जल्दबाजी में अपने परिजनों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करा देते हैं।

चिंतन-मनन

समय का चक्र

जब तुम्हें लगता है कि समय बहुत कम है, तुम या तो बेचैन होते हो या अत्यन्त सजगता की अवस्था में होते हो। दुखी या उत्सुक होने पर तुम्हें समय बहुत लम्बा लगता है। जब तुम प्रसन्न हो और जो कुछ कर रहे हो, उसमें आनंद आ रहा है, तब तुम्हें समय का आभास नहीं होता। इसी प्रकार, नींद में भी तुम्हें समय का आभास नहीं होता। जब तुम समय से आगे हो, समय कटता ही नहीं और नीरसता अनुभव होती है। जब समय तुम्हारे आगे है, तब तुम आश्चर्यचकित और स्तब्ध होते हो। तुम घटनाओं को आत्मसात नहीं कर पाते। गहन ध्यान में तुम ही समय हो और सब कुछ तुम्हारे ही अहदर घटित हो रहा है। घटनाएं तुममें ऐसे घट रही हैं, जैसे आसमान में बादल गुजरते हैं। जब तुम समय के साथ होते हो, तुम ज्ञानी हो, तुम्हारा मन शांत है। जब मन प्रसन्न होता है, तब यह विस्तृत होता है, तब समय भी बहुत छोटा लगता है। जब मन दुखी होता है, संकुचित होता है, तब समय बहुत लंबा प्रतीत होता है। जब मन समचित्त है, स्थिर है, तब यह काल के परे है। इन दोनों स्थितियों से बचने के लिए कई व्यक्ति शराब या निद्रा का सहारा लेते हैं, परंतु जब मन जड़ या बेसुध होता है, तब यह अपनी ही अनुभूति नहीं कर सकता। समाधि ही असल शांति है, जो मन और समय के परे है। जैसे मन समय को अनुभव करता है, वैसे इस क्षण का भी अपना एक मन है। एक विराट मन, जिसमें व्यवस्था करने की अपरिमित और असीम योग्यता है। एक विचार और कुछ नहीं, समय के इस क्षण में एक तरंग है और समाधि के कुछ ही पल मन को ऊर्जा से भर देते हैं। निद्रावस्था के पहले और जिस पल तुम नींद से जगाते हो, सचेतनता के उन धूमिल क्षणों में, समय के परे जाने का अनुभव करो। जीवन साकार व निराकार का मिशग्रहै। भावनाओं का कोई आकार नहीं परंतु उनकी अभिव्यक्ति साकार होती है। आत्मा का कोई रूप नहीं परंतु उसका निवास साकार में है। इसी तरह, ज्ञान और कृपा का भी कोई रूप नहीं, लेकिन उनकी अभिव्यक्ति किसी रूप द्वारा ही होती है। निराकार को हटा देने से तुम जड़ बनते हो- सांसारिक और संवेदनशील। आकार को छोड़ देने से तुम एक भ्रमित तपस्वी, अत्यधिक सपने देखने वाले या भावनात्मक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति बन जाते हो।

मेलों में मौत के झूलेः खुशी के टिकट पर बिकती ज़िंदगी

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा के सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय मेले में झूला टूटने की घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि हमारे यहाँ मनोरंजन भी जान जोखिम में डालकर ही किया जाता है। जिस मेले को संस्कृति, कला और पर्यटन का उत्सव कहा जाता है, वही मेला एक पल में चीखों, अफरातफरी और मातम में बदल गया। झूले के अचानक टूटकर गिरने से एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई और तेरह लोग गंभीर रूप से घायल हुए। यह सिर्फ.एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का परिणाम है जहाँ सुरक्षा सबसे आखिरी प्राथमिकता बन चुकी है।

मेलों में झूले हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहे हैं। बच्चों की हँसी, युवाओं का उत्साह और परिवारों की उम्मीदें-सब कुछ इन झूलों से जुड़ा होता है। लेकिन जब यही झूले मौत का कारण बन जाएँ, तो सवाल केवल तकनीकी खराबी का नहीं रहता, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढाँचे की लापरवाही उजागर हो जाती है। सूरजकुंड हादसा अचानक नहीं हुआ। यह उस लापरवाही की परिणति है, जिसे सालों से ह्लचलने दोह्व कहकर नजरअंदाज किया जाता रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसे झूलों की अनुमति कैसे दी जाती है? क्या इनके फिटनेस सर्टिफिकेट की कोई गंभीर जाँच होती है या फिर कुछ कागजों और हस्ताक्षरों से ही सब कुछ ह्लमैनेजह्व कर दिया जाता है? हर बड़े मेले से पहले प्रशासन सुरक्षा के दावे करता है-ड्यूटी पर पुलिस, एंबुलेंस, दमकल वाहन-लेकिन झूलों की तकनीकी जाँच अक्सर औपचारिकता भर बनकर रह जाती है। जिस मशीन पर दर्जनों ज़िंदगियाँ झूल रही हों, उसकी गुणवत्ता, मेंटेनेंस और ऑपरेटर की ट्रेनिंग पर कोई सख़्त निगरानी क्यों नहीं होती?

यह पहली बार नहीं है जब किसी मेले या मनोरंजन पार्क में झूला गिरने से मौतें हुई हों। देश के अलग-अलग राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं-कहीं बच्चों की जान गई, कहीं महिलाएँ घायल हुईं, कहीं पूरा परिवार उजड़ गया। हर बार वही कहानी दोहराई जाती है-जाँच के आदेश, मुआवजे की घोषणा और कुछ दिनों का शोर। फिर सब कुछ भुला दिया जाता है, अगली दुर्घटना तक।

सूरजकुंड हादसे में एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत होना इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। जो व्यक्ति जनता की सुरक्षा के लिए तैनात था, वही स्वयं व्यवस्था की लापरवाही का शिकार हो गया। यह घटना प्रतीक है उस विडंबना की, जहाँ सुरक्षा देने वाला भी सुरक्षित नहीं है। सवाल यह है कि अगर एक अधिकारी की जान यूँ ही चली गई, तो आम नागरिक की सुरक्षा की क्या गारंटी है?

प्रशासन अक्सर ठेकेदारों पर दोष मढ़कर पल्ला झाड़ लेता है। कहा जाता है कि झूला निजी संचालक का था, मेंटेनेंस उसकी ज़िम्मेदारी थी। लेकिन क्या प्रशासन की ज़िम्मेदारी यहीं खत्म हो जाती है? क्या बिना कड़ी जाँच के किसी भी ठेकेदार को मौत के झूले लगाने की खुली छूट दी जा सकती है? अगर हाँ, तो फिर हादसे के बाद सिर्फ.ठेकेदार को दोषी ठहराना एक तरह का धोखा ही है।

असल में यह समस्या सिस्टम की है। मेले अस्थायी होते हैं, लेकिन लापरवाही स्थायी। सुरक्षा मानकों को ह्लअतिरिक्त खर्चह्व समझा जाता है और मुनाफे को सबसे ऊपर रखा जाता है। झूले पुराने होते हैं, कई बार दूसरे राज्यों से लाकर बिना समुचित जाँच के लगा दिए जाते हैं। ऑपरेटर अक्सर अप्रशिक्षित होते हैं, जिन्हें न मशीन की तकनीक की समझ होती है और न आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग।

दुखद यह भी है कि हादसे के बाद प्रशासन की संवेदनशीलता केवल मुआवजे की घोषणा तक सीमित रह जाती है। मृतक के परिवार को कुछ लाख रुपये देकर समझ लिया जाता है कि जिम्मेदारी पूरी हो गई। लेकिन क्या किसी की जान की कीमत कुछ लाख रुपये हो सकती है? क्या मुआवजा उस दर्द, उस खालीपन और उस अन्याय की भरपाई कर सकता है? सवाल यह भी है कि क्या हमारे यहाँ मनोरंजन का मतलब ही जोखिम बन गया है? क्या मेले, झूले और उत्सव आम आदमी के लिए ह्लक आजमानेह्व की जगह बन चुके हैं-जहाँ ज़िंदा लौटना भी किस्मत पर निर्भर हो? यह सोच किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है।

सूरजकुंड मेला अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है। देश-विदेश से लोग यहाँ आते हैं। अगर ऐसे प्रतिष्ठित आयोजन में सुरक्षा का यह हाल है, तो छोटे कस्बों और गाँवों के मेलों की स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। वहाँ न जाँच होती है, न एंबुलेंस समय पर पहुँचती है और न ही किसी की जवाबदेही तय होती है। अब जरूरत है केवल संवेदना जताने की नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की। हर मेले और मनोरंजन आयोजन के लिए सख़्त सुरक्षा मानक तय होने चाहिए। झूलों की तकनीकी जाँच स्वतंत्र विशेषज्ञों से कराई जाए, न कि औपचारिक समितियों से। ऑपरेटरों की ट्रेनिंग अनिवार्य हो और जरा-सी लापरवाही पर लाइसेंस रद्द किया जाए। सबसे अहम बात-हादसे की स्थिति में सिर्फ.मुआवजा नहीं, बल्कि आपराधिक ज़िम्मेदारी भी तय की जाए।

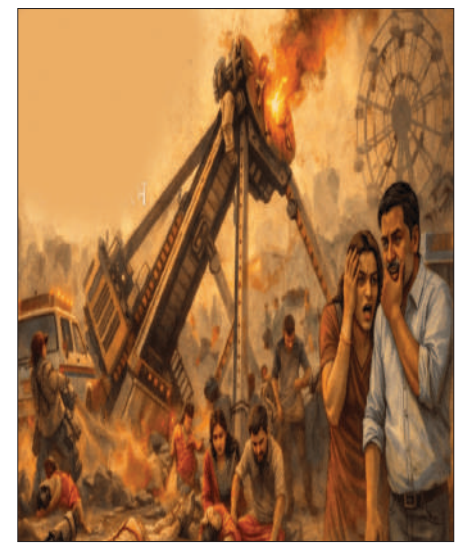

आज सूरजकुंड में झूला गिरा है। कल यह किसी और मेले में गिरेगा, अगर हमने अभी भी आँखें मूँदे रखीं। सवाल यह नहीं है कि अगला हादसा कहाँ होगा, सवाल यह है कि क्या हम हर बार मौत के बाद ही जागेंगे? मेलों का मकसद खुशी बाँटना होता है, मौत नहीं। लेकिन जब खुशी के टिकट पर ज़िंदगी बिकने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि यह सिर्फ. हादसा नहीं, एक अपराध है-और उस अपराध की ज़िम्मेदारी तय करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखिका पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं)

बोफोर्स से ट्रेड डील तक का सफर और बदलते भारत में कांग्रेस की ठहरी हुई सोच

कांतिलाल मांडोत

संसद के उच्च सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक घंटे अड़तीस मिनट का भाषण केवल एक राजनीतिक जवाब नहीं था, बल्कि वह पिछले सात दशकों की राजनीतिक संस्कृति और बीते ग्यारह वर्षों में बदले भारत के आत्मविश्वास का आईना था। विपक्ष के शोर, नारेबाजी और वॉकआउट के बीच दिया गया यह उद्बोधन इस सवाल को फिर से केंद्र में ले आया कि देश आज किस दिशा में खड़ा है और कौन-सी सोच उसे आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री का ह्लबोफोर्स डील से ट्रेड डील तकह्व का कथन दरअसल एक पूरे युगांतरण का प्रतीक है, जिसमें भारत ने घोटालों, नीतिगत जड़ता और वैश्विक अविश्वास के दौर से निकलकर आत्मनिर्भरता, वैश्विक साझेदारी और आर्थिक महत्वाकांक्षा की राह पकड़ी है।

कांग्रेस की राजनीति लंबे समय से सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानती रही है। आजादी के बाद दशकों तक केंद्र और अनेक राज्यों में शासन करने के बावजूद कांग्रेस देश को वह निर्णायक नेतृत्व नहीं दे पाई, जिसकी जरूरत थी। बोफोर्स घोटाला केवल एक रक्षा सौदे का मामला नहीं था, बल्कि वह उस मानसिकता का प्रतीक था जिसमें सत्ता, परिवार और हितों की गठजोड़ ने राष्ट्रीय हितों को पीछे छोड़ दिया। उसी दौर में भारत वैश्विक मंच पर एक ऐसा देश था, जिससे समझौते करने में दुनिया हिचकती थी और जिसकी अर्थव्यवस्था सहायता और कर्ज. पर टिकी मानी जाती थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में ठीक ही कहा कि

कांग्रेस, टीएमसी या डीएमके जैसी पार्टियां दशकों तक सत्ता में रहीं, फिर भी देश उन्हें किस उपलब्धि से याद करता है, यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है। इसके उलट, बीते ग्यारह वर्षों में भारत की तस्वीर बदली है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ चुका है, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उसकी भूमिका मजबूत हुई है और बड़े-बड़े देश भारत के साथ व्यापार समझौतों के लिए उत्सुक हैं। यूरोपीय यूनियन से लेकर अमेरिका तक के साथ हो रही ट्रेड डील्स इस बदले हुए भरोसे का प्रमाण हैं।

कांग्रेस की समस्या केवल नीतियों तक सीमित नहीं है, उसकी भाषा और संस्कार भी सवालों के घेरे में हैं। ह्लमोदी तेरी कब्र खुदेगीह्व जैसे नारे न केवल राजनीतिक असहमति की मयार्दा को तोड़ते हैं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी अपमान करते हैं। प्रधानमंत्री ने सही पूछा कि यह कैसी ह्लमोहब्बत की दुकानह्व है, जिसमें किसी निर्वाचित प्रधानमंत्री की कब्र खोदने की बात की जाती है। यह भाषा बताती है कि कांग्रेस आज भी नकारात्मकता और व्यक्तिगत द्वेष की राजनीति में उलझी हुई है, जबकि देश सकारात्मक एजेंडे और भविष्य की बात करना चाहता है।

कांग्रेस के ह्ययुवराजह्व द्वारा एक सिख सांसद को गद्दार कहने का उल्लेख भी इसी मानसिकता की ओर इशारा करता है। यह केवल एक व्यक्ति पर टिप्पणी नहीं, बल्कि पूरे सिख समुदाय और उनके गुरुओं का अपमान है। जिस पार्टी ने लंबे समय तक खुद को समावेशिता और सेक्युलरिज्म का ठेकेदार बताया, वही आज पहचान की राजनीति और विभाजनकारी बयानबाजी में फंसी दिखती है। प्रधानमंत्री का यह कहना कि यह सिखों और गुरुओं का अपमान है, केवल राजनीतिक आरोप नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी भी है।

विकसित भारत की कल्पना करने वाली सरकार और कांग्रेस की सोच में मूलभूत अंतर है। मोदी सरकार मानती है कि 140 करोड़ भारतीय समस्याएं नहीं, बल्कि संभावनाएं हैं। इसके विपरीत, नेहरू-इंदिरा काल की वह सोच थी जिसमें जनसंख्या को समस्या के रूप में देखा जाता था। यह दृष्टिकोण ही नीति निर्माण को दिशा देता है। जब नेतृत्व जनता पर भरोसा करता है, तो परिणाम जनभागीदारी, स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे के तेज विकास के रूप में सामने आते हैं। अनुच्छेद 370 का हटाया जाना भी इसी निर्णायक नेतृत्व का उदाहरण है। दशकों तक जिसे असंभव बताया गया, उसे राजनीतिक इच्छाशक्ति ने संभव कर दिखाया। यह केवल एक संवैधानिक कदम नहीं था, बल्कि यह संदेश था कि भारत अब साहसिक फैसलों से नहीं हिचकता। कांग्रेस इसे आज भी अपने पुराने चश्मे से देखती है, क्योंकि वह बदलाव की राजनीति को स्वीकार नहीं कर पाई है।

ट्रेड डील के संदर्भ में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत-अमेरिका संबंध एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं। आयात शुल्क में कटौती, संयुक्त बयान और संभावित हस्ताक्षर केवल आर्थिक आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह उस भरोसे का संकेत हैं जो दुनिया आज भारत पर कर रही है। कभी जिस भारत को समझौतों की मेज पर जगह पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था, आज वही भारत शर्तें तय करने की स्थिति में है।

कांग्रेस की विडंबना यह है कि वह इस बदलाव को स्वीकार करने के बजाय उसे नकारने में ऊर्जा खर्च कर रही है। प्रधानमंत्री की कुर्सी को अपनी जागीर मानने वाली मानसिकता आज भी उसे परेशान करती है। उसे यह सवाल कचोटता है कि एक साधारण पृष्ठभूमि से आया व्यक्ति देश का नेतृत्व कैसे कर सकता है। यही असहजता उसकी बयानबाजी में झलकती है, चाहे वह ह्लकब्रह्व जैसे शब्द हों या व्यक्तिगत आरोप।

आज का भारत भावनाओं से नहीं, तथ्यों और परिणामों से बात करता है। ग्यारह वर्षों में सड़कों, रेल, डिजिटल भुगतान, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष और कूटनीति में जो बदलाव आए हैं, वे किसी प्रचार का नहीं, बल्कि नीतिगत निरंतरता और कर्मनिष्ठा का परिणाम हैं। प्रधानमंत्री मोदी का विश्वसत्ता की ओर भारत को ले जाने का लक्ष्य केवल सपना नहीं, बल्कि स्पष्ट रोडमैप पर आधारित है।

अंततः यह बहस केवल मोदी बनाम कांग्रेस की नहीं है, बल्कि पुरानी और नई सोच की है। एक ओर वह राजनीति है जो अतीत के घोटालों, परिवारवाद और नकारात्मक नारों से बाहर नहीं निकल पा रही, और दूसरी ओर वह नेतृत्व है जो आत्मविश्वास, सत्यनिष्ठा और परिश्रम के बल पर भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाना चाहता है। बोफोर्स से ट्रेड डील तक का यह सफर बताता है कि देश ने रास्ता चुन लिया है। अब सवाल यह है कि कांग्रेस कब अपने भीतर झांककर यह समझेगी कि भारत बदल चुका है, और राजनीति को भी बदलना होगा।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का

लकीर के फकीर

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।

अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया।

उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडीं। भेड़ जो ठहरीं!

उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।

समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।

कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओं को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत : उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।

मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।

कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण,आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।

मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन,आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत : ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

बुद्धि बड़ी या भाग्य

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।

व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाई? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।''

यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।

व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वहीं डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा। विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत : उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत : व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत : उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत : यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत : सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन : पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ़ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

सफारी में मोबाइल ले जाने पर एफआईआर होगी

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सबसे बड़े रणथंभौर टाइगर रिजर्व समेत कुल चार टाइगर रिजर्व में रील बनाने, वीडियो शूट करने और सेल्फी लेने जैसी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। यह कदम सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के तहत उठाया गया है, जिससे वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार में कोई बाधा न आए। सफारी के टूरिस्ट और गाइड मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए एक आदेश जारी किया है। इसके तहत टाइगर रिजर्व में पोस्टर और फ्लैक्स भी लगा दिए गए हैं। साथ ही गाइड को भी निर्देश दिए है कि वे मोबाइल फोन के रोक संबंधी आदेश के बारे में टूरिस्ट?स को भी अवगत करा दें। राजस्थान में फिलहाल चार टाइगर रिजर्व है। इनमें रणथंभौर टाइगर रिजर्व, सरिस्का टाइगर रिजर्व (अलवर), मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व (कोटा) और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (बूंदी) शामिल हैं। धौलपुर-करौली और कुंभलगढ़ को भी टाइगर रिजर्व बनाने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन ये अभी पूरी नहीं हो पाई है।

ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त, कैप्टन व ट्रेनी घायल

विजयपुरा (एजेंसी)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले के बाबलेश्वर तालुक के मंगलूर गांव में रविवार को रेड बर्ड एविएशन का निजी ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में कैप्टन और एक ट्रेनी पायलट सवार थे, दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। यह विमान कलबुर्गी से बेलगावी जा रहा था। उड़ान के दौरान इंजन में अचानक खराबी आ गई, जिससे पायलट कंट्रोल खो बैठे और खेत में क्रैश लैंडिंग हो गई। विमान सीसना 172 मॉडल का दो सीटर ट्रेनिंग प्लेन था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह विमान रेड बर्ड एविएशन कंपनी का था और ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। शुरुआती जांच में हादसे की वजह इंजन की तकनीकी खराबी सामने आई है, लेकिन दुर्घटना के सही कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चलेगा। प्रशासन और पुलिस ने साफ़ किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी जरूरी तकनीकी और कानूनी जांच की जा रही है तथा जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में नायब सरकार ने अपराधियों के आगे सरेंडर कर चुकी : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में अपराध की बढ़ती घटनाओं को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की बीजेपी सरकार की आलोचना कर राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाकर दावा किया हैं कि हरियाणा में अपराधी खुलेआम व्यापारियों से फिरौती मांग रहे हैं। उन्होंने यमुनानगर की घटना का जिक्र कर आरोप लगाया कि सैनी सरकार ने पूरे प्रदेश को अपराधियों का खेल का मैदान बना दिया है। दरअसल, यमुनानगर में दो बदमाशों ने रेलवे रोड के पास स्थित मल्टी स्पेशलिटी वरयाम अस्पताल फायरिंग की। बदमाशों ने अस्पताल के रिसेप्शन इलाके में 13 से 14 राउंड फायरिंग की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। आप नेता ढांडा ने पोस्ट में लिखा, नायब सरकार ने पूरे हरियाणा को अपराधियों का खेल का मैदान बना दिया है। यमुनानगर में अपराधी खुलेआम बेखौफ होकर गोलियां बरसा रहे हैं, जगह-जगह व्यापारियों से फिरौती मांगी जा रही है। हर दिन होती ऐसी वारदातें साफ हैं कि बीजेपी की नायब सरकार ने अपराधियों के आगे सरेंडर कर चुकी है। पोस्ट के साथ उन्होंने वीडियो साझा किया है, जिसमें 3 नकाबपोश व्यक्ति एक इमारत के अंदर प्रवेश करते दिखाई दे रहे हैं, जो संभवतः कोई कार्यालय प्रतीत हो रहा है। इसके बाद ये लोग फायरिंग करते हुए वहां से निकल जाते हैं।

मुंबई से 100 नॉटिकल मील दूर बड़ी हलचल, कोस्ट गार्ड ने तीन संदिग्ध जहाजों को पकड़ा

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन कोस्ट गार्ड ने मुंबई के तट से लगभग 100 मील दूर एक बड़ा ऑपरेशन किया। इस ऑपरेशन से काफी हलचल मच गई। दरअसल मुंबई तट के बहुत करीब तीन बड़े जहाजों पर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ। दरअसल कोस्ट गार्ड ने मुंबई से 100 नॉटिकल मील पश्चिम में तीन संदिग्ध जहाजों को देखा। इन जहाजों पर नज़र रखी जा रही थी। इस दौरान, इंडियन कोस्ट गार्ड ने जहाजों का निरीक्षण किया और दस्तावेजों की जांच की, जिससे एक बड़ा खुलासा हुआ। जब कोस्ट गार्ड ने जहाजों का निरीक्षण किया, तो पता चला कि इन जहाजों के मालिक दूसरे देशों में बसे हुए हैं। बताया गया है कि कोस्ट गार्ड 5 फरवरी से इन जहाजों पर कड़ी नज़र रख रहा था। इसके अलावा, जहाजों पर संदिग्ध गतिविधियां हो रही थीं। फिर कोस्ट गार्ड ने जहाजों का निरीक्षण किया। पूछताछ के दौरान, यह साफ हो गया कि ये जहाज तेल की तस्करी में शामिल थे। पता चला कि ये तीनों जहाज समुद्र में अवैध रूप से तेल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों को दूसरे जहाजों में ट्रांसफर कर रहे थे। आखिरकार, शनिवार दिनांक 7 फरवरी को कार्रवाई की गई। पूछताछ के बाद, तीनों जहाजों को मुंबई बंदरगाह लाया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा, तीनों जहाजों के चालक दल के सदस्य भी भारत की हिरासत में हैं। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि ये जहाज कहां से आए थे और मुंबई तट से कहां जा रहे थे।

सबूतों के अभाव में अदालत ने मुजफ्फरनगर दंगा केस में 22 आरोपियों को बरी किया

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की अदालत ने 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से जुड़े हत्या, लूट और आगजनी के एक मामले में साक्ष्यों के अभाव में 22 आरोपियों को बरी किया। शासकीय अधिवक्ता ने इसकी जानकारी दी। शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कनिष्क कुमार ने कहकर आरोपियों को बरी किया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में नाकाम रहा। उन्होंने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने आठ सितंबर 2013 को मोहम्मदपुर रायसिंह गांव में हुई घटनाओं के संबंध में 26 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान चार आरोपियों की मृत्यु हुई। जिसके बाद शेष 22 आरोपियों के खिलाफ अभियोजन कार्रवाई जारी थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हनीफ ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि सैकड़ों दंगाइयों ने गांव में घरों पर हमला किया, संपत्ति लूटी और बाद में घरों में आग लगा दी।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील ऐतिहासिक, किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा-अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ घटाकर शून्य किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह डील ऐतिहासिक है और पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि भारत की नीति समझौते की है, झुकने की नहीं। उन्होंने दो टूक कहा कि किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी और इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौहान ने साफ किया कि भारत में किसी भी प्रकार के आनुवंशिक रूप से संशोधित यानी जीएम कृषि उत्पादों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने इसे भारतीय कृषि के लिए बेहद अहम फैसला बताया और कहा कि इससे हमारी मिट्टी, हमारे बीज और कृषि की शुद्धता सुरक्षित रहेगी। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील में सभी संवेदनशील कृषि उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, चीनी, मोटे अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केले, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल, हरी मटर, काबुली चना, मूंग, तिलहन, इथेनॉल और तंबाकू जैसे उत्पादों पर किसी भी तरह की टैरिफ छूट नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा चिंता हमारे प्रमुख अनाजों को लेकर थी और ये सभी सुरक्षित रखे गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि अमेरिका के लिए भारत ने अपने प्रमुख अनाज, फल और डेयरी उत्पादों का कोई द्वार नहीं खोला है। छिलका रहित अनाज, आटा, गेहूं, मक्का, चावल, बाजरा, आलू, प्याज, मटर, बीन्स, खीरा, मशरूम, दलहन, फ्रोजन सब्जियां, संतरे, अंगूर, नींबू और स्ट्रॉबेरी जैसे अमेरिकी कृषि उत्पाद भारत में नहीं आएंगे। इसके अलावा मिक्स डिब्बाबंद सब्जियों को भी भारत में अनुमति नहीं दी जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि दुग्ध उत्पादों में भी भारत ने अपनी सीमाएं स्पष्ट कर दी हैं। अमेरिका से लिक्विड दूध, मिल्क पाउडर, क्रीम, योगर्ट, बटरमिल्क, मक्खन, घी, बटर ऑयल, पनीर और चीज को भारत में प्रवेश नहीं मिलेगा। इससे भारतीय डेयरी सेक्टर और किसान परिवारों की आजीविका पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।

चौहान ने कहा कि इस समझौते के तहत भारतीय किसानों के कृषि उत्पादों को अमेरिका में शून्य शुल्क पर निर्यात किया जाएगा, जबकि अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में ऐसी कोई रियायत नहीं दी गई है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि मसालों के निर्यात में भारत ने बड़ी छलांग लगाई है। भारत के मसाला निर्यात में 88 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और भारतीय मसाले व मसाला उत्पाद दुनिया के 200 देशों तक पहुंच रहे हैं। 2024-25 में भारत का कुल निर्यात 4.45 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने साफ कहा था कि देश को झुकने नहीं देंगे और किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील में दोनों बातों का पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में अब तक 9 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो चुके हैं। अमेरिका के अलावा यूएई के 27 देश, ओमान, न्यूजीलैंड और यूके के साथ भारत एफटीए कर चुका है, जबकि अन्य देशों से बातचीत चल रही है। चौहान ने कहा कि इन सभी समझौतों का फायदा भारतीय अर्थव्यवस्था, किसानों, मजदूरों, गरीबों, निर्यातकों और निर्माताओं को मिलेगा और 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ये मील का पत्थर साबित होंगे।

कृषि मंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर में भारत का टैरिफ अब प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले काफी कम होकर 18 फीसदी रह गया है। इससे कपास किसानों, टेक्सटाइल निर्माताओं, जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर, ऑटो कंपोनेंट्स, इंजीनियरिंग गुड्स को नई गति मिलेगी, साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों की आजीविका भी इस समझौते से मजबूत होगी।

रील का जुनून : बांदा में फंदा लगाकर वीडियो शूट करते समय महिला की मौत

बांदा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। वायरल होने की चाहत में अपनी जान जोखिम में डालना एक महिला के लिए जानलेवा साबित हुआ। मामला बबेरू कोतवाली कस्बे के करूड़या पुरवा का है, जहां 27 वर्षीय मोहिनी नाम की महिला रील के लिए फांसी का सीन रिकॉर्ड कर रही थी, लेकिन तभी अचानक फंदा कस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मोहिनी को सोशल मीडिया पर रील बनाने का काफी शौक था और वह अक्सर नए-नए तरीकों से वीडियो शूट करती रहती थी। जिस समय यह घटना हुई, महिला का पति जगदीश काम के सिलसिले में घर से बाहर गया हुआ था। अकेलेपन का फायदा उठाकर मोहिनी ने रील बनाने की योजना बनाई। उसने छत के हुक पर रस्सी डालकर फांसी का एक फंदा तैयार किया और सामने मोबाइल कैमरा सेट कर वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू कर दी। अभिनय के दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और गले में पड़ा फंदा वास्तव में कस गया। मोहिनी ने खुद को बचाने की काफी जद्दोजहद की, लेकिन फंदा कसता चला गया और दम घुटने से उसकी जान चली गई। हादसे का पता तब चला जब महिला की 4 वर्षीय बेटी कमरे में पहुंची। अपनी मां को फंदे पर लटका देख वह बुरी तरह डर गई और जोर-जोर से चीखने-चिल्लाने लगी। बच्ची की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और पड़ोसी मौके पर पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के आला अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती जांच में मामला रील बनाने के दौरान हुए हादसे का लग रहा है, क्योंकि मौके पर मोबाइल कैमरा रिकॉर्डिंग मोड में मिला था। हालांकि, पुलिस हत्या और आत्महत्या समेत अन्य सभी पहलुओं पर भी गहनता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

कांग्रेस ने नवजोत कौर को किया निष्कासित, सिद्धू ने राहुल गांधी को कहा पप्पू

-नवजोत कौर का यह बयान उनके रिश्तों की कड़वाहट को चरम पर ले गया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति में पिछले दो महीनों से जारी अनिश्चितता और बयानबाजी के दौर का अंत आखिरकार एक बड़े धमाके के साथ हुआ है। पूर्व विधायक डॉ. नवजोत कौर सिद्धू को कांग्रेस से निष्कासित कर दिया है। इस निष्कासन से पहले ही 31 जनवरी को नवजोत कौर ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन कांग्रेस आलाकमान के इस कड़े कदम ने यह साफ कर दिया है कि पार्टी अब सिद्धू परिवार की बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाए जाने के बाद नवजोत कौर के तेवर और भी तीखे हो गए। उन्होंने न केवल इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी, बल्कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया।

उन्होंने राहुल गांधी को पप्पू कहकर संबोधित किया जो आमतौर पर विपक्षी खेमे द्वारा उनके उपहास के लिए इस्तेमाल किया जाता है। नवजोत कौर का यह बयान कांग्रेस के साथ उनके रिश्तों की कड़वाहट को चरम पर ले गया है। विवाद की जड़ें पिछले साल दिसंबर में जमीं, जब नवजोत कौर ने कांग्रेस नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री का चेहरा वही बनता है जो 500 करोड़ रुपए का सूटकेस देता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि उनके पति नवजोत सिंह सिद्धू सक्रिय राजनीति में तभी लौटेंगे जब उन्हें सीएम पद का चेहरा बनाया जाएगा। उस समय उन्होंने कहा था कि कांग्रेस में इतनी गुटबाजी है कि वे नवजोत सिद्धू को आगे नहीं बढ़ने देंगे। वहां पहले से ही पांच दावेदार सीएम बनने का सपना देख रहे हैं और वे खुद कांग्रेस को हराने पर तुले हुए हैं।

एसआईआर के नाम पर मुस्लिम मतदाताओं का वोट काटा जा रहा: अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर एक प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने बीजेपी, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर जमकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर के माध्यम से बिहार का चुनाव जीता गया है। अब पश्चिम बंगाल में लगातार यही कोशिश हो रही है। इसकारण बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बीजेपी की काली करतूत को उजागर करने के लिए काला कोट पहनकर सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा।

प्रेसवार्ता में सपा अध्यक्ष अखिलेश अपने साथ सुल्तानपुर निवासी नंदलाल को भी लेकर आए थे। उन्होंने चुनाव आयोग और बीजेपी पर आरोप लगाकर कहा कि नंदलाल से बीजेपी ने एसआईआर का फॉर्म 7 भरा लिया। बीजेपी पर हमला बोलकर अखिलेश यादव ने कहा कि द्वापर और त्रेता के नाम वाले लोगों, दशरथ और नंदलाल से हमें बहुत मदद मिल गई। बता दें कि नंदलाल अंगूठा लगाते हैं। इसके बाद बीजेपी ने इनके फर्जी दस्तखत कर फॉर्म भरवा दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की तरफ से नंदलाल को 1 लाख रुपये का इनाम दिया गया है। हमारी मांग है कि चुनाव आयोग फॉर्म 7, जिससे नाम पर आपत्ति दर्ज होती है भरवाना तुरंत बंद करे।

अखिलेश ने कहा कि आयोग को सिर्फ फॉर्म-6 नाम जोड़ने वाले फॉर्म ही भरवाने चाहिए। नंदलाल के नाम पर 26 फॉर्म-7 भरे गए थे। एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग द्वारा जानबूझकर मुस्लिम मतदाताओं का वोट काटा जा रहा है। इसलिए मैं कह रहा हूं कि यह एसआईआर, नहीं एनआरसी है।

इसके पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि बीजेपी एक समुदाय के कुछ लोगों का इस्तेमाल उसी समुदाय के खिलाफ करती है। वहीं जब विवाद बढ़ जाता है, तब वह दिखावे के लिए नकली कार्रवाई का नाटक करती है। आपको बता दें कि अखिलेश के ये बयान जाहिर तौर पर घूसखोर पंडित नाम की एक फिल्म को लेकर हुए विवाद के बारे में थे। जो एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है।

मौसम में बड़े बदलाव के संकेत, उत्तर भारत में बारिश-बर्फबारी और कोहरे का अलर्ट

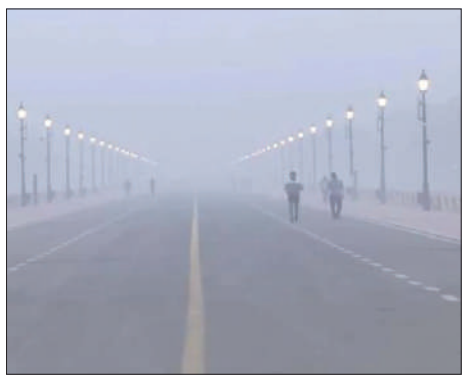

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विभिन्न हिस्सों में अगले कुछ दिनों के दौरान मौसम का मिजाज एक बार फिर करवट लेने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ, चक्रवाती परिसंचरण और सब-ट्रॉपिकल पश्चिमी जेट स्ट्रीम के सक्रिय होने से देश के कई राज्यों में मौसम की गतिविधियों में बदलाव देखा जाएगा। इसके प्रभाव से कहीं तेज हवाएं चलेंगी, तो कहीं बारिश और बर्फबारी का दौर शुरू होगा।

मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो से तीन दिनों तक 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं चलने की संभावना है। इसके साथ ही पहाड़ी इलाकों में सुबह और रात के समय घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे दृश्यता कम हो सकती है और सड़क व हवाई यातायात पर असर पड़ सकता है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 9 से 11 फरवरी के बीच मौसम बिगड़ने के आसार हैं। एक नया पश्चिमी विक्षोभ 8 फरवरी की रात से सक्रिय हो रहा है, जिसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 10 फरवरी को इन राज्यों के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी हो सकती है। इस दौरान मौसम विभाग ने गरज-चमक, बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी आशंका जताई है। पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को ऊंचे इलाकों में जाने से बचने की सलाह दी गई है। उत्तर भारत के कुछ राज्यों में घने कोहरे और कोल्ड डे (ठंडा दिन) जैसी स्थिति बनी रह सकती है। विशेष रूप से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के मैदानी व घाटी वाले इलाकों में सुबह और रात के समय विजिबिलिटी काफी कम रह सकती है। कोहरे के कारण लंबी दूरी की ट्रेनों और उड़ानों के समय में भी देरी होने की संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर में कैसा रहेगा हाल?

राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में फिलहाल मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। रविवार को आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, हालांकि सुबह के समय हल्की धुंध महसूस की जा सकती है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। आने वाले पूरे हफ्ते में दिल्ली-एनसीआर में किसी बड़े मौसमी उलटफेर की संभावना नहीं है, लेकिन सुबह और शाम की ठंड बरकरार रहेगी। न्यूनतम तापमान को लेकर आईएमडी का कहना है कि उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो दिनों तक पारे में कोई खास गिरावट या बढ़ोतरी नहीं होगी। हालांकि, इसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि देखी जा सकती है। मध्य भारत में भी दो दिनों के बाद न्यूनतम तापमान बढ़ने के आसार हैं, जबकि पूर्वी भारत में अगले चार दिनों तक तापमान स्थिर रहने के बाद धीरे-धीरे बढ़ेगा। कुल मिलाकर, फरवरी का दूसरा सप्ताह देश के उत्तर और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों के लिए मिश्रित मौसमी प्रभाव वाला रहने वाला है।

सांसद पप्पू यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज

-गिरफ्तारी के समय सांसद के समर्थकों और पुलिस के बीच हुई थी तीखी नोकझोंक

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ बुद्धा कॉलोनी थाना में एक और एफआईआर दर्ज की गई। यह मामला सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस कार्रवाई में रुकावट को लेकर दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात पुलिस सांसद पप्पू यादव को गिरफ्तार करने उनके घर पहुंची थी, लेकिन उस दौरान उन्होंने गिरफ्तारी देने से इनकार कर दिया। इस दौरान सांसद के समर्थकों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई थी। हालात बिगड़ते देख सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालते हुए बाद में पप्पू यादव को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। जहां से पीएमसीएच शिफ्ट किया गया था। जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पप्पू यादव की पटना में आधी रात को हुई गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को पूर्णिया में जन अधिकार पार्टी के

कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर जाप कार्यकर्ताओं ने शहर में मशाल जुलूस निकाला और पप्पू यादव को अविलम्ब रिहा करने की मांग की। जन अधिकार पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष बबलू भगत ने कहा कि सरकार विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है। सांसद पप्पू यादव लगातार सदन में आम जनता की आवाज उठाते हैं। पीड़ितों को न्याय दिलाते हैं, लेकिन सरकार को यह हजम नहीं होता। सांसद पप्पू यादव पूर्णिया के 25 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यहां की जनता इससे बर्दाश्त नहीं करेगी।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के मामले में कहा कि हर चीज को इतना बड़ा चढ़ा कर पेश करना कि हर चीज में साजिश हो रही है जान से मारने यह नॉर्मल एक प्रक्रिया का हिस्सा है। क्या कोई किसी सांसद को ऐसे ही नहीं गिरफ्तार कर सकता है। यकीनन कहीं ना कहीं कुछ तथ्य सामने आए होंगे। कुछ ऐसे प्रमाण मिले होंगे जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई है। पप्पू यादव के मामले में राहुल गांधी के समर्थन करने पर एनडीए की सरकार में एक बात स्पष्ट है अगर कोई दोषी है तो वह बक्शा नहीं जाएगा। अगर कोई बेगुनाह है तो उसके ऊपर कोई आंच नहीं आएगी।

बता दें पप्पू यादव को 31 साल पुराने केस में बेल टूटने पर गिरफ्तार किया गया। दरअसल, पटना के शास्त्री नगर थाने में साल 1995 केस दर्ज किया गया था। यह केस विनोद बिहारी लाल ने दर्ज कराया था। बार-बार बुलाने के बाद भी पप्पू यादव और दो अन्य अभियुक्त कोर्ट नहीं आ रहे थे। आरोप था कि पप्पू यादव 1994 में जब पहली बार सांसद बने थे। तब इन्होंने पटना में ऑफिस बनाने के लिए एक मकान किराए के लिए लिया था। रहने के नाम पर और उसमें ऑफिस बनाया।

वायुसेना की शक्ति में ऐतिहासिक इजाफा: 3.25 लाख करोड़ के राफेल सौदे पर मुहर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना अपनी मारक क्षमता को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। अत्याधुनिक राफेल विमानों की सफलता के बाद अब 114 अतिरिक्त राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद प्रक्रिया ने गति पकड़ ली है। रक्षा गलियारों से मिल रही जानकारी के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के आगामी भारत दौरे से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। इस बैठक में लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले इस महा-प्रोजेक्ट को अंतिम मंजूरी मिल सकती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदली हुई परिस्थितियों में भारत अपने रक्षा क्षेत्र को अभूतपूर्व तेजी से मजबूत कर रहा है।

आगामी 18 से 20 फरवरी तक भारत में आयोजित होने वाली एआई समिट में राष्ट्रपति मैक्रों की भागीदारी के दौरान इस सौदे को अंतिम रूप दिया जा सकता है। प्रस्तावित योजना के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के तहत कुल 114 विमानों में से 18 विमान फ्लाई अवे यानी पूरी तरह तैयार स्थिति में फ्रांस से सीधे भारत आएंगे। वहीं, शेष विमानों का बड़ा हिस्सा मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत में ही निर्मित किया जाएगा। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 60 से 80 फीसदी विमानों का निर्माण भारतीय धरती पर होगा, जिसमें फ्रांसीसी कंपनी दसॉ और भारतीय निजी क्षेत्र की कंपनियां मिलकर काम करेंगी। इस बेड़े में 88 सिंगल सीटर और 26 ट्विन सीटर विमान शामिल होने की संभावना है। रक्षा खरीद बोर्ड से हरी झंडी मिलने के बाद अब यह मामला अगले स्तर की मंजूरी के करीब है, जिसके बाद तकनीकी और वाणिज्यिक स्तर पर औपचारिक बातचीत का दौर शुरू होगा।

रक्षा क्षेत्र में यह निवेश भारत की दूरगामी रणनीति का हिस्सा है। चालू वित्त वर्ष में रक्षा मंत्रालय के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट आवंटित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। यह कुल सकल घरेलू उत्पाद का 1.99 प्रतिशत है। इस बजट में सेनाओं के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया गया है, जिसके लिए 1.85 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों, विशेषकर पड़ोसी देशों के बीच बढ़ती नजदीकियों और सीमा पर उभरते नए समीकरणों को देखते हुए भारत के लिए अपनी वायु शक्ति को बढ़ाना अनिवार्य हो गया है। इस डील के पूरा होने के बाद भारतीय वायुसेना के पास राफेल विमानों की कुल संख्या 176 हो जाएगी, जो किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान करेगी। सरकार न केवल हथियारों की खरीद पर, बल्कि अनुसंधान और विकास पर भी निवेश बढ़ा रही है। इस बार अनुसंधान के लिए 17,250 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। साथ ही, रक्षा पेंशन के लिए भी बजट बढ़ाकर 1.71 लाख करोड़ रुपये किया गया है। यह निवेश और राफेल जैसा रणनीतिक सौदा यह स्पष्ट करता है कि भारत अब रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के साथ-साथ तकनीकी श्रेष्ठता के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों की श्रेणी में अपनी जगह पक्की कर रहा है।

अगले हफ्ते स्टॉक स्प्लिट, बोनस और डिविडेंड से बाजार में बढ़ेगी हलचल

- कॉरपोरेट एक्शन के चलते निवेशकों की नजर बाजार पर

नई दिल्ली ।

आने वाला हफ्ता शेयर बाजार के लिहाज से खास रहने वाला है। बाजार भले ही रोजाना उतार-चढ़ाव से गुजरता हो, लेकिन कुछ हफ्ते ऐसे होते हैं जब एक साथ कई बड़ी वजहें निवेशकों का ध्यान खींचती हैं। इस बार भी ऐसा ही माहौल बनता दिख रहा है। स्टॉक स्प्लिट, बोनस इश्यू और डिविडेंड जैसे कॉरपोरेट एक्शन बाजार में नई हलचल पैदा कर सकते हैं। ऐसे में यह हफ्ता न सिर्फ ट्रेडर्स बल्कि लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगले हफ्ते शेयर बाजार में डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड निवेशकों के रडार पर रहेगी। कंपनी ने अपने शेयर के स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कंपनी के स्टॉक स्प्लिट की एक्स-डेट 13 फरवरी 2026 तय की गई है, जबकि रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 रखी गई है। इस स्प्लिट के तहत कंपनी अपने शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटाकर 2 रुपये करने जा रही है। माना जा रहा है कि इससे शेयर की लिक्विडिटी बढ़ सकती है। अगले हफ्ते दो कंपनियां अपने शेयरधारकों को बोनस इश्यू देने जा रही हैं। पहली कंपनी एक्सिटा कॉटन लिमिटेड है, जिसने 1:10 के अनुपात में बोनस इश्यू घोषित किया है। इसका एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट दोनों 13 फरवरी 2026 तय किया गया है। वहीं दूसरी कंपनी डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड है, जो 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देगी। इसका एक्स-डेट 13 फरवरी और रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 है। इसके अलावा अगले हफ्ते 50 से अधिक कंपनियां अपने निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही हैं। इस लिस्ट में फार्मा, ऑटो, इंफ्रा, पीएसयू, एफएमसीजी, लॉजिस्टिक्स और टेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं। कुल मिलाकर, आने वाला हफ्ता शेयर बाजार में खबरों और निवेशकों की सक्रियता से भरा रहने वाला है।

शीर्ष आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.55 लाख करोड़ बढ़ा

- बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज नंबर वन रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी देखी गई जिससे निवेशकों के बीच उत्साह का माहौल बना। इस तेजी के पीछे बड़ी कंपनियों के मजबूत प्रदर्शन को मुख्य कारण माना जा रहा है। शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। लाभ में रहने वाली इन आठ कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 4,55,336.36 करोड़ रुपये बढ़ा।इस सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,41,887.97 करोड़ रुपये बढ़कर 19,63,358.79 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा एलआईसी का मूल्यांकन 64,926.1 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल 52,516.39 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक 52,476.97 करोड़ रुपये बढ़कर बंद हुआ। हालांकि, इस तेजी के बावजूद टीसीएस और इंफोसिस के शेयर पीछे रहे। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 88,172.8 करोड़ रुपये घटकर 10,64,242.35 करोड़ रुपये और इंफोसिस का 63,462.66 करोड़ रुपये घटकर 6,26,067.95 करोड़ रुपये रह गया। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का क्रम रहा।

हार्ले-डेविडसन समेत बड़ी बाइक्स होंगी सस्ती, इंपोर्ट ड्यूटी होगी जीरो

- भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत मार्च तक साइन होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारत सरकार अमेरिका से आने वाली प्रीमियम मोटरसाइकिलों को बड़ी राहत देने जा रही है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत 800 सीसी से 1,600 सीसी और उससे ज्यादा इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर इंपोर्ट ड्यूटी पूरी तरह खत्म की जाएगी। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत और अमेरिका ने इसी दिन एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें अंतरिम व्यापार समझौते का जिक्र किया गया है। उम्मीद है कि यह समझौता मार्च के मध्य तक आधिकारिक रूप से साइन हो जाएगा और इसके लागू होते ही नई ड्यूटी व्यवस्था प्रभाव में आ जाएगी। पिछले साल भारत सरकार ने बड़ी बाइक्स पर इंपोर्ट ड्यूटी कम की थी। 1,600 सीसी तक की पूरी तरह बनी मोटरसाइकिलों पर ड्यूटी 50 फीसदी से घटाकर 40 फीसदी और 1,600 सीसी से ऊपर की बाइक्स पर 30 फीसदी कर दी गई थी। अब नई डील में 800 सीसी से ऊपर की श्रेणी को पूरी तरह ड्यूटी फ्री किया जाएगा। समझौते में अमेरिकी डीजल और पेट्रोल कारों पर ड्यूटी में छूट शामिल है। वहीं अमेरिका भारत से आने वाले कुछ ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ हटाएगा, जबकि कुछ पर 18 फीसदी शुल्क बना रहेगा।

नए साल में भारतीय टू-व्हीलर बाजार में आया जोरदार उछाल

नईदिल्ली ।

नए साल में भारतीय टू व्हीलर बाजार में जबर्दस्त उछाल देखने को मिला। बीते महीने जनवरी 2026 में होंडा, हीरो, टीवीएस, बजाज, सुजुकी और रॉयल एनफील्ड जैसी प्रमुख कंपनियों ने मजबूत बिक्री दर्ज की है। जनवरी में टॉप-6 कंपनियों की घरेलू बिक्री 18,31,853 यूनिट्स तक पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 26.39 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर 2025 की तुलना में भी 25.03प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली। यह आंकड़ा बताता है कि नए साल में उपभोक्ताओं का भरोसा काफी मजबूत हुआ है और बाजार ने रफ्तार पकड़ ली है। हीरो मोटोकॉर्प ने 5,20,208 यूनिट्स की बिक्री के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी। कंपनी ने 26.15प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की और 28.40प्रतिशत मार्केट शेयर हासिल किया।

दूसरी ओर, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने 5,19,579 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो 28.94प्रतिशत की वायओवाय ग्रोथ है। मार्केट शेयर 28.36प्रतिशत रहा। बेहद मामूली अंतर से हीरो आगे रहा, लेकिन ग्रोथ रेट में होंडा ने बढ़त दिखाते हुए आने वाले महीनों में कड़ी प्रतिस्पर्धा के संकेत दिए। टीवीएस मोटर ने भी शानदार प्रदर्शन किया और 3,83,262 यूनिट्स की बिक्री के साथ 30.42प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की।

बजाज ऑटो की बिक्री 2,14,727 यूनिट्स रही, जिसमें 25.35प्रतिशत वृद्धि हुई। सुजुकी ने 1,00,296 यूनिट्स और रॉयल एनफील्ड ने 93,781 यूनिट्स बेचे। रॉयल एनफील्ड की बिक्री भले कम हो, लेकिन प्रीमियम सेगमेंट में इसकी पकड़ मजबूत बनी हुई है। कुल मिलाकर, जनवरी 2026 टू-व्हीलर इंडस्ट्री के लिए बेहद सकारात्मक रहा। हीरो और होंडा के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, टीवीएस की तेज ग्रोथ और बजाज की स्थिर परफॉर्मेंस यह संकेत देती है कि आने वाले महीने और भी रोमांचक होने वाले हैं। ग्रामीण बाजारों में बढ़ती मांग, शहरी क्षेत्रों में तेजी से रिकवरी और एक्सपोर्ट्स में सुधार ने मिलकर इस सेक्टर को बड़ी बढ़त दी है।

भारत-यूएस समझौते के बाद रूस से तेल आयात में कटौती की संभावना

- समझौते के तहत भारत धीरे-धीरे घटा सकता है रूस से कच्चे तेल की खरीद

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को भारत से सभी आयातों पर 25 प्रतिशत शुल्क हटाने का कार्यकारी आदेश जारी किया। इसके पीछे भारत की रूस से तेल आयात कम करने की प्रतिबद्धता मुख्य कारण मानी जा रही है। इस समझौते के तहत भारत धीरे-धीरे रूस से कच्चे तेल की खरीद घटाएगा, जिससे अमेरिकी प्रतिबंधों के साथ तालमेल बैठ सके। सूत्रों के अनुसार अधिकांश भारतीय तेल शोधनशालाएं जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स रूस से तेल की नई खरीद धीरे-धीरे रोकेंगी।` रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले कुछ हफ्तों में अपनी रूस से खरीदी गई खेप पूरी करने के बाद आयात बंद कर सकती है। नायरा एनर्जी की स्थिति अलग है। रोसनेफ्ट में उसकी 49.13 फीसदी हिस्सेदारी और यूरोपीय एवं ब्रिटिश प्रतिबंधों के कारण कंपनी के पास अन्य विकल्प सीमित हैं। इसलिए नायरा रूस से तेल की खरीद जारी रख सकती है और उसे संभावित छूट भी मिल सकती है। दिसंबर 2025 में भारत का रूस से आयात औसतन 12 लाख बैरल प्रतिदिन था, जो जनवरी 2026 में घटकर 11 लाख बैरल हो गया। आने वाले महीनों में यह 10 लाख बैरल से नीचे जाने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के साथ समझौते के बाद यह आयात और घटकर लगभग आधा हो सकता है। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 90 फीसदी आयात के जरिए पूरा करता है। रूस के अलावा अमेरिका और वेनेजुएला जैसे देश विकल्प के रूप में मौजूद हैं, जिससे भविष्य में तेल आपूर्ति स्थिर बनाए रखना संभव होगा।

सन फार्मा ऑर्गेनिक ग्रोथ पर कायम, अधिग्रहण में रखेगा अनुशासित रुख

कंपनी का कहना है कि वह बड़े अधिग्रहणों में जल्दबाजी नहीं करेगी

नई दिल्ली ।

दवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सन फार्मा ने स्पष्ट किया है कि उसका मुख्य ध्यान खुद की मेहनत और संसाधनों से विकास (ऑर्गेनिक ग्रोथ) पर रहेगा। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह रणनीति शेयरधारकों के लिए निवेश को आकर्षक बनाए रखने के उद्देश्य से अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी बड़े अधिग्रहणों में जल्दबाजी नहीं करेगी। अधिग्रहण पर विचार केवल तब किया जाएगा जब इससे कंपनी की दीर्घकालिक रणनीतिक क्षमता मजबूत हो। अे धिकारी ने अमेरिका को कंपनी की रणनीति का प्रमुख केंद्र बताया, खासकर नई और आधुनिक दवाओं के क्षेत्र में। इसके साथ ही कंपनी वैश्विक स्तर पर इन दवाओं की पहुँच बढ़ाने पर जोर दे रही है। भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए कंपनी छोटे और रणनीतिक अधिग्रहण (टेक-इन्स) पर ध्यान दे रही है। यह रणनीति मौजूदा कारोबार के साथ एकीकृत करके बाजार में विस्तार करने में मदद करेगी।

अमेरिका ने भारत को 'पैक्स सिलिका' पहल में शामिल होने का निमंत्रण दिया

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने भारत को 'पैक्स सिलिका' नामक आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा और नवाचार पहल में शामिल होने का निमंत्रण देकर उत्साह जताया है। अमेरिका ने कहा है कि जल्द ही भारत सरकार के साथ इस पहल पर आधिकारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। पैक्स सिलिका दिसंबर 2025 में शुरू की गई एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य सुरक्षित और नवाचार आधारित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला तैयार करना है। यह पहल महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा इनपुट, उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, एआई बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक सहित कई क्षेत्रों को कवर करती है। शुरुआत में इसके सदस्य देश ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इज़राइल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, यूएई और ब्रिटेन थे। अमेरिकी आर्थिक मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने कहा कि जनवरी 2026 तक भारत की वैचारिक सहमति बन चुकी थी और अब दोनों देशों के बीच जल्द ही बड़े समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। उन्होंने भारत की युवा और तकनीकी प्रतिभा को चीन के मुकाबले महत्वपूर्ण बताया। अमेरिका के लिए भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक मजबूत और भरोसेमंद भागीदार है। हेलबर्ग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच शानदार संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की इस पहल में शामिल होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

अदाणी मुंद्रा पोर्ट ने जनवरी 2026 में वाहनों और तरल माल में तोड़ा रिकॉर्ड

- रो-रो टर्मिनल के माध्यम से इस महीने 25,762 वाहन विदेशों में भेजे गए

नई दिल्ली ।

गुजरात स्थित अदाणी मुंद्रा पोर्ट ने जनवरी 2026 में वाहनों के निर्यात में अब तक का सर्वोच्च मासिक रिकॉर्ड दर्ज किया है। बंदरगाह के अदाणी मुंद्रा कंटेनर टर्मिनल (सीटी2) के समर्पित रोल-ऑन/रोल-ऑफ (रो-रो) टर्मिनल के माध्यम से इस महीने 25,762 वाहन विदेशों में भेजे गए। यह आंकड़ा मई 2024 में स्थापित पिछले रिकॉर्ड को पार करता है। पोर्ट अधिकारियों के अनुसार, मारुति सुजुकी और टोयोटा जैसे वाहन निर्माताओं ने अफ्रीका, यूरोप, पूर्वी एशिया, ऑस्ट्रेलिया और पश्चिमी देशों के लिए निर्यात में वृद्धि की। इस दौरान एक ही जहाज पर 5,701 वाहनों को लोड किया गया, जो किसी भी पोत पर अब तक की सबसे बड़ी लोडिंग है। अदाणी मुंद्रा का लिक्विड टर्मिनल जनवरी में 11.20 लाख टन तरल माल संभालने में सफल रहा, जो इसका अब तक का सबसे अधिक मासिक रिकॉर्ड है। यह पिछले उच्च स्तर (दिसंबर 2025) से भी अधिक है। इस तरल माल में ऊर्जा उत्पाद, रसायन और औद्योगिक तरल पदार्थ शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह आंकड़ा मुंद्रा की बहु-श्रेणी कार्गो प्रबंधन क्षमता को स्पष्ट करता है। ये उपलब्धियाँ भारत में बड़े, एकीकृत बंदरगाहों की वैश्विक व्यापार और निर्यात प्रवाह में बढ़ती भूमिका को दर्शाती हैं। वाहनों और तरल माल दोनों क्षेत्रों में उच्च प्रदर्शन न केवल निर्यातकों के लिए अवसर बढ़ाता है, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को भी मजबूत करता है। अदाणी मुंद्रा पोर्ट के ये रिकॉर्ड यह दिखाते हैं कि देश के बंदरगाह अब उच्च मात्रा में माल को तेज़ी से संभालने और वैश्विक मांग को पूरा करने में सक्षम हैं।

इस सप्ताह शेयर बाजार की निगाहें मुद्रास्फीति और तिमाही नतीजों पर रहेगी

- भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा

नई दिल्ली ।

विश्लेषकों का मानना है कि इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी। 12 फरवरी को खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े आने वाले हैं, जो बाजार को महंगाई और आरबीआई की मौद्रिक नीतियों के बारे में संकेत देंगे। इसके एक दिन बाद 13 फरवरी को विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े जारी होंगे, जो विदेशी निवेशकों के रुझान और रुपये की स्थिति पर असर डाल सकते हैं। इस सप्ताह कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अशोक लेलैंड, ओएनजीसी, बजाज इलेक्ट्रिकल्स और आयशर मोटर्स के परिणाम निवेशकों की रुचि का केंद्र होंगे। बाजार के जानकारों के अनुसार, इन नतीजों से न केवल इन कंपनियों के शेयर बल्कि व्यापक बाजार पर भी असर दिखाई देगा। वैश्विक स्तर पर निवेशक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और नैस्डैक कंपोजिट के हालिया प्रदर्शन पर नजर रखेंगे। इसके साथ ही, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस (कमोडिटी) बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा। भारत और अमेरिका ने हाल ही में एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क में कमी होगी। यह कदम द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के साथ ही बाजार में सकारात्मक संकेत दे सकता है। अमेरिका और भारत के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर दोनों देशों ने शनिवार को एक साझा बयान जारी किया जिसमें बताया गया है कि किन-किन वस्तुओं पर दोनों देशों में कितना-कितना आयात शुल्क और सीमा शुल्क घटाया जायेगा। इस समझौते से सेक्टर विशेष को लेकर निवेशकों की धारणा प्रभावित होगी। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि भारतीय इक्विटी बाजार सुदृढ़ीकरण चरण में प्रवेश कर चुका है। अब निवेशकों का ध्यान पूंजीगत व्यय और वास्तविक खर्च पर केंद्रित है।

एएआई ने सरकारी कैब सर्विस भारत टैक्सी के साथ किया समझौता

नई दिल्ली । एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने हाल ही में लांच हुई देश की पहली सरकारी कैब सर्विस भारत टैक्सी के साथ एग्रीमेंट (एमओयू) साइन किया है। इसके तहत भारत टैक्सी देश के कई एयरपोर्ट्स पर कैब सेवाएं देगी। एएआई के चेयरमैन विपिन कुमार ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। इस समझौते का मकसद एयरपोर्ट्स पर यात्रियों को सही किराया, तय दरों और सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराना है। भारत टैक्सी, सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित एक ड्राइवर-ओनर्ड सेवा है, जिसमें टैक्सी चालक स्वयं कोऑपरेटिव के सदस्य होते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इस पहल से एयरपोर्ट पर कैब सेवाओं में पारदर्शिता, किराए की स्पष्टता और यात्री-अनुकूल अनुभव सुनिश्चित होगा। साथ ही, ड्राइवरों को भी संगठित प्लेटफॉर्म के जरिए स्थिर और सम्मानजनक रोजगार मिलेगा। एएआई का कहना है कि यह साझेदारी यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ समावेशी परिवहन मॉडल को बढ़ावा देगी। आने वाले समय में इस व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से विभिन्न एयरपोर्ट्स पर लागू किया जाएगा।

तेल-तिलहन बाजार में कारोबारियों की धारणा बिगड़ी, दाम में गिरावट

बढ़ती मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूत बने रहे

नई दिल्ली । बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार में सामान्य उतार-चढ़ाव देखा गया, लेकिन सप्ताहांत में अमेरिका-भारत अंतरिम व्यापार समझौते की खबर और सोयाबीन तेल के शुल्क मुक्त आयात की अफवाह फैलने से कारोबारी धारणा कमजोर हुई। इस वजह से अधिकांश तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। अच्छी गुणवत्ता वाले मूंगफली तेल और साबुत मूंगफली की बढ़ती मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूत बने रहे। सरसों तेल का कारोबार पहले से कमजोर था, नई फसल आने और अफवाहों के चलते दामों पर दबाव बढ़ा। महाराष्ट्र में सोयाबीन का दाम 6,200 रुपये प्रे ति क्विंटल से घटकर 5,850 रुपये प्रे ति क्विंटल और मंडियों में हाजिर भाव 5,750-5,800 रुपये प्रे ति क्विंटल से गिरकर 5,300-5,400 रुपये प्रे ति क्विंटल हो गया। मध्य प्रदेश में दाम एमएसपी से नीचे चले गए। जाड़े की कमजोर मांग और धारणा प्रभावित होने से पाम-पामोलीन तेल के दाम भी नीचे आए। आगे का रुख मलेशिया एक्सचेंज के खुलने के बाद स्पष्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये की गिरावट के साथ 6,950-6,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 550 रुपये की गिरावट के साथ 14,250 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 125-125 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,600-5,650 रुपये और 5,200-5,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये की गिरावट के साथ 11,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन 50 रुपये सुधरकर 7,000-7,375 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये के सुधार के साथ 17,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 40 रुपये के सुधार के साथ 2,725-3,025 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

फार्मा से ऑटो तक, अमेरिका में इन सेक्टरों की चमक बढ़ेगी कई गुना

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका ने एक अंतरिम व्यापार ढांचे पर सहमति जताई है। इसका उद्देश्य आने वाले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाना है। समझौते के तहत दोनों देशों के उत्पादों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाई जाएगी। कुछ प्रमुख वस्तुओं पर शुल्क में कटौती होगी और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। प्रारंभ में भारतीय निर्यात पर लगभग 18 फीसदी शुल्क लागू रहेगा, लेकिन बाद में महत्वपूर्ण सेक्टरों में और रियायत संभव है। भारतीय जेनरिक दवाओं और फार्मा सामग्री को अमेरिकी बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। अमेरिकी समीक्षा के बाद शुल्क में रियायत दी जाएगी। भारत से अमेरिका का फार्मा निर्यात सालाना लगभग 9.78 अरब डॉलर का है। शुल्क कटौती से भारतीय दवाओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और बाजार हिस्सेदारी में सुधार होगा। अमेरिका भारत से आयातित रत्न और गहनों पर शुल्क घटा रहा है। इससे भारतीय निर्यातकों को लाभ मिलेगा, जबकि विमान और विमान पार्ट्स पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कुछ शुल्क हटाए जा रहे हैं। इसके चलते एल्यूमिनियम, स्टील और तांबे के घटकों सहित विमान उद्योग के उत्पादकों को अमेरिकी बाजार में आसान प्रवेश मिलेगा।

टाटा मोटर्स अगले हफ्तों में बढ़ा सकती है वाहनों की कीमतें

- जिंसों और अन्य कीमती धातुओं की बढ़ती लागत कंपनी पर बना रही है दबाव

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवीएल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि कंपनी अपने वाहनों की कीमतें आने वाले हफ्तों में बढ़ा सकती है। उन्होंने बताया कि पिछले लगभग एक साल से जिंसों और अन्य कीमती धातुओं की बढ़ती लागत कंपनी पर दबाव बना रही है। अे धिकारी के अनुसार इस लागत वृद्धि का असर टीएमपीवीएल के राजस्व में लगभग दो प्रतिशत से अधिक देखने को मिला है। इस बीच मारुति सुजुकी इंडिया मूल्य वृद्धि के लिए स्थिति की समीक्षा कर रही है, जबकि हुंडई मोटर इंडिया ने जनवरी में अपने वेंयू मॉडल की कीमतें पहले ही बढ़ा दी हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी आने वाले हफ्तों में संभावित मूल्य वृद्धि की घोषणा कर सकती है लेकिन उन्होंने अभी विस्तृत संख्या या प्रतिशत साझा नहीं किया है। विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ती कच्चे माल की कीमतों के कारण ऑटोमोबाइल क्षेत्र में मूल्य समायोजन की संभावना बढ़ रही है और टाटा मोटर्स इसका पालन करने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक है।

टी20 विश्व कप : उलटफेर से बाल बाल-बचा इंग्लैंड, नेपाल के खिलाफ करीबी मुकाबले में दर्ज की जीत

मुंबई (एजेंसी)। दो बार की विश्व चैंपियन इंग्लैंड ने रविवार को यहां टी20 विश्व कप ग्रुप सी के बेहद रोमांचक मुकाबले में नेपाल की चुनौती से निपटते हुए अंत में चार रन की करीबी जीत दर्ज की। नेपाल इस मुकाबले में उलटफेर कर इतिहास रचने के बहुत करीब पहुंच गया था। उसने इंग्लैंड के सात विकेट पर 184 रन के जवाब में छह विकेट पर 180 रन बनाए। लोकेश बाम (20 गेंद में नाबाद 39 रन) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेपाल की उलटफेर भरी जीत की उम्मीद बनाए रखी, लेकिन आखिरी ओवर में जीत नहीं दिला सके।

आखिरी ओवर में नेपाल को जीत के लिए 10 रन की दरकार थी, लेकिन नेपाल के लिए बाउंड्री नहीं लग सकी। इस तरह बल्ले से उनका शानदार प्रदर्शन करीबी हार से खत्म हो गया। सैम करन ने अंतिम ओवर में लगातार यॉर्कर फेंकीं और नेपाल की टीम सिर्फ पांच रन ही बना पाई। लेकिन फिर भी 17,000 से ज्यादा प्रशंसक वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद थे और उन्होंने नेपाल को अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते देखा। कप्तान रोहित पौडेल (39), दीपेंद्र सिंह ऐरी (39), कुशाल भुर्तेल (29) और लोकेश बसम (चार चौके, दो छक्के) ने शानदार जज्बा दिखाया लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए।

नेपाल को आखिरी तीन ओवर में 46 रन चाहिए थे तब बाम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने जोफ्रा आर्चर के 18वें ओवर में दो छक्के और 19वें ओवर में ल्यूक वुड पर लगातार दो चौके लगाए। भुर्तेल ने शुरुआत में तेजी से रन जुटाए जबकि पौडेल और ऐरी के बीच तीसरे विकेट के लिए 82 रन की मजबूत साझेदारी ने नेपाल को मजबूती दी। नेपाल ने आसिफ शेख (07) के रूप में शुरुआती विकेट गंवा दिया था लेकिन भुर्तेल ने 17 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाकर लय बनाई। लेकिन छठे ओवर में आउट हो गए।

14वें ओवर में पौडेल ने रन गति बढ़ाकर नेपाल को लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। उन्होंने इंग्लैंड के सबसे सीनियर गेंदबाज राशिद खान के ओवर में छक्का और चौका लगाया। हालांकि ड्रिंक्स ब्रेक के बाद ऐरी और पौडेल की लय टूट गई। ऐरी ने 15वें ओवर में सैम करन की गेंद पर आउट हो गए। इसके तुरंत बाद पौडेल भी लियाम डॉसन की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में डीप मिडविकेट पर फिल साल्ट के हाथों कैच आउट हुए।

इससे पहले इंग्लैंड ने कप्तान हैरी ब्रूक (53 रन) और जैकब बेथेल (55 रन) के अर्धशतकों से सात विकेट पर 184 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज बेथेल ने टी20 विश्व कप पर्दापण में तेज अर्धशतक से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 35 गेंद में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। कप्तान ब्रूक 32 गेंद में चार चौके और तीन छक्के की मदद से एक महत्वपूर्ण पारी खेलने के बाद आउट हो गए। उन्होंने बेथेल के साथ चौथे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की। नेपाल के गेंदबाजों ने अपनी तरफ से कड़ी चुनौती पेश की।

शेर मल्ला ने अपने दूसरे ओवर की पहली गेंद पर फिल साल्ट (01) को कैच आउट करवाया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। नंदन यादव ने पांचवें ओवर में जोस बटलर (26) का अहम विकेट लिया जो बेथेल के साथ मिलकर पारी को संभालने की कोशिश कर रहे थे। सातवें ओवर में इंग्लैंड ने तीसरा विकेट टॉम बैंटन के रूप में लिया जो स्पिनर संदीप लामिचाने को रिवर्स स्वीप करने की कोशिश में पगबाधा आउट हुए। इससे पहले बेथेल ने उनकी पहली चार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाया था। फिर बेथेल का साथ निभाने ब्रूक उतरे।

यह वही पिच है जिस पर शनिवार रात को

भारत ने 77 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। हालांकि इंग्लैंड को निश्चित रूप से उस पिच पर बल्लेबाजी करने में कोई परेशानी नहीं हुई जिस पर कुछ गेंद रूककर आ रही थी। इंग्लैंड के बल्लेबाज काफी हद तक अपने शॉट खेलने में सफल रहे। हालांकि कोई भी भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की तरह पारी नहीं खेल सका।

इंग्लैंड ने आखिरी तीन ओवरों में 45 रन बनाए जिसमें विल जैक्स चार छक्के और एक चौका लगाकर 18 गेंद में 39 रन बनाकर नाबाद रहे। मैदान में नेपाल के प्रशंसक भारी संख्या में मौजूद थे जो इंग्लैंड के प्रशंसकों की तुलना में कहीं ज्यादा थे। नेपाल के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी और नंदन यादव ने दो दो विकेट झटके। शेर मल्ला और संदीप लामिचाने ने एक एक विकेट प्राप्त किया।

ऑगर-अलियासिमे ने फ्रेंच क्वालिफायर ड्रोगेट को हराकर फाइनल में वापसी की

मोंटपेलियर (एजेंसी)। फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ने शनिवार को मोंटपेलियर में ओपन ऑक्सिटानी में शानदार फिनिशिंग के साथ फ्रेंच क्वालिफायर टिटुआन ड्रोगेट का शानदार प्रदर्शन खत्म किया। टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन ने डिसाइडिंग सेट में अपना लेवल बढ़ाया और एटीपी 250 सेमीफाइनल में 6-4, 6-7(5), 6-1 से जीत हासिल की। ऑगर-अलियासिमे अपने 21वें टूर-लेवल फ़ाइनल और 13वें इनडोर फ़ाइनल में पहुँच गए हैं। कनाडाई खिलाड़ी के आठ करियर टाइटल में से सात इनडोर रहे हैं, और एटीपी टूर पर इस दशक में इन कंडीशन में उनकी 87 मैच जीत सबसे ज़्यादा हैं। 25 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगा कि दूसरे सेट में भी मेरा मौका आएगा, जो बड़ी सर्विस देने वाले ड्रोगेट के सामने मज़बूती से डटे रहे। यह अच्छा था कि मैंने पहला सेट जीता। इससे मुझे यह समझने का समय मिल रहा था कि उसे कैसे ब्रेक करना है। मुझे लगता है कि मैंने तीसरे सेट में बहुत बेहतर सर्व किया। मुझे लगता है कि मैंने दूसरे सर्व रिटर्न पर भी बेहतर रिटर्न किया। मैं बॉल को ज़्यादा सफाई से मार रहा था और सच में इसे अलग-अलग टारगेट पर अच्छी तरह से मार रहा था।' फ्रेंचमैन आर्थर फिल्स और ड्रोगेट को लगातार हराने के बाद, ऑगर-अलियासिमे का सामना फाइनल में एक और घरेलू उम्मीद एड्रियन मैनारिनो से होगा। मैनारिनो ने 1-6, 6-3, 6-4 से जीत के साथ अमेरिकी क्वालीफायर मार्टिन डैम का सिलसिला खत्म किया। 37 साल के फ्रेंचमैन ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने 16वें टूर-लेवल फाइनल और फ्रांस में पहले फाइनल में जगह बनाई। टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे उम्रदराज फाइनलिस्ट, मैनारिनो एटीपी लाइव रैंकिंग में 51वें नंबर पर हैं।

सूर्यकुमार विश्वकप में तेजी से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हुए

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टी20 विश्वकप के अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ खेली अपनी 84 रनों की नाबाद पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। सूर्यकुमार ने 84 रनों की अपनी इस पारी के साथ टी20 विश्वकप कप में अपने 500 रन पूरे किये हैं। अब उनके नाम इस आईसीसी टूर्नामेंट में 18 पारियों में 564 रन हो गए हैं। इसके साथ ही सूर्यकुमार तेजी से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं। सूर्या विश्व कप में 500 रन बनाने वाले छठे और सबसे कम पारियों में ये आंकड़ा हासिल करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं। इससे पहले ये आंकड़ा महेन्द्र सिंह धोनी और युवराज सिंह के अलावा विराट कोहली , रोहित शर्मा, गौतम गंभीर के नाम है।

वहीं सबसे तेजी से 500 रन का आंकड़ा विराट के नाम है। कोहली ने केवल 11 टी20 विश्व कप पारियों में 500 रन बनाये हैं। सूर्या इस सूची में रोहित शर्मा और गौतम गंभीर के बाद तीसरे स्थान पर है। गंभीर और रोहित संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। सूर्यकुमार ने टी20 विश्व कप की 18 पारियों में 500 टी20 रन पूरे किए, वहीं युवराज ने 22 जबकि धोनी ने 28 पारियों में किया था।

सबसे कम पारियों में 500 रन बनाने वाले भारतीय

11-विराट कोहली
17- गौतम गंभीर
17 - रोहित शर्मा
18 - सूर्यकुमार यादव
22 - युवराज सिंह
28 - महेन्द्र सिंह धोनी

विराट, रोहित पर कोच गंभीर के दबाव बनानें की बातें गलत: सैकिया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के मुख्य कोच गौतम गंभीर से कोई मतभेद नहीं हैं। साथ ही कहा कि ये दोनो ही उस स्तर के खिलाड़ी हैं जिन्हें कोई भी दबाव बनाकर बाहर नहीं कर सकता है। इस प्रकार बोर्ड ने एक प्रकार से कोच गौतम गंभीर के रोहित शर्मा और विराट कोहली से मतभेदों की खबरों को खारिज कर दिया है। सैकिया ने कहा कि पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें आ रही है कि गंभीर इन दोनो को बाहर होने के लिए मजबूर कर रहे हैं जो सही नहीं है। इससे पहले कई लोगों का आरोप था कि टी20 विश्वकप 2024 जीतने के बाद रोहित और विराट ने इस प्रारुप से संन्यास ले लिया था। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट को भी छोड़ दिया। अब दोनों केवल एकदिवसीय ही खेलते हैं और इसमें भी उनपर दबाव बनाया जा रहा है।

सैकिया ने कहा कि लोगों की अपनी धारणा हो सकती है पर गंभीर क्या कोई भी विराट और रोहित जैसे खिलाड़ियों पर दबाव नहीं बना सकता है। उन्होंने कहा, 'ऐसी धारणा हो सकती है पर विराट हमेशा टीम में हैं। गंभीर भी टीम में हैं। हम परिणाम देखते हैं और कुछ नहीं।'

साथ ही कहा कि विराट पर टेस्ट से संन्यास लेने के लिए दबाव नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि कोहली जैसे बड़े खिलाड़ी को कोई भी किसी फैसले के लिए मजबूर नहीं कर सकता। उनके जैसे खिलाड़ी को कोई भी बदलने या कोई फैसला लेने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। वह भारतीय क्रिकेट के सितारे हैं। जब तक वह स्वयं चाहें, कोई भी उन्हें किसी फैसले के लिए मजबूर नहीं कर सकता। बोर्ड किसी भी खिलाड़ी के करियर में हस्तपेक्ष नहीं करता है।

विराट और रोहित के टेस्ट से संन्यास के बाद उनके एकदिवसीय करियर को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही थीं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई सीरीज के बाद दोनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास से लेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। दोनो ने ही काफी अच्छा खेल दिखाकर अपने आलोचकों को शांत करा दिया. साथ ही कहा कि लोग क्या कहते हैं उसपर हम न तो जवाब दे सकते हैं न ही कुछ कर सकते हैं। सैकिया ने कहा कि दोनों के बीच सब कुछ सामान्य है और कोई लड़ाई नहीं हो रही है। सैकिया ने कहा.'मैंने कभी उन्हें लड़ते हुए नहीं देखा। दोनों के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है।'

भारतीय टीम ग्रुप ए में पहले, वहीं पाक दूसरे नंबर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ 29 रनों से मिली जीत के साथ ही अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंच गयी हैं। वहीं पाकिस्तान टीम को अपने पहले ही मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ मुश्किल से जीत मिली। फहीम अशरफ की पारी से टीम हालांकि अंतिम ओवर में तीन विकेट से जीती। इस जीत के साथ पाकिस्तान के ग्रुप ए में दो अंक हो गए हैं। टीम का नेट रन रेट प्लस 0.240 है। वहीं भारतीय टीम ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की 84 रनों की शानदार पारी के बाद कसी हुई गेंदबाजों की सहायता से विश्वप के अपने पहले ही मैच में अमेरिका को 29 रन से हराया। इस जीत के साथ भारत ने पाकिस्तान को ग्रुप ए की अंक तालिका में पीछे छोड़ दिया है। अब दोनो ही टीमों के दो-दो अंक हैं पर बेहतर रन औसत प्लस 1.450 के साथ ही भारतीय टीम पहले नंबर पर है। भारतीय टीम अब ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में 12 फरवरी को नामीबिया से भिड़ेगी।

अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना विश्व कप जीतने से भी बड़ा सपना : राशिद खान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान भले ही दुनिया भर में क्रिकेट खेलकर कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हों, लेकिन अपने देश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का उनका सपना आज भी अधूरा है। युद्ध और अस्थिरता से प्रभावित अफगानिस्तान में अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला आयोजित नहीं हो सका है। हालात इतने चुनौतीपूर्ण रहे कि टीम को अपने घरेलू मैच विदेशों में खेलने पड़ते हैं। भारत के ग्रेटर नोएडा, देहरादून और लखनऊ से लेकर यूएई के शारजाह और अबूधाबी तक, कई शहर लंबे समय तक अफगानिस्तान टीम के 'घरेलू मैदान' बने रहे। इसके बावजूद राशिद अपने इस सपने को छोड़ने को तैयार नहीं हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 मैच से पहले राशिद भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह हमारे लिए विश्व कप से भी बड़ा सपना है। अगर हम अफगानिस्तान में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेल पाते हैं, तो दुनिया देखेगी कि वहां लोग खिलाड़ियों का कितना सम्मान करते हैं और क्रिकेट का कितना आनंद लेते हैं। अपने देश में खेलना किसी सपने से बढ़कर है।' राशिद ने बताया कि दुनिया के हर कोने में, खासकर आईपीएल के दौरान, उन्हें अपार प्यार मिलता है, लेकिन घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का अनुभव अद्वितीय होगा। उन्होंने कहा, 'भारत में आईपीएल या अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए हमें हमेशा लगा कि लोग अपने सितारों को कितना प्यार देते हैं। हमें भी ढेर सारा स्नेह मिला है, खासकर 2023 विश्व कप में। लेकिन अफगानिस्तान में खेलना एक अलग एहसास देगा। तब दुनिया हमारे देश की खूबसूरती भी देखेगी।' राशिद को उम्मीद है कि एक दिन ऐसा माहौल जरूर बनेगा, जब कोई अंतरराष्ट्रीय टीम अफगानिस्तान में सीरीज खेलने पहुंचेगी।

टी20 विश्वकप : सिफर्ट के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया

ला नुसिया (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। टिम सिफर्ट के शानदार अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट ग्रुप-डी पहले ही मैच में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 6 विकेट पर 182 रन बनाये थे। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को कीवी टीम ने 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस मैच में कीवी टीम को जीत के लिए खास संघर्ष करना पड़ा। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ही ओवर में मुजीब उर रहमान ने फिन ऐलन को 1 और रचिन रविंद्र को खाता खोले बिन ही लगातार गेंदों पर आउट कर टीम को दबाव में ल दिया। इसके सिफर्ट और फिलिप्स के बीच तीसर विकेट के लिए 74 रन की अहम साझेदारी से टीम संभली। इन दोनों ने दबाव में भी आक्रामक रुख अपनाया। फिलिप्स ने 25 गेंदों में 42 रन बनाए, जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं सिफर्ट ने 39 गेंदों

में अर्धशतक लगाया। उन्होंने 42 गेंदों में 65 रन की पारी खेली, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल थे। वह मोहम्मद नबी का शिकार बने। अंत में डैरिल मिचेल ने 14 गेंदों में 25 रन और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 8 गेंद में 17 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगान टीम की ओर से बल्लेबाज़ गुलबदिन नायब ने अर्धशतक लगाया। जिससे अफगानिस्तान की टीम एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। इस मेच में कीवी बल्लेबाजों को अपने अनुसार खेलने का अवसर नहीं मिला। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम ने शुरुआत में ही दो विके खो दिये। सलामी बल्लेबाज़ रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने 27 रन बनाये पर वह इसके बाद लॉकी फर्ग्युसन की धीमी गेंद पर पेवेलियन लौट गये। इसी ओवर में फर्ग्युसन ने इब्राहिम जादरान को अंतिम गेंद पर आउट कर दिया। जादरान ने 10 रन बनाये थे। इसके बाद गुलबदिन नायब ने 63 रन और सेदिकुल्लाह अटल ने 29 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। गुलबदिन ने 29 गेंदों में ही 50 रन बना दिये। अंतिम ओवरों में गुलबदिन ने 17 गेंदों में 33 रन बनाकर स्कोर को 150 के ऊपर पहुंचाया। बाद अजमतुल्लाह उमरजई ने 14 रन बनाकर फगानिस्तान को 180 रनों के उपर पहुंचाया।न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने 40 रन देकर 2 विकेट लिए। न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फर्ग्युसन ने दो विकेट जबकि मैट हेनरी, जेकब डफी और रचिन रविंद्र को एक-एक विकेट मिला।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली हैट्रिक रोमारियो शेपर्ड के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेपर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक अपने नाम कर ली। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में शेपर्ड ने 17वें ओवर में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की। उनके इस शानदार स्पेल ने स्कॉटलैंड की

बल्लेबाजी पूरी तरह बिखेर दी और वेस्टइंडीज को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। रोमारियो शेपर्ड ने बतौर ऑलराउंडर मैच में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए न सिर्फ हैट्रिक ली, बल्कि कुल 5 विकेट झटके। 17वें ओवर में उन्होंने तीन लगातार गेंदों पर मैथ्यू क्रॉस, माइकल लीस्क और ओलिवर डेविडसन को पवेलियन भेजकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। खास बात यह रही कि इसी ओवर की आखिरी गेंद पर भी उन्होंने एक और विकेट लेकर स्कॉटलैंड पर दबाव को कई गुना बढ़ा दिया। उनके इस स्पेल ने मुकाबले का रुख वेस्टइंडीज की ओर मोड़ दिया, क्योंकि स्कॉटलैंड की टीम लगातार विकेट गंवाकर बड़े स्कोर की ओर बढ़ ही नहीं पाई। शेपर्ड की गेंदबाजी की लाइन और लेंथ इतनी सटीक रही कि स्कॉटलैंड के बल्लेबाज संभलने का कोई मौका ही नहीं पा सके। उनकी हैट्रिक ओवर न केवल तकनीकी रूप से बेहतरीन रहा, बल्कि मानसिक रूप से भी स्कॉटिश खिलाड़ियों पर भारी पड़ा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में यह पहली हैट्रिक है और इस उपलब्धि के साथ शेपर्ड टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी इस शानदार परफॉर्मेंस ने वेस्टइंडीज की गेंदबाजी इकाई का आत्मविश्वास भी बढ़ा दिया है। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों ने भी शेपर्ड की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी गेंदबाजी ने वेस्टइंडीज को जीत की सबसे मजबूत राह पर ला खड़ा किया है।

सूर्यकुमार ने अमेरिक के खिलाफ मैच में सफलता का श्रेय गंभीर को दिया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम को अंडर-19 विश्वकप के पहले ही मुकाबले में कप्तानी पारी खेलकर जीत दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव ने इसका श्रेय कोच गौतम गंभीर की एक सलाह को दिया है। सूर्या ने कहा कि एक समय जब आधी टीम 77 रनों पर पेवेलियन लौट गयी थी तब उनपर काफी अधिक दबाव था पर बेक्र के दौरान कोच कोच

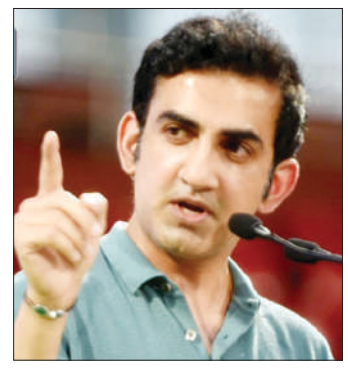

ने उनसे अंत तक टिके रहने को कहा था। कोच का मानना था कि अगर वह अंत तक खेलेंगे तो रन बन जाएंगे। सूर्यकुमार ने इस मैच में 49 गेंदों में 10 चौके और 4 छक्के लगाकर नाबाद 84 रन बनाए। इससे भारतीय टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन बनाकर 29 रन से जीत हासिल की। सूर्यकुमार ने बताया कि गंभीर ने उनसे कहा था कि वह अंत तक तक बल्लेबाजी करें क्योंकि वह जमने के बाद बड़े शॉट लगा सकते हैं। सूर्यकुमार ने कहा, मुझे बल्लेबाज के समय अंदाजा हो गय था कि इस विकेट पर 140 रन ही काफी हैं। मुझे इस प्रकार के विकेटों पर खेलने आ अनुभव है। इसलिए मेरा मानना था कि मैं यहां बड़ी पारी खेल सकता हूं। सूर्यकुमार छठे ओवर में बल्लेबाजी करने आए थे और शुरुआत में उन्होंने धीमी बल्लेबाजी करते हुए केवल 7 रन बनाये। बाद में उन्होंने तेजी से खेलते हुए कमी पूरी कर दी। सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। अंतिम ओवर में उन्हों चौके, छक्के लगाकर टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचा दिया।

लवलीना और अरुंधति की अगुवाई में भारत ने 9 गोल्ड जीते

ला नुसिया (एजेंसी)। भारत ने आखिरी दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 को बहुत सफल तरीके से खत्म किया, जिसमें ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन और पूर्व यूथ वर्ल्ड चैंपियन अरुंधति चौधरी ने ला नुसिया, एलिकांटे में शानदार फिनिश करते हुए नौ गोल्ड मेडल जीते। एक खास उपलब्धि यह रही कि शनिवार को भारत ने सात एलीट विमेंस फाइनल में हिस्सा लिया - जिसमें 54किग्रा डिवीजन में एक ऑल-इंडियन टाइटल क्लैश भी शामिल था - और हर एक में गोल्ड मेडल जीता।

ला नुसिया, एलिकांटे में हुए बॉक्सम एलीट 2026 में 20 देशों के 200 से ज़्यादा बॉक्सर्स ने हिस्सा लिया, जिससे सीजन की शुरुआत में ही एक हाई-क्वालिटी इंटरनेशनल टेस्ट मिला। भारत नौ गोल्ड, तीन सिल्वर और सात ब्रॉन्ज मेडल के साथ कॉम्पिटिशन का सबसे सफल देश रहा। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'बॉक्सम एलीट ने ठीक वैसा ही मौका दिया जैसा हम सीजन के इस स्टेज पर ढूंढ रहे थे, जिसमें मजबूत इंटरनेशनल मुकाबले, अलग-अलग वेट कैटेगरी में गहराई और हाई-प्रेशर वाले मुकाबले शामिल थे। स्पेन में परफॉर्मेंस, खासकर फाइनल में कन्वर्ज़न रेट, हमारे प्रोग्राम की प्रोग्रेस को दिखाता है। आने वाला साल मुश्किल होने के साथ, यह टूर्नामेंट हमारे बॉक्सर्स को आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करने में एक अहम कदम रहा है। पूरे दल को शानदार कैपेन के लिए बधाई।'

भारत की महिलाओं ने आखिरी दिन बेंचमार्क सेट किया। मंजू रानी (48किग्रा) और नीतू (51) ने स्पेन की माटर लोपेज़ और नोएलिया गुटिरेज़ पर एकमत से ज़बरदस्त जीत के साथ शुरुआत की, इससे पहले पूनम (54) ने कड़े मुकाबले वाले ऑल-इंडियन फाइनल में हमवतन प्रीति को हराया। प्रिया (60) और अरुंधति (70) ने यूक्रेनी विरोधियों पर 5-0 से शानदार जीत हासिल की, जबकि लवलीना (75) ने अपना खास कंट्रोल और संयम दिखाते हुए इंग्लैंड की मैरी-केट स्मिथ को 4:1 से हराया। नैना (80) ने यूक्रेन की रईसा पिस्कुन पर आसान जीत के साथ स्वीप पूरा किया।

महिलाओं के प्रदर्शन पर बात करते हुए, भारतीय महिला टीम के हेड कोच सैंटियागो नीवा ने कहा, 'यह महिलाओं का शानदार प्रदर्शन था, सिर्फ़ मेडल के मामले में ही नहीं, बल्कि जिस तरह से उन्होंने अनुशासन, स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ बॉक्सिंग की। सात फाइनल में पहुँचना और सभी सातों जीतना पूरे सिस्टम में किए जा रहे काम के बारे में बहुत कुछ बताता है। इसका क्रेडिट पूरी भारतीय टीम को भी जाता है, पुरुषों और महिलाओं ने पूरे टूर्नामेंट में एक-दूसरे को आगे बढ़ाया, और यह सामूहिक माहौल लगातार सफलता की कुंजी है।'

पुरुषों के फाइनल में सचिन (60) ने दिन के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक में कनाडा

के केओमा-अली अल अहमदीह को 3-2 से हराया, जबकि आकाश (75) ने कज़ाकिस्तान के अमन कोंसबेकोव पर 3-2 से रोमांचक जीत के बाद एक और गोल्ड मेडल जीता। दीपक (70) और अंकुश (80) को क्रमश- कज़ाकिस्तान और यूक्रेन से कड़ी टक्कर मिलने के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

यूरोप में जंगल की आग से निपटने के लिए नया एलान

ब्रसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ ने पूरे यूरोप में बढ़ती जंगल की आग की घटनाओं से निपटने के लिए 300 दमकलकर्मियों की एक संयुक्त त्वरित प्रतिक्रिया फोर्स बनाने का ऐलान किया है। ईयू के जलवायु आयुक्त ने बताया कि यह बल 27 सदस्य देशों से चुने गए प्रशिक्षित कर्मियों का होगा। जरूरत पड़ते ही इन्हें किसी भी प्रभावित देश में तुरंत भेजा जाएगा। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब वर्ष 2025 यूरोप में जंगल की आग के लिहाज से सबसे खराब साल दर्ज किया गया। एक हालिया अध्ययन में कहा गया कि जलवायु परिवर्तन ने आग की तीव्रता और फैलाव दोनों बढ़ाए हैं। अधिकारियों के मुताबिक भविष्य में इस बल में और संसाधन तथा उपकरण जोड़े जा सकते हैं। पिछले साल पूर्वी भूमध्यसागर क्षेत्र में भीषण आग लगी थी, जहां तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा, सूखा और तेज हवाएं चलीं। इन आग की घटनाओं में 20 लोगों की मौत हुई और करीब 80 हजार लोगों को घर छोड़ना पड़ा। दस लाख हेक्टेयर से ज्यादा जमीन जल गई। अध्ययन में पाया गया कि अब लंबे सूखे और गर्म मौसम की संभावना पहले से कई गुना बढ़ चुकी है।

हिजबुल्लाह में बड़ा फेरबदल, वफीक सफा हटे

लेबनान , एजेंसी। लेबनान के संगठन हिजबुल्लाह ने आंतरिक पुनर्गठन के तहत अपने वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी वफीक सफा को उनके पद से हटा दिया है। समूह से जुड़े सूत्रों के अनुसार सफा ने खुद पद छोड़ने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद नेतृत्व ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया। वह कई दशकों से संगठन की संपर्क और समन्वय इकाई के प्रमुख थे और लेबनान की सुरक्षा एजेंसियों के साथ तालमेल का काम देखते थे। उनकी जगह अब हुसैन अब्दुल्ला को जिम्मेदारी दी गई है, जो अब तक सार्वजनिक रूप से ज्यादा चर्चित चेहरा नहीं रहे हैं। बताया गया है कि हाल में इस इकाई की कुछ शक्तियां भी कम की गई हैं और दूसरे विभागों को सौंपी गई हैं। यह बदलाव इस्राइल के साथ 14 महीने चले युद्ध के बाद किया गया है, जिसमें संगठन को बड़ा नुकसान हुआ और उसके कई राजनीतिक व सैन्य नेता मारे गए। सफा पहले इस्राइल के साथ कैदी अदला-बदली वार्ताओं में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं। उन पर बेरूत पोर्ट विस्फोट मामले के जज को धमकाने के आरोप भी लगे थे। वर्ष 2019 में अमेरिका ने उन पर प्रतिबंध लगाया था।

हांगकांग में पूर्व मीडिया दिग्गज के लिए सजा का एलान सोमवार को

विक्टोरिया सिटी, एजेंसी। स्वायत्तशासी क्षेत्र हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक पूर्व मीडिया दिग्गज जिमी लाई (78) को चीनी राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत दोषी ठहराने के बाद सोमवार को सजा सुनाई जाएगी। बंद हो चुके एपल डेली अखबार के संस्थापक लाई को उम्रकैद तक की सजा संभव है।

एपस्टीन मामले को लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की कुर्सी खतरे में

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने जेफ्री एपस्टीन से कभी मुलाकात नहीं की, लेकिन उसके कई

वैश्विक नेताओं-शख्सियतों से संबंधों का खुलासा होने के बाद अब इसकी आंच उन तक भी पहुंच रही है। स्टार्मर की कुर्सी खतरे में है। एपस्टीन के साथ मित्रता के कारण ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्य पूर्व प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर पहले ही सवालों के घेरे में हैं और वाशिंगटन में ब्रिटेन के राजदूत पीटर मैंडेलसन को पद से हटना पड़ा। निवेशक एपस्टीन से संबंधों के कारण स्टार्मर ने पहले ही कुछ अफसरों बर्खास्त कर दिया है। अब नए खुलासों ने स्टार्मर की मध्यमार्गी-वामपंथी सरकार में उथल-पुथल है। स्टार्मर को सत्तारूढ़ लेबर पार्टी में दबाव झेलना करना पड़ रहा है।

अमेरिका में दरिंदगी की हद पार: शवगृह मालिक को 40 साल की सजा

कोलोराडो स्प्रिंग्स, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो में एक दिल दहला देने वाले मामले में अदालत ने फ्यूनरल होम (शवदाह गृह) के मालिक जॉन हॉलफोर्ड को 40 साल की जेल की सजा सुनाई है। हॉलफोर्ड पर करीब 200 शवों के साथ दुर्व्यवहार करने और परिवारों को धोखा देने का आरोप था। अदालत में पीड़ित परिवारों ने उसे 'राक्षस' और 'घिनौना इंसान' करार दिया। सजा सुनाने की सुनवाई के दौरान पीड़ित परिवार के सदस्यों ने न्यायाधीश एरिक बेंटली को बताया कि अपने प्रियजनों के साथ हुई घटना के बारे में जानने के बाद से उन्हें भयानक सपने आते रहे हैं। उन्होंने जज से आरोपी जॉन हॉलफोर्ड को अधिकतम 50 साल की सजा देने की अपील की। आरोपी हॉलफोर्ड ने सजा सुनाए जाने से पहले माफी मांगी और कहा कि उसे अपने काम पर जीवन भर पछतावा रहेगा।

पूर्व पत्नी को हो सकती है 35 साल तक की जेल : इस मामले में उसकी पूर्व पत्नी कैरी हॉलफोर्ड, जो रिटर्न टू नेचर फ्यूनरल होम की सह-मालिक थी, उसे 24 अप्रैल को सजा सुनाई जानी है। उसे 25 से 35 साल की जेल हो सकती है। इस जोड़े पर शवों के साथ दुर्व्यवहार करने, चोरी करने, धन की हेराफेरी करने और दस्तावेजों में हेराफेरी करने का आरोप है। दोनों ने अभियोजकों के साथ एक

200 लाशों के साथ किया था अमानवीय व्यवहार

समझौते के तहत शवों के साथ दुर्व्यवहार के लगभग 200 मामलों में दिसंबर में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था।

क्या है पूरा मामला : जॉन हॉलफोर्ड और उसकी पत्नी कैरी हॉलफोर्ड 'रिटर्न टू नेचर' नाम से फ्यूनरल होम चलाते थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने189 शवों को एक इमारत में सड़ने के लिए छोड़ दिया।वहीं परिजनों को उनके प्रियजनों की अस्थियों के नाम पर सूखा कंक्रीट (सीमेंट) थमा दिया। यह सिलसिला 2019 से 2023 तक चलता रहा, जिसका खुलासा तब हुआ जब पड़ोसियों ने बदबू की शिकायत की। हॉलफोर्ड परिवार ने शवों को कोलोराडो स्प्रिंग्स के दक्षिण में स्थित पेनरोस नामक छोटे शहर की एक इमारत में छिपाकर रखा था।

मौज मस्ती और शौक में खर्च की रकम : कई महीनों की मेहनत के बाद उंगलियों के निशान, डीएनए और अन्य तरीकों की मदद से शवों की पहचान की गई। जांच में सामने आया कि हॉलफोर्ड दंपति ने अंतिम संस्कार के नाम पर परिवारों से प्रति व्यक्ति 1200 डॉलर (करीब 1 लाख रुपये) वसूले। इस पैसे का इस्तेमाल शवों के अंतिम संस्कार के बजाय उन्होंने अपनी विलासिता के लिए किया। उन्होंने लक्जरी गाड़ियां खरीदीं। क्रिप्टोकरेंसी और महंगे ब्रांड्स के गहनों पर पैसे खर्च किए। यहां तक कि कोरोना महामारी के दौरान मिलने वाली सरकारी सहायता में भी 9,00,000 डॉलर की धोखाधड़ी की। जॉन हॉलफोर्ड को इस मामले में 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई है, जबकि कैरी हॉलफोर्ड की सजा पर अभी फैसला आना बाकी है।

कोर्ट में भावुक हुए परिवार : सुनवाई के दौरान पीड़ित परिवार अपने प्रियजनों के साथ हुए अमानवीय व्यवहार को जानकार भावुक नजर आए। एक पीड़ित बेटी केली मैकीन ने कहा, 'मेरी मां के साथ कूढ़ा जैसा व्यवहार किया गया और उन्हें सैकड़ों अन्य लोगों के साथ सड़ने के लिए छोड़ दिया गया। मेरा दिल टूट गया है।' जांचकर्ताओं के अनुसार जब उन्होंने इमारत की तलाशी ली, तो वहां फर्श पर कीड़े और सड़ते हुए शवों का अंबार लगा था। कुछ शव तो एक-दूसरे के ऊपर रखे हुए थे। जॉन हॉलफोर्ड को राज्य और संघीय दोनों मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है। वहीं उसकी पत्नी कैरी हॉलफोर्ड को 24 अप्रैल को सजा सुनाई जाएगी, उन्हें 25 से 35 साल तक की जेल हो सकती है। इस घटना के बाद कोलोराडो सरकार ने अंतिम संस्कार गृहों के लिए अपने नियमों को और सख्त कर दिया है।

अब बांग्लादेश में निपाह वायरस की दस्तक, कच्चा खजूर रस पीने से महिला की मौत

ढाका, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने शुक्रवार को बांग्लादेश में निपाह वायरस से एक महिला की मौत की पुष्टि की है। यह घटना जनवरी के अंत में उत्तरी बांग्लादेश में हुई, जिसने एक बार फिर इस घातक वायरस के खतरे को चर्चा में ला दिया है। मृतक महिला की उम्र 40 से 50 वर्ष के बीच थी। महिला में 21 जनवरी को बुखार और सिरदर्द जैसे शुरुआती लक्षण दिखे। इसके बाद उनकी स्थिति बिगड़ती गई, जिसमें अत्यधिक लार निकलना, मानसिक भ्रम और दौरे पड़ना शामिल था। लक्षणों के उभरने के एक सप्ताह बाद महिला की मृत्यु हो गई। मौत के अगले दिन जांच में उनके निपाह वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई।

जांच में पाया गया कि महिला का कोई हालिया यात्रा इतिहास नहीं था। हालांकि, उन्होंने कच्चा खजूर का रस पिया था। विशेषज्ञों के अनुसार, निपाह वायरस मुख्य रूप से चमगादड़ों द्वारा दूषित किए गए फलों या तरल पदार्थों के जरिए इंसानों में फैलता है। संपर्क ट्रेसिंग: महिला के संपर्क में आए सभी 35 लोगों की पहचान कर उन्हें निगरानी में रखा गया था। राहत की बात यह है कि उन सभी की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। क्षेत्रीय प्रभाव: भारत के पश्चिम बंगाल में भी निपाह के दो मामले सामने आने के

बाद, एशिया के कई देशों जैसे मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया और पाकिस्तान ने हवाई अड्डों पर थर्मल स्क्रीनिंग बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में इस वायरस के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलने का जोखिम कम है। इसलिए, अभी किसी भी प्रकार के यात्रा या व्यापार प्रतिबंध की सिफारिश नहीं की गई है। यह संक्रमण काफी घातक है, जिसमें मृत्यु दर 75% तक हो सकती है। यह मुख्य रूप से संक्रमित चमगादड़ों के संपर्क में आए फलों/खाद्य पदार्थों से फैलता है। यह वायरस इंसानों के बीच बहुत आसानी से नहीं फैलता। वर्तमान में इसके लिए कोई लाइसेंस प्राप्त वैक्सीन या विशिष्ट दवा उपलब्ध नहीं है। बांग्लादेश में पिछले साल (2025) भी निपाह वायरस के चार पुष्ट मामले सामने आए थे, जिनमें सभी मरीजों की जान चली गई थी। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे पेड़ों से गिरे फल न खाएं और खजूर के रस को अच्छी तरह उबालकर ही पिएं।

ब्रिटेन में नीरव मोदी की ट्रायल टालने वाली याचिका खारिज

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की हाईकोर्ट ने भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को बड़ा झटका दिया है। अदालत ने बैंक ऑफ इंडिया से जुड़े बकाया ऋण मामले में ट्रायल टालने की उनकी याचिका खारिज कर दी। नीरव मोदी ने खराब सेहत, दृष्टि हानि और जेल की परिस्थितियों का हवाला देकर सुनवाई आगे बढ़ाने की मांग की थी। अदालत ने इन दलीलों को पर्याप्त आधार नहीं माना। जज साइमन टिंकलर ने साफ कहा कि ट्रायल से आरोपी को कोई गंभीर कानूनी नुकसान नहीं होगा और उसे पूरा मौका दिया जाएगा। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि यह आवेदन देरी की कोशिशों के पैटर्न जैसा दिखता है। अब 23 मार्च से शुरू होने वाला आठ दिन का ट्रायल तय कार्यक्रम के अनुसार ही चलेगा। सुनवाई में नीरव मोदी उत्तर लंदन की

पेंटनविल जेल से वीडियो लिंक के जरिए पेश हुए। बचाव पक्ष ने कहा कि उनकी आंखों की रोशनी करीब 60 प्रतिशत तक घट गई है और वह क्लिनिकल अवसाद से पीड़ित हैं। साथ ही जेल में कानूनी दस्तावेजों तक समय पर पहुंच नहीं मिल रही। अदालत ने माना कि ये कारण ट्रायल टालने की ऊंची कानूनी कसौटी पूरी नहीं करते। यह मामला पंजाब नेशनल बैंक धोखाधड़ी केस से अलग है। नीरव मोदी मार्च 2019 से ब्रिटेन की जेल में बंद हैं और जमानत के कई प्रयास असफल रहे हैं।

ट्रम्प बोले- बराक और मिशेल ओबामा से माफी नहीं मांगूंगा

स्टाफ की गलती से वीडियो शेयर हुआ, पूर्व राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को बंदर दिखाया था

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया से पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा का वीडियो डिलीट कर दिया है। इस वीडियो में ओबामा और उनकी पत्नी को जंगल में प्राइमेट्स (बंदर) के रूप में दिखाया गया था। हालांकि, ट्रम्प ने शुक्रवार को सफाई देते हुए माफी मांगने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने शुरुआत देखी, वो ठीक थी।' इसके बाद उन्होंने इसे किसी स्टाफ को भेज दिया, जिन्हें पूरा वीडियो देखना चाहिए था।' ट्रम्प का दावा है कि स्टाफ ने वीडियो के अंतिम छोटे हिस्से को मिस कर दिया, जिसमें आपत्तिजनक सामग्री थी। उन्होंने कहा कि जैसे ही उन्हें इसकी जानकारी हुई, वीडियो हटा दिया गया। ट्रम्प ने स्पष्ट रूप से माफी मांगने से इनकार करते हुए कहा, 'नहीं, मैंने कोई गलती नहीं

की।' हालांकि, उन्होंने नस्लवादी हिस्से की निंदा की। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह पोस्ट एक स्टाफ की गलती से शेयर हुई थी। कुछ घंटे पहले प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा था कि पोस्ट में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। वीडियो को लेकर ओबामा ने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जाएगी। वीडियो में 2020 चुनाव में धांधली के आरोप लगाए गए यह वीडियो ट्रम्प के उन कई पोस्ट्स में से एक था, जिनमें उन्होंने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली का दावा किया। करीब एक मिनट के वीडियो में उन्होंने कहा किया कि 2020 के चुनाव में बैलेट गिनने वाली कंपनी डोमिनियन वोटिंग सिस्टम्स ने ट्रम्प के खिलाफ गड़बड़ी की थी। वीडियो के आखिर में कुछ सेकंड के लिए ओबामा दंपती के चेहरे बंदरों के शरीर पर दिखाए जाते हैं। उसी दौरान बैकग्राउंड में 'द लायन स्लीप्स टुनाइट' गाना बजता है। यह सीन एक अलग इंटरनेट मीम वीडियो से लिया गया था, जिसे पहले भी एक प्रभावशाली कंजर्वेटिव मीम मेकर ने फैलाया था। उस वीडियो में ट्रम्प को 'जंगल का राजा' और डेमोक्रेट नेताओं को जानवरों के रूप में दिखाया गया था।

पूर्व एनएसए बोले- ट्रम्प अमेरिकी इतिहास का काला धब्बा : बराक ओबामा के करीबी और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बेन रोड्स ने इसे लेकर ट्रम्प के इतिहास का काला धब्बा बताया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अमेरिकी लोग ओबामा दंपती को सम्मानित शख्सियतों के तौर पर याद करेंगे, जबकि ट्रम्प को इतिहास के एक काले अध्याय की तरह पढ़ा जाएगा। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिका में ब्लैक हिस्ट्री मंथ चल रहा है।

सीपीईसी तक पहुंची बलोच विद्रोह की आग, बीएलए के हमलों से चीन-पाकिस्तान परियोजनाओं का भविष्य अनिश्चित

बीजिंग, एजेंसी। चीनी बीआरआई की रीढ़ माना जाने वाला चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) गंभीर संकट में है। बलूचिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के हमलों, चीनी इंजीनियरों को निशाना बनाए जाने और पाकिस्तानी सेना की सीमित पकड़ के बीच अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक संस्थानों का आकलन है कि 5.17 लाख करोड़ रुपये से अधिक की चीनी परियोजनाएं अब सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि पूर्णतः सैन्य-सुरक्षा चुनौती बन चुकी हैं। इससे चीन-पाकिस्तान परियोजनाओं का भविष्य भी अनिश्चित हो गया है।

बीएलए ने खारिज किया सेना का दावा, कहा-संघर्ष जारी है :

बलूचिस्तान। पाकिस्तानी सेना द्वारा बलूचिस्तान में विद्रोहियों की गतिविधियां खत्म करने के दावे को बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दुष्प्रचार कहा। बीएलए ने कहा, उसका ऑपरेशन हेरोफ-2 शुक्रवार को लगातार सातवें दिन में प्रवेश कर चुका है और संघर्ष जारी है। बीएलए प्रवक्ता जियांद बलोच ने कहा, पाकिस्तानी सेना के किसी भी दावे को तब तक झूठा माना जाना चाहिए जब तक कि बीएलए खुद इसकी समाप्ति की घोषणा नहीं कर दे।

चीन ने दो विकल्प रखे : चीन ने पाकिस्तान के सामने दो विकल्प रखे हैं। पहला, सीपीईसी की पूर्ण सुरक्षा के लिए पाकिस्तान स्वयं पर्याप्त संख्या में सेना तैनात करे। दूसरा, इस्लामाबाद औपचारिक रूप से बीजिंग से अनुरोध करे कि सीपीईसी परियोजनाओं की रक्षा के लिए चीन अपनी सैन्य टुकड़ियां बलूचिस्तान भेजे। दोनों ही विकल्प संवेदनशील हैं।

'परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं तो गंभीर होंगे परिणाम', ओमान वार्ता के बाद ट्रंप की खुली धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। ओमान की राजधानी मस्कट में अमेरिका-ईरान परमाणु समझौते पर पहले दौर की बातचीत बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई। हालांकि दोनों ही देशों ने इस वार्ता को सकारात्मक बताया। अब अगले हफ्ते फिर से वार्ता की जाएगी। इस बीच अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त लहजे में चेतावनी दी है।

राष्ट्रपति ट्रंप की ईरान को चेतावनी : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस वार्ता को 'बहुत अच्छा' बताया है और अगले सप्ताह की शुरुआत में और बातचीत की योजना के बारे में कहा। साथ ही दबाव भी बढ़ाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं करता है, तो उसे 'गंभीर परिणाम' भुगतने होंगे।

दरअसल, ट्रंप प्रशासन का मुख्य उद्देश्य ईरान को जीरो न्यूक्लियर कैपेबिलिटी यानी शून्य परमाणु क्षमता की ओर ले जाना है। ईरान सिर्फ अपने परमाणु कार्यक्रम पर बात करना चाहता है, जबकि अमेरिका उसकी बैलिस्टिक मिसाइलों और क्षेत्रीय गतिविधियों को भी समझौते में शामिल करना चाहता है। ट्रंप ने ईरान को इस कार्यक्रम पर समझौता करने के लिए मजबूर करने के लिए सैन्य कार्रवाईकरने की बार-बार धमकी दी है, इससे पहले उन्होंने तेहरान को देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर की गई खूनी कार्रवाई के जवाब में इस विमानवाहक पोत को क्षेत्र में भेजा था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे और इस्लामिक गणराज्य में हजारों अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया था।

बातचीत के बाद ट्रंप के ईरान

पर नए प्रतिबंध : ओमान में हुई बातचीत पर जब कोई ठोक नतीजा सामने नहीं आया तो नाराज राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर नए प्रतिबंध लगाए। अमेरिका ने ईरान के तेल और पेट्रोकेमिकल निर्यात से जुड़े नेटवर्क पर नई सख्त कार्रवाई की है। नए आदेश के तहत कई कंपनियों, जहाजों और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। अमेरिका के मुताबिक ईरान से जुड़े तेल कारोबार के जरिए नियमों को दरकिनार किया जा रहा था। बता दें कि ओमान हमेशा की तरह दोनों देशों के बीच पुल का काम कर रहा है। वार्ता में राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर ने किया। दोनों पक्षों के राजनयिक अब अपने-अपने देशों में मशविरा करेंगे। अगली बैठक अगले सप्ताह की शुरुआत में होने की संभावना है। वार्ता के बाद अमेरिका ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। इधर, बैठक को लेकर ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है। हमारे हमने अपने दृष्टिकोण एक-दूसरे तक पहुंचाए, जो बेहद जरूरी था। अराघची ने कहा, हमने अपनी चिंताओं, ईरानी लोगों के अधिकार और हित पर जानकारी साझा की। यह बैठक बहुत अच्छे माहौल में हुई और दूसरे पक्ष के विचारों को भी सुना गया।

हमलों के बीच जेलेंस्की ने मानी बात, बोले- प्रदर्शन संतोषजनक नहीं

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से जारी युद्ध अब और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। रूस के लगातार ड्रोन और मिसाइल हमलों से यूक्रेन की बिजली व्यवस्था चरमरा गई है, ठंड में लोग बिना हीटिंग के रहने को मजबूर हैं। हवाई रक्षा पर सवाल उठ रहे हैं और शांति वार्ता भी बेनतीजा दिख रही है। इसी बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने खुद अपने देश के वायु रक्षा प्रणाली के प्रदर्शन को कमजोर माना है। शुक्रवार उन्होंने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में वायुसेना का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है।

उन्होंने माना कि रूस के बड़े पैमाने पर ड्रोन हमलों को रोकने में दिक्कतें आ रही हैं। जेलेंस्की ने कहा कि इन हमलों से निपटने के लिए नई रक्षा रणनीतियों पर काम किया जा रहा है। बता दें कि रूस पिछले कुछ महीनों से लगातार यूक्रेन के बिजली ढांचे को निशाना बना रहा है। इन हमलों की वजह से कई इलाकों में बिजली गुल, हीटिंग बंद और पानी की सप्लाई प्रभावित हुई है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब यूक्रेन कड़ाके की ठंड झेल रहा है।

जंग का पांचवां साल, लेकिन शांति की उम्मीद अब भी कम : बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब पांचवें साल में प्रवेश करने वाला है। अमेरिका की कोशिशों के बावजूद अभी तक शांति की दिशा में कोई ठोस सफलता नहीं मिली है। हालांकि इन सब के बीच जेलेंस्की ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच आगे और बातचीत जल्द होगी, संभव है कि ये बैठकें अमेरिका में हों।

एक रात में सैकड़ों ड्रोन हमले : वहीं यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक, रूस ने एक ही

रात में 328 ड्रोन और 7 मिसाइलें दागीं। दावा किया गया कि इनमें से 297 ड्रोन मार गिराए गए। हालांकि, फिर भी नुकसान हुआ। मध्य यूक्रेन के निप्रोपेत्रोवस्क क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हुई और दो लोग घायल हुए। जापोरिज्जिया क्षेत्र में हुए हमले में 8 लोग घायल हुए और 18 अपार्टमेंट इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसी हमले में एक कुत्तों का आश्रय गृह भी चपेट में आ गया, जिसमें 13 कुत्तों की मौत हो गई। 7 अन्य जानवर घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है।

कीव में कड़ाके की ठंड और बिना हीटिंग : राजधानी कीव में हालात बेहद मुश्किल हैं। जेलेंस्की के अनुसार, 1,200 से ज्यादा रिहायशी इमारतों में कई दिनों से हीटिंग नहीं है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन का बिजली नेटवर्क इस सर्दी में अब तक के सबसे बड़े संकट से गुजर रहा है। 81 साल के कीव निवासी मिकोलो ट्रोम्जा ने बताया कि वे एक हफ्ते तक बिना गर्मी और पानी के रहे। उन्होंने कहा कि जब मैंने अपनी नाक छुई तो वो बर्फ जैसी ठंडी थी। खुद को गर्म रखने के लिए मैं घर में लगातार चलता रहा।

रूस पर भी यूक्रेनी हमले : रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने 38 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। ब्रायंस्क क्षेत्र में कुछ गांवों की बिजली कुछ समय के लिए चली गई। बेलगोरोद शहर में यूक्रेनी हमले से बिजली संयंत्र और सबस्टेशन को नुकसान पहुंचा, जिससे कई इलाकों में बिजली बाधित हुई।

अभी भी मोर्चे पर भीषण लड़ाई जारी : गौरतलब है कि कड़ाके की ठंड के बावजूद दोनों देशों के बीच फ्रंट लाइन पर लड़ाई जारी है। यूक्रेन के सेना प्रमुख जनरल ओलेक्सांद्र सिर्स्की ने बताया कि युद्ध का मोर्चा अब करीब 1,200 किलोमीटर लंबा हो चुका है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के ड्रोन अब पहले से कहीं ज्यादा उन्नत हो गए हैं, जिससे सैनिकों के लिए खतरे का इलाका यानी किल जोन अब 20 किलोमीटर तक फैल चुका है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आसनसोल-बोकारो मेमू लाइफलाइन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नया रेल कॉरिडोर पश्चिम बंगाल और झारखंड के औद्योगिक केंद्रों को जोड़ता है

कोलकाता : पूर्वी भारत के औद्योगिक परिदृश्य में एक ऐतिहासिक परिवर्तन दर्ज हुआ, जब बहुप्रतीक्षित आसनसोल-बोकारो स्टील सिटी मेमू रेल सेवा का औपचारिक शुभारंभ किया गया। डिजिटल माध्यम और जनसहभागिता के अनूठे संगम के साथ आयोजित इस समारोह में माननीय केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

इस समर्पित मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (मेमू) सेवा की शुरूआत के साथ ही हजारों श्रमिकों, छात्रों और छोटे व्यापारियों के लिए दशकों पुरानी आवागमन की कठिनाइयों का अंत हुआ है, जो अब तक महंगे बस सफर और अनियमित एक्सप्रेस ट्रेनों पर निर्भर थे।

यह नई रेल सेवा पश्चिम बर्धमान, पुरुलिया और बोकारो को जोड़ते हुए एक तेज, किफायती ह्वस्टील कॉरिडोरह्व का निर्माण करती है। आज के शुभारंभ से जुड़े प्रमुख लाभ इस प्रकार हैं:

कार्यबल को सशक्तिकरणः दोनों शहरों के सेल (रअक्छ) प्रतिष्ठानों में कार्यरत तकनीकी कर्मचारियों और श्रमिकों को अब दैनिक आवागमन के लिए एक सीधा, विश्वसनीय साधन उपलब्ध होगा, जिससे इन औद्योगिक केंद्रों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावाः यह मेमू सेवा छोटे और मध्यवर्ती स्टेशनों पर भी ठहराव प्रदान करती है। इससे पुरुलिया और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को दोनों स्टील शहरों के बड़े बाजारों तक सस्ती और आसान पहुंच मिलेगी।

सीमाओं से परे शिक्षाः सैकड़ों छात्र अब राज्य सीमा के आर-पार प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों और महाविद्यालयों तक दैनिक आवागमन कर सकेंगे, जिससे महंगे हॉस्टल या किराए के आवास की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।

सुलभ और किफायती यात्राः कम लागत वाले मासिक सीजन टिकट की सुविधा के साथ यह सेवा दैनिक मजदूरी करने वालों के लिए भी लंबी दूरी की यात्रा को व्यवहारिक और किफायती बनाती है।

पुरानी परिवहन व्यवस्था से नई मेमू सेवा की ओर यह बदलाव क्षेत्रीय गतिशीलता में एक व्यापक परिवर्तन का प्रतीक है। जहां पहले यात्रियों को कई बस बदलने, ईंधन की बढ़ती कीमतों और अधिक यात्रा खर्च का सामना करना पड़ता था, वहीं अब सब्सिडी वाले मासिक सीजन टिकट के माध्यम से दैनिक यात्रा अत्यंत सुलभ हो गई है।

विश्वसनीयता के स्तर पर भी यह सेवा एक बड़ा बदलाव है– राजमार्गों की भीड़ और मानसून के दौरान भूस्खलन जैसी समस्याओं से प्रभावित परिवहन व्यवस्था के स्थान पर अब एक तेज, सर्व मौसम विद्युत रेल कॉरिडोर उपलब्ध है, जो समयबद्ध और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करता है। इसके अतिरिक्त, जहां पहले एक्सप्रेस ट्रेनें छोटे ग्रामीण स्टेशनों को नजरअंदाज कर देती थीं, वहीं यह मेमू सेवा स्थानीय हॉल्ट स्टेशनों पर रुककर पुरुलिया के ग्रामीण अंचलों को मुख्यधारा से जोड़ती है और संकरी, जोखिमपूर्ण सड़कों की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित और सुगम यात्रा प्रदान करती है।

परिवहन सुविधा से आगे बढ़कर, यह सेवा छोटे मध्यवर्ती स्टेशनों पर आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने की उम्मीद है, क्योंकि नियमित यात्रियों की बढ़ती संख्या से स्थानीय दुकानों और सेवाओं का विकास होगा। इसके अलावा, मानसून के दौरान भी ट्रेन की विश्वसनीयता यह सुनिश्चित करेगी कि मौसम संबंधी सड़क बंदी से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था प्रभावित न हो।

आरपीसी मीडिया कप : गंगा और भैरवी का दमदार प्रदर्शन, जीत के साथ दोनों टीमें क्वाफा में

बिभा संवाददाता

रांची : रांची स्थित जे के क्रिकेट एकेडमी के मैदान पर खेले जा रहे आरपीसी मीडिया कप 2026 में प्रतियोगिता ने अब रोमांचक मोड़ ले लिया है। टूनार्मेंट के मुकाबले दिन-ब-दिन और अधिक प्रतिस्पर्धी होते जा रहे हैं। इसी क्रम में खेले गए पहले और दूसरे मैच में गंगा और भैरवी की टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की कर ली।

दिन का पहला मुकाबला अजय और गंगा के बीच खेला गया। टॉस के बाद अजय की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 16 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 112 रन बनाए। अजय की ओर से राकेश सिंह ने 31 रनों की उपयोगी पारी खेली, जबकि सूरज प्रकाश ने 22 और तारकेश्वर महतो ने 21 रन का योगदान दिया। हालांकि मध्यक्रम से अपेक्षित बड़ी साझेदारी नहीं बन सकी, जिससे टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में असफल रही।

गंगा की ओर से गेंदबाजी में समीर सृजन ने किफायती प्रदर्शन करते हुए 1 विकेट के बदले 17 रन दिए, जबकि संतोष सिंह ने 1/20 का आंकड़ा दर्ज किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गंगा की टीम ने शानदार और आक्रामक बल्लेबाजी का परिचय दिया। गंगा ने 12.5 ओवर में मात्र 2 विकेट खोकर 116 रन बनाते हुए मुकाबला 8 विकेट से अपने नाम कर लिया। ओम प्रकाश झा ने 34 रन बनाए, वहीं संतोष कुमार सिंह ने 29 रनों की सधी हुई पारी खेली। संतोष कुमार सिंह को उनके हरफनमौला योगदान के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

दिन का दूसरा मुकाबला कोनार और भैरवी के बीच खेला गया, जिसमें दर्शकों को बल्लेबाजों का शानदार खेल देखने को मिला। पहले बल्लेबाजी करते हुए कोनार की टीम ने 16 ओवर में 141 रन बनाए, लेकिन पूरी टीम ऑलआउट हो गई।

कोनार की ओर से सुशील सिंह ने 48 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जबकि राकेश कुमार ने 17 रन जोड़े। भैरवी की गेंदबाजी में विक्की कुमार पासवान ने घातक प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट 23 रन देकर झटके, वहीं संजय सिंह ने 2/34 विकेट हासिल किए।

जवाब में भैरवी की टीम ने लक्ष्य को बेहद आसानी से हासिल कर लिया। भैरवी ने 15.3 ओवर में सिर्फ 1 विकेट खोकर 142 रन बनाते हुए मुकाबला 9 विकेट से जीत लिया। नवल किशोर ने नाबाद 67 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि विक्की पासवान ने 51 रन बनाकर जीत को आसान बना दिया।

इस मैच में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए विक्की पासवान को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

इन जीतों के साथ ही गंगा और भैरवी की टीमें क्वार्टरफाइनल में पहुंच चुकी हैं, जिससे टूनार्मेंट का रोमांच अब और भी बढ़ गया है। दर्शकों को आने वाले मुकाबलों में कड़े संघर्ष और रोमांचक क्रिकेट की पूरी उम्मीद है।

संक्षिप्त खबरें

आरपीएफ ने शराब के साथ एक आरोपित को किया गिरफ्तार

जमशेदपुर । आदित्यपुर और गम्हरिया के बीच शनिवार रात टाटा-छपरा एक्सप्रेस में गश्त के दौरान आदित्यपुर आरपीएफ टीम ने शराब की एक बड़ी खेप बरामद कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिससे रेलवे परिसर में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सका। आरपीएफ टीम ट्रेन में नियमित पेट्रोलिंग कर रही थी, इसी दौरान एक संदिग्ध पिट्ठू बैग की तलाशी ली गई। जांच में बैग से 180 एमएल की कुल 30 पैकेट शराब बरामद हुई। मौके पर ही शराब ले जा रहे युवक को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में उसकी पहचान जुगसलाई स्थित एलआईसी बिल्डिंग निवासी सुमित कुमार के रूप में हुई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपित ने स्वीकार किया कि वह इस शराब को बिहार के मोकामा ले जा रहा था। उसने बताया कि होली पर्व के दौरान शराब को ऊंचे दामों पर बेचने की मंशा से वह यह खेप लेकर यात्रा कर रहा था। आरोपित की स्वीकारोक्ति से यह स्पष्ट हुआ कि त्योहार के मौके पर अवैध कारोबार करने की योजना बनाई गई थी। इस संबंध में रविवार को आदित्यपुर आरपीएफ प्रभारी अजित कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें पहले से ही शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम को सतर्क किया गया और ट्रेन के कोच में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान आरोपित को पकड़ने में सफलता मिली। उन्होंने कहा कि होली को देखते हुए आरपीएफ ने ट्रेनों में निगरानी और गश्त को और अधिक कड़ा किया है। फिलहाल पकड़े गए आरोपित को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए रेल पुलिस को सौंप दिया गया है। आरपीएफ ने आम यात्रियों को आश्वस्त किया है कि रेलवे मार्गों पर अवैध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और सुरक्षा व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

पोद्दार वैश्य के वनभोज कार्यक्रम में संस्था को सबल बनाने पर जोर..

जमशेदपुर : टेल्को क्षेत्र स्थित पिकनिक स्थल थीम पार्क में पोद्दार वैश्य कल्याण समिति द्वारा वनभोज सह पारिवारिक मिलन समारोह समिति अध्यक्ष अरुण पोद्दार जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई. कार्यक्रम संचालन के दौरान महामंत्री श्रीकांत देव ने संस्था के क्रियाकलापों का जिक्र करते हुए समिति के रजिस्ट्रेशन करने की प्रक्रिया में प्रगति को साझा किया. संस्था को सबल बनाने के लिए उपस्थित सदस्यों ने कई सकारात्मक सुझाव दिए और संगठन के प्रति समर्पित होने की बात कही गई. कार्यक्रम में बच्चे बच्चियों व महिलाओं के लिए कई तरह के खेलकूद आयोजित की गए जिसमें प्रथम द्वितीय एवं तृतीय प्रतिभागी को पुरस्कृत किया गया जो इस प्रकार है प्रथम -आस्था, प्रियांश, आस्था कुमारी, रिया, द्वितीय-रिया, अनीश, आस्था अंजलि तृतीय- आरती, प्रियांश, मीठी एवं अनीश.. मोहित और अनीसा को सांत्वना पुरस्कार मिला. लॉटरी के द्वारा एयर ऑफ द फर्स्ट कपल के रूप में रामउदगार पोद्दार-मौसमी पोद्दार चुने गए कार्यक्रम में काफी संख्या में महिलाओं ने शिरकत की और संगठन में कंधे से कंधे मिलाकर चलने की बात कही. कार्यक्रम में उपस्थित समिति सदस्यों में मुख्य रूप से मुख्य संरक्षक शंकर पोद्दार सहित रामलखन पोद्दार, देवनारायण पोद्दार, संजीव पोद्दार, अजय पोद्दार, नीरज नागेंद्र, मनोज पोद्दार, श्याम पोद्दार, रूपेश पोद्दार, राम उदगार पोद्दार, गणेश कुमार, जितेंद्र सेन पोद्दार, उमेश पोद्दार, वीना पोद्दार, राजकुमारी देवी, पूनम पोद्दार, सुबोध पोद्दार, संजय पोद्दार, अभिषेक गांधी, परमेश्वर पोद्दार, संदीप पोद्दार, बबीता कुमारी, सुषमा, सुशील पोद्दार के सहित भारी संख्या में समाज के सदस्यों ने उपस्थिति दर्ज की।

झारखंड के 14 जिलों में 10 फरवरी से शुरू होगा मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान

जनभागीदारी और मीडिया सहयोग फाइलेरिया उन्मूलन के लिए महत्वपूर्ण : डॉ. बिरेंद्र कुमार

बिभा संवाददाता

देवघरः फाइलेरिया मुक्त झारखंड के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान को सफल बनाने हेतु अंतर्विभागीय समन्वय, सामुदायिक सहभागिता एवं मीडिया सहयोग को विशेष महत्व दिया जा रहा है।

इसी क्रम में रविवार को देवघर में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड सरकार तथा ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेटजीज द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं पीरामल स्वास्थ्य सहित अन्य सहयोगी संस्थाओं के समन्वय से एक मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी भी.बी.डी. डॉ. बिरेंद्र कुमार सिंह ने झारखंड से फाइलेरिया उन्मूलन के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि समयबद्ध एवं प्रभावी एमडीए इस लक्ष्य को प्राप्त करने की सबसे महत्वपूर्ण रणनीति है।

उन्होंने जानकारी दी कि 10 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक राज्य के 11 जिलों – बोकारो, देवघर, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गिरिडीह, गुमला, रामगढ़, रांची, साहिबगंज एवं लोहरदगा में दो दवाओं डी.ई.सी. एवं अल्बेंडाजोल, तथा 3 जिलों – कोडरमा, पाकुड़ एवं सिमडेगा में तीन दवाओं डी.ई.सी., अल्बेंडाजोल एवं आइवरमेक्टिन के माध्यम से एमडीए अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्यकर्मी बूथों के माध्यम से तथा घर-घर जाकर पात्र लाभार्थियों को फाइलेरिया रोधी दवाएं खिलाएंगे। 2 वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं तथा गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को दवा नहीं दी जाएगी। दवा का सेवन खाली पेट नहीं करना है तथा आशा कार्यकर्ता अथवा स्वास्थ्यकर्मी की उपस्थिति में ही दवा सेवन अनिवार्य होगा।

इस अवसर पर देवघर के सिविल सर्जन डॉ. बच्चा प्रसाद सिंह ने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनभागीदारी और मीडिया सहयोग के बिना फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य प्राप्त करना संभव नहीं है। उन्होंने आगामी एमडीए अभियान में शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने के लिए मीडिया से सक्रिय सहयोग का आह्वान किया।

उन्होंने मीडिया से अपील की कि वे सकारात्मक, तथ्यपरक एवं जागरूकता आधारित समाचारों के माध्यम से लोगों को दवा सेवन के लाभों के प्रति प्रेरित करें, भ्रांतियों को दूर करें तथा इस जनस्वास्थ्य अभियान में जनसहभागिता सुनिश्चित करें।

विश्व स्वास्थ्य संगठन, के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. हसीब ने बताया कि फाइलेरिया एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, जो मच्छरों के काटने से फैलती है और दीर्घकालिक दिव्यांगता के प्रमुख कारणों में से एक है। इससे प्रभावित व्यक्तियों को हाइड्रोसील, लिम्फेडेमा एवं दूधिया सफेद मूत्र जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया से बचाव का एकमात्र प्रभावी उपाय फाइलेरिया रोधी दवाओं का नियमित वार्षिक सेवन है। एमडीए कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी, ताकि कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की कमी न रह जाए।

राज्य सलाहकार बिनय कुमार ने मीडिया से संवाद करते हुए कहा कि सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में संचालित कार्यक्रमों की जानकारी जनसामान्य तक पहुँचाने में मीडिया का सहयोग सदैव प्राप्त होता रहा है। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे अपने समाचार पत्रों, चैनलों एवं डिजिटल माध्यमों के माध्यम से फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाएं, ताकि लोग एमडीए के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति में दवा का सेवन सुनिश्चित करें।

कार्यशाला में राज्य एवं जिला स्तर के भी.बी.डी. पदाधिकारी, सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा स्थानीय मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

शहीद सोमा उरांव की पुण्यतिथि पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दी श्रद्धांजलि

रांची। झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की रविवार को अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मांडर प्रखंड के शकरपदा गांव में शहीद स्वर्गीय सोमा उरांव की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने शहीद सोमा उरांव की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों के प्रति समाज को हमेशा विशेष सम्मान और संवेदना रखनी चाहिए। उन्होंने शहीद की पत्नी द्वारा विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा ही एक सशक्त, जागरूक और विकसित समाज की मजबूत नींव होती है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शहीद परिवारों और उनके गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा किसानों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने के उद्देश्य से अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सके।

ओएनजीसी ने गोवा में बनाया 4,000 सीटों वाला सभागार

एजेंसी

नई दिल्लीः सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ओएनजीसी ने दक्षिण गोवा के शांत इलाके में अरब सागर के किनारे एक भव्य 4,000 सीटों वाला सभागार बनाया है। प्रमुख समुद्र तटीय रिसॉर्ट से महज 15 मिनट की फेरी (नाव) की दूरी पर स्थित यह केंद्र बड़े सम्मेलनों और फिल्मफेयर जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोहों की मेजबानी के लिए तैयार है। दक्षिण गोवा के बेतुल में ओएनजीसी का एक उन्नत प्रशिक्षण संस्थान (एटीआई) है। यह परिसर 10 लाख वर्ग मीटर यानी लगभग 250-270 एकड़ में फैला है, जिसके एक छोटे से हिस्से में प्रशिक्षण केंद्र है।

अधिकारियों ने बताया कि साल 2023 में एटीआई की इस विशाल भूमि के खाली हिस्से पर बने एक अस्थायी सम्मेलन केंद्र में 'इंडिया एनर्जी वीक' (आईईडब्ल्यू) के दूसरे संस्करण का आयोजन किया गया था। इसके बाद ही गोवा के पर्यटन में एक नया अध्याय जोड़ने के लिए एक स्थायी सभागार बनाने का विचार आया। जनवरी के अंत में आईईडब्ल्यू के चौथे संस्करण से पहले यह सभागार बनकर तैयार हो गया था। इसमें एक स्थायी प्रदर्शनी हॉल और एक प्रबंधन विकास सुविधा शामिल है। इसका कुल निर्मित क्षेत्र लगभग 39,000 वर्ग मीटर है। यह सुविधा समुद्र तटीय रिसॉर्ट से 15 मिनट की फेरी सवारी के माध्यम से जुड़ी हुई है, जिससे प्रमुख होटल केंद्रों से सीधा संपर्क मिलता है।

एक अधिकारी ने कहा, "आईईडब्ल्यू तो सिर्फ एक आयोजन है, लेकिन यह सुविधा बड़े सम्मेलनों और पुरस्कार समारोहों की मेजबानी करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उपलब्ध है। गोवा भारत का सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है और हमने इस सभागार और प्रदर्शनी सुविधा का निर्माण गोवा को बड़े वैश्विक कार्यक्रमों के केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए किया है।" इस अंडाकार सभागार में एक समय में करीब 4,000 लोगों के बैठने की क्षमता है। इसमें वीवीआईपी कमरे, वीवीआईपी ग्रीन रूम, दो वीआईपी लाउंज, सीईओ बैठक कक्ष, कार्यालय स्थान, भोजन कक्ष और एक बड़ा प्रवेश कक्ष शामिल है।

लोन सेटलमेंट विवाद में लोन रिकवरी एजेंट की हत्या, आरोपित गिरफ्तार

धनबाद। लोन रिकवरी एजेंट अमित कुमार अग्रवाल की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रविवार को सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित सूर्य हाइलैंड सोसाइटी में विकास खंडेलवाल के घर से अमित कुमार अग्रवाल का शव बरामद किया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेमोरियल मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। वहीं, सदर थाना क्षेत्र निवासी मृतक के परिजनों की ओर से पहले ही अमित अग्रवाल के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में यह भी बताया गया था कि अमित के मोबाइल फोन पर 15 लाख रुपये की फिरौती की मांग की जा रही है। पुलिस ने टेक्निकल साक्ष्यों के आधार पर मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर जांच शुरू की। डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम ने बताया कि मोबाइल लोकेशन के आधार पर विकास खंडेलवाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपित ने हत्या की बात कबूल की, जिसके बाद उसकी निशानदेही पर अमित अग्रवाल का शव बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपित और मृतक के बीच करीब एक करोड़ रुपये के लोन सेटलमेंट को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद के कारण अमित अग्रवाल की हत्या की गई। फिलहाल पुलिस आरोपित से गहन पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। गौरतलब है कि शनिवार देर शाम अमित अग्रवाल का अपहरण किया गया था और रविवार को उनका शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई है।

ओडिशा के अमित ब्रदर्स की टीम ने जीता सारजोम बेडा फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब

बिभा संवाददाता

दुमका। बिरसा मुंडा आउटडोर स्टेडियम में तीन दिवसीय सारजोम बेडा फुटबॉल चैंपियनशिप का विजेता टीम ओडिशा के अमित ब्रदर्स, बोंगामुंडा बनी। फाइनल मैच काफी रोमांचक रहा। खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में ओडिशा की अमित ब्रदर्स, बोंडामुंडा ने लिंडा ब्रदर्स, रांची को 1-0 के मैदानी गोल से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

मैच के दौरान दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। लेकिन निर्णायक गोल के साथ अमित ब्रदर्स ने जीत सुनिश्चित हुई। विजेता टीम को मुख्य अतिथि जामा विधायिका डॉ. लुईस मरांडी की ओर से पांच लाख की नगदी पुरस्कार राशि एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। उपविजेता लिंडा ब्रदर्स, रांची को चार लाख की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इससे पहले सेमीफाइनल लिंडा ब्रदर्स, रांची ने एसएसबी, तालबान्ध, बीरभूम, पश्चिम बंगाल को 1-0 से हराया। जिसमें मैन ऑफ द मैच सुमित उरांव को दो हजार नगद एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

दूसरे सेमीफाइनल में ओडिशा के अमित ब्रदर्स, बोंडामुंडा ने राइजिंग संथाल एफसी, कोलकाता को 3-1 से पराजित किया। जिसमें मैन ऑफ द मैच रहे रहीम अली को दो हजार नगद और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। मैच के प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट बने ओडिशा के अमित ब्रदर्स बोंगामुंडा एडविन तिर्की 25 हजार नगद पुरस्कार, बेस्ट गोलकीपर अमित ब्रदर्स बोंगामुंडा के गोलकीपर ऑफ द टूनार्मेंट विक्की तिर्की को छह हजार रुपए नगद एवं हाईएस्ट स्कोरर ऑफ द टूनार्मेंट कुलीबुली एवं अब्दुल छह हजार नगदी देकर संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया।

समापन पर विशेष लकी ड्रा में प्रथम पुरस्कार स्कूटी, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में एलईडी टीवी दिया गया। समापन समारोह में विशिष्ठ अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमों)जिला अध्यक्ष शिव कुमार बास्की सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। आयोजन समिति की ओर से सभी अतिथियों का सम्मान किया गया । सफल आयोजन के लिए खिलाड़ियों, दर्शकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस प्रकार खेल भावना, उत्साह और भव्यता के साथ सारजोम बेडा फुटबॉल चैंपियनशिप 2026 का सफल समापन हुआ। समापन मैच को देखने के लिए हजारों की संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com